रांची

हिन्दी दैनिक

# वनांचल आई

www.vananchaleye@gmail.com

हर खबर पर पहली नजर

₹5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:86 | मंगलवार,02 दिसंबर | Email:vananchaleye@gmail.com

## ब्रीफ न्यूज

### दिल्ली ब्लास्ट के बाद जम्मू-कश्मीर व यूपी में एनआईए की छापेमारी

एजेंसी

एजेंसी ने दिल्ली कार बम ब्लास्ट मामले में अपनी जांच के तहत सोमवार को जम्मू- कश्मीर और उत्तर प्रदेश के कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान आरोपी और संदिग्धों के ठिकानों से विभिन्न डिजिटल उपकरण और अन्य आपराधिक सामग्री बरामद की गई। जम्मू-कश्मीर के शोपियां, कुलगाम, पुलवामा और अवंतिपोरा जिलों में कुल आठ स्थानों और उत्तर प्रदेश के लखनऊ में एक स्थान पर तलाशी ली गई। इससे पहले 26 और 27 नवंबर को एनआईए ने प्रमुख आरोपियों डॉ.मुझम्मिल शकील गनी और डॉ. शाहीन सईद के फरुर्खाबाद स्थित अल-फलाह यूनिवर्सिटी परिसर और अन्य ठिकानों पर व्यापक तलाशी अभियान चलाया था। इस दौरान बड़ी मात्रा में नकद, विदेशी मुद्रा, सोना और अन्यआपराधिक सामग्री बरामद हुई।

### बिहार विस अध्यक्ष पद के लिए डॉ. प्रेम कुमार ने किया नामांकन

एजेंसी

पटना : बिहार में विधानसभा के अध्यक्ष पद के लिए एनडीए ने भाजपा विधायक डॉ. प्रेम कुमार को अपना उम्मीदवार बनाया है। डॉ प्रेम कुमार नेसोमवार को अध्यक्ष पद के लिए नामांकन किया। प्रेम कुमार का विधानसभा अध्यक्ष बनना लगभग तय माना जा रहा है। मंगलवार को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने जाने की उम्मीद जताई जा रही है। नामांकन के बाद उन्होंने कहा कि एनडीए गठबंधन के नेताओं के फैसले का स्वागत करते हुए मैंने नामांकन कर दिया है। मंगलवार को इसका फैसला होगा परिणाम आएगा और औपचारिकताएं पूरी की जाएगी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की यही खूबसूरती है, जहां सभी को अधिकार होता है। उन्होंने कहा कि लंबे समय लगभग 35 वर्षों से सदन को देख रहे हैं। सभी को साथ में लेकर सदन को सुचारु रूप से चलाया जाएगा। डॉ प्रेम कुमार गया शहर से लगातार नौ बार विधायक रहे हैं। वे 1990 से अब तक हर चुनाव जीततेआ रहे हैं।

### झारखंड विधानसभा का सत्र 5 दिसंबर से

संवाददाता

रांचीः झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र 5 दिसंबर से शुरू होकर 11 दिसंबर तक चलेगा। इस बार कुल पांच कार्यदिवस तय किए गए हैं। सत्र शुरू होने से पहले सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने अपनी-अपनी रणनीतिक बैठकों से राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया है।

### 'उभरते तंबाकू एवं निकोटिन उत्पादों से सुरक्षा, चुनौतियां एवं आगे की राह' विषय पर मंत्री इरफान अंसारी बोले-

# युवा को नशे की जद से बाहर रखना हमारी जिम्मेदारी

संवाददाता

रांची : झारखंड की राजधानी रांची स्थित नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ (एनयूएसआरएल) में सोमवार को 'उभरते तंबाकू एवं निकोटिन उत्पादों से सुरक्षा, चुनौतियां एवं आगे की राह' विषय पर राष्ट्रीय परामर्श का आयोजन किया गया, जिसमें राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. इरफान अंसारी ने युवाओं को नशे से दूर रहने की हिदायतें दी। उन्होंने कहा कि देश की युवा शक्ति को नशे की जद से बाहर रखना हमारी जिम्मेदारी है। यहां बैठे युवा कल के वकील

और जज हैं। समाज आप सभी की ओर उम्मीद भरी नजरों से देखता है। नशे की लत में सैकड़ों जानें जा रही हैं, इसलिए विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका तीनों के समन्वित प्रयास बेहद जरूरी हैं। उन्होंने युवाओं से कहा कि सशक्त कानून तभी असरदार होते हैं, जब उनका ईमानदारी से पालन और क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। विशिष्ट अतिथि डॉ. एल स्वस्तिचरण, उप महानिदेशक एवं निदेशक, स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार ने देश में उभरते निकोटिन उत्पादों के नियमन की चुनौतियों, खामियों और आगे की दिशा पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही नशे के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए कानून प्रवर्तन और जागरूकता को और मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया।सेमिनार का उद्देश्य युवाओं को तंबाकू एवं निकोटिन के खतरनाक प्रभावों के प्रति जागरूक करना, इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अधिनियम 2019 के प्रभावी क्रियान्वयन को बढ़ावा देना तथा निकोटिन पाउच जैसे उभरते उत्पादों के वैश्विक नियामक अनुभवों को साझा करना था। मौके पर उच्चतम न्यायालय के अधिवक्ता के रंजीत सिंह ने ईसि गरेट निषेध अधिनियम 2019 के प्रवर्तन में आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों और समाधान पर चर्चा की। वंदना शाह ने निकोटिन पाउच के वैश्विक नियामक ढांचे और विभिन्न देशों में लागू नीतियों की जानकारी दी। प्रवीण सिन्हा ने उभरते तंबाकू एवं निकोटिन उत्पादों के स्वास्थ्य जोखिमों और वैश्विक ट्रेंड्स पर महत्वपूर्ण प्रस्तुति दी। गौरव गुप्ता, सीनियर रिसर्च कंसल्टेंट ने नशे को लेकर भारत में किए गए।

### संसद का शीतकालीन सत्र शुरू, मीडिया से प्रधानमंत्री मोदी बोले-

# ड्रामा नहीं, डिलीवरी की जरूरत

एजेंसी

नई दिल्ली :सोमवार को संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो गया। दोनों सदनों में एसआईआर और 'वोट चोरी' के आरोप के मुद्दे पर हंगामा हुआ। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले पीएम मोदी ने संसद के बाहर मीडिया से 10 मिनट बात की। कहा कि विपक्ष हाल के चुनावों में पराजय की निराशा से बाहर निकले और सदन में मजबूत मुद्दे उठाए। अगर विपक्ष चाहे तो मैं उन्हें टिप्स देने के लिए तैयार हूं कि कैसे परफॉर्म किया जाए। पीएम ने कहा- यह सत्र पराजय की हताशा या विजय के अहंकार का मैदान नहीं बनना चाहिए। नई पीढ़ी के सदस्यों को अनुभव का लाभ मिलना चाहिए। यहां ड्रामा नहीं, डिलीवरी की जरूरत है। यहां जोर नीति पर होना चाहिए, नारों पर नहीं। उपराष्ट्रपति का चुनाव जीतने के बाद पहली बार राज्यसभा के सपापति सीपी राधाकृष्णन ने आसन ग्रहण किया।

## दोनों सदनों में एसआईआर और 'वोट चोरी' के मुद्दे पर विपक्ष ने किया हंगामा

### बिलों पर रिपोर्ट पेश करने के लिए मिला और समय

लोकसभा ने सोमवार को दो संसदीय समितियों को दिवाला कानून और जन विश्वास प्रावधान संशोधन बिल पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए और समय दिया। सदन ने दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक, 2025 पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए संसदीय समिति को शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन तक का समय दिया है। यह बिल लोकसभा में पेश किए जाने के तुरंत बाद 12 अगस्त को समिति को भेज दिया गया था। लोकसभा ने एक अन्य संसदीय समिति को जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक,

प्रधानमंत्री सहित सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों ने उनका स्वागत किया। नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभापति का अभिवादन किया। खड़गे ने इस दौरान पूर्व सभापति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा- मुझे इस बात का दुख है कि सदन को पूर्व सभापति को फेयरवेल देने का मौका नहीं मिला।

### पूर्व सांसदों के निधन पर जताया गया शोक

सत्र की शुरूआत में लोकसभा में पूर्व सांसद कर्नल सोना राम चौधरी, विजय कुमार मल्होत्रा, रवि नाइक, धर्मेंद्र और श्रीप्रकाश जायसवाल सहित 5 पूर्व सदस्यों के निधन पर शोक जताया गया। सदन ने उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। शोक प्रस्ताव के बाद जैसे ही सदन की नियमित कार्यवाही शुरू हुई और विपक्षी सांसद एसआईआर के मुद्दे को लेकर हंगामा करते हुए अध्यक्षीय आसन (वेल) के पास आ गए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने कहा कि सदन चर्चा और संवाद का मंच है और इसे शांतिपूर्वक चलने देना चाहिए, लेकिन उनकी अपील का असर नहीं हुआ और विपक्षी सांसद नारेबाजी करते रहे।सरकार ने चालू वित्त वर्ष में 41,455 करोड़ रुपए के अतिरिक्त खर्च के लिए लोकसभा से मंजूरी मांगी है। लोकसभा ने मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधेयक-2025 को पास कर दिया है। यह विधेयक अध्यादेश की जगह लेगा। इसके साथ ही लोकसभा की कार्यवाही 2 दिसंबर तक के लिए स्थगित हो गई। यह मंगलवार सुबह 11:00 बजे फिर से शुरू होगी।2025 पर अपनी रिपोर्ट पेश करने के लिए शीतकालीन सत्र के दूसरे सप्ताह के अंतिम दिन तक का समय दिया। सरकार ने 18 अगस्त को यह बिल पेश किया था, जिसे बाद में संसदीय समिति को भेज दिया गया था।

# पति ने पत्नी को उतारा मौत के घाट, फिर खुद का काट लिया गला

संवाददाता

रांचीःसोमवार को जिले के अनगड़ा थाना क्षेत्र के रिंगरोड स्थित हेहल टोल प्लाजा के पास बड़ी घटना हो गई। आपसी विवाद में पति लल्लू करमाली ने पहले अपनी पत्नी ममता देवी की धारदार हथियार से मारकर निर्मम हत्या कर दी। इसके बाद उसने उसी हथियार से खुद का गला काट लिया। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने आनन-फानन मेंगंभीर अवस्था में लल्लू करमाली को हॉस्पिटल में भर्ती कराया। इसके बाद लोगों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। जानकारी के अनुसार, लल्लू और ममता ने लव मैरिज की थी। पति-पत्नी के बीच लंबे समय से आपसी विवाद चल रहा था। लल्लू टोल प्लाजा पर काम करता था। वहीं पर उसका घर भी था। इसी दौरान सोमवार को विवाद इतना बढ़ गया कि पति ने आवेश में आकर अपनी पत्नी

- अनगड़ा थाना क्षेत्र के रिंगरोड स्थित हेहल टोल प्लाजा के पास हुई वारदात
- दोनों की हुई थी लव मैरिज, लंबे समय से चल रहा था आपसी विवाद
- जिस धारधार हथियार से की हत्या, उसी से अपने ऊपर किया वार

पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। जिससे पत्नी की मौके पर मौत हो गई। पति ने घटनास्थल से भागने की कोशिश नहीं की, बल्कि उसने उसी धारदार हथियार का इस्तेमाल कर खुदका गला काट लिया।

### सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान दिया आदेश

# अब सीबीआई करेगी डिजिटल अरेस्ट की जांच

## राज्य सरकारों को जांच एजेंसी की मदद करने का दिया गया निर्देश

एजेंसी

नई दिल्लीःसोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इंवेस्टिगेशन (सीबीआई) को देशभर से सामने आए डिजिटल अरेस्ट के मामलों की पैन इंडिया जांच का दायित्व सौंपा है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों को डिजिटल अरेस्ट मामलों की जांच में सीबीआई की मदद करने कभी निर्देश जारी किया है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) सूर्यकांत की बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा- डिजिटल अरेस्ट तेजी से बढ़ता साइबर क्राइम है। इसमें ठग खुद को पुलिस, कोर्ट या सरकारी एजेंसी का अधिकारी बताकर वीडियो-ऑडियो कॉल के

जरिए पीड़ितों, खासकर सीनियर सिटिजन को धमकाते हैं औरसीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को नोटिस जारी कर पूछा कि साइबर ठगी में उपयोग हो रहे बैंक खातों को तुरंत ट्रैक और फ्रीज करने के लिए एआई और मशीन लर्निंग तकनीक का उपयोग क्यों नहीं किया जा रहा। इससे पहले 3 नवंबर की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि डिजिटल अरेस्ट मामलों में लगभग 3 हजार करोड़ की ठगी का पता चला है। अदालत ने इसे 'आयरन हैंड' से निपटने लायक गंभीर 'राष्ट्रीय समस्या' बताया था। उल्लेखनीय है कि हरियाणा के अंबाला जिले में बुजुर्ग दंपती से 3 से 16 सितंबर के बीच 1.05 करोड़ रुपये की ठगी हुई थी। दंपती को सुप्रीम कोर्ट के जजों के फर्जी साइन और जांच एजेंसियों के नकली आदेश दिखाकर डिजिटल अरेस्ट किया गया था। पीड़ित ने 21 सितंबर को तत्कालीन सीजेआई बीआर गवई को चिट्ठी लिखकर पूरी बात बताई थी।

### रांची से रवाना हुई भारत व साउथ अफ्रीका की टीम, एयरपोर्ट बना फैन जोन

बल्ले और गेंद से दम दिखाने के बाद सोमवार को भारत और साउथ अफ्रीका की टीम रांची से रवाना हो गई। सुबह से ही बिरसा मुंडा एयरपोर्ट के बाहर भारी भीड़ इकट्ठा होने लगी। जर्सी पहने युवा, टीम इंडिया का झंडा लहराते छोटे बच्चे और मोबाइल कैमरा ऑन किए फैंस, हर कोई बस एक ही उम्मीद लेकर पहुंचा था कि वह अपने पसंदीदा खिलाड़ी की एक झलक पा सकें। एयरपोर्टके मेन गेट से लेकर वीआईपी लाउंज तक फैंस का हुजूम ऐसा लग रहा था मानो रांची में एक और मैच शुरू होने वाला है।

## दित्वा तूफान | श्रीलंका की मदद के लिए आगे आया भारत, चलाया ऑपरेशन सागर बंधु

# विभिन्न देशों के 150 से अधिक लोगों को बचाया, 2 हजार भारतीयों को निकाला

एजेंसी

नई दिल्लीः तूफान दित्वा से आई भीषण बाढ़ और जानमाल के नुकसान का सामना कर रहे श्रीलंका को मदद के लिए तीन दिन से जारी सहायता अभियान ऑपरेशन ह्यसागर बंधु में अब तक 53 टन राहत सामग्री भेजने के साथ ही विभिन्न देशों के 150 से अधिक लोगों को बचाया है। इसके अलावा खराब मौसम के कारण फंसे हुए 2 हजार से अधिक भारतीयों को स्वदेश लाया गया है। विदेश मंत्रालय ने 28 नवंबर से चल रहे ऑपरेशन ह्यसागर बंधु में अब तक के राहत एवं बचाव कार्य की सोमवार को यहां जानकारी दी। भारत ने श्रीलंका में राहत एवं बचाव कार्यों के संचालन में मदद

के लिए विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत को तैनात किया है। मंत्रालय का कहना है कि भारत जरूरत के समय में श्रीलंका की सरकार और लोगों के साथ मजबूती से खड़ा है और बचाव राहत और जल्द से जल्द सामान्य जीवन की बहाली के लिए हर संभव सहायता दे रहा है। मंत्रालय ने बताया कि बचाव कार्य में सुरक्षित निकाले गए नागरिक श्रीलंका, भारत, जर्मनी, स्लोवेनिया, ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका, पोलैण्ड, बेलारूस, ईरान, ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान और बांग्लादेश के थे। फंसे भारतीय नागरिकों को भी भारतीय वायुसेना के विशेष विमानों के साथ-साथ वाणिज्यिक उड़ानों के माध्यम से निकाला गया। भारत की ओर से श्रीलंका को अबतक कुल 53 टन राहत सामग्री भेजी गई है। सबसे पहले आगे आते हुए भारत ने ने तुरंत कोलंबो में भारतीय नौसेना के दो जहाजों से 9.5 टन राशन दिया और 31.5 टन राहत सामग्री एयरलिफ्ट करने के लिए भारतीय वायुसेना के तीन विमान भेजे। ऑन-साइट ट्रेनिंग के लिए 5 लोगों की मेडिकल टीम, और बचाव के कामों में मदद के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की 80 लोगों की स्पेशल अर्बन सर्च एंड रेस्क्यू (यूएसएआर) टीमें भेजी गईं। भारतीय नौसैनिक पोत सुकन्या पर 12 टन अतिरिक्त राहत सामग्री भेजी गई। श्रीलंकाई वायु सेना के साथ समन्वय में, आईएनएस विक्रांत पर तैनात चेतक हेलीकॉप्टरों और भारतीय वायु सेना के एमआई.-17 हेलीकॉप्टरों ने व्यापक बचाव अभियान चलाया, जिसमें गर्भवती महिलाओं, शिशुओं और गंभीर रूप से घायल लोगों सहित फंसे हुए लोगों को निकाला गया।

### रांची में रेस्टोरेंट कारोबारी ने की आत्महत्या

# भारी कर्ज में डूबे हुए थे शंकर नारायण, जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता

रांची : रांची के प्रसिद्ध रेस्टोरेंट कुप्पुस्वामी के मालिक शंकर नारायण ने सोमवार को कांके थाना क्षेत्र के जगतपुरम कॉलोनी स्थित अपने घर में आत्महत्या कर ली। उनका शव घर के कमरे से बरामद किया गया। सूचना मिलने पर कांके थाना प्रभारी प्रकाश रजक पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को पुलिस निगरानी में नीचे उतारा गया। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। घटनास्थल से सुसाइड नोट की तलाश जारी है। परिवार के सदस्यों ने बताया कि शंकर नारायण पिछले कुछ समय से भारी कर्ज में डूबे हुए थे, जिसके कारण वे मानसिक तनाव में रहते थे। कर्ज का

दबाव उनकी आत्महत्या की मुख्य वजह बताई जा रही है। शंकर मूल रूप से केरल के रहने वाले थे। उनके बड़े भाई वेलाई का भी रांची के हजारीबाग रोड पर होटल का व्यवसाय है। वेलाई ने बताया कि दोनों भाई हर साल गांव के मंदिर में होने वाली पूजा में शामिल होने के लिए केरल जाते थे, लेकिन इस बार शंकर नहीं गए। पहले ही कर्ज को लेकर उनकी चिंता साफ दिख रही थी। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी है और पूरे मामले की विस्तृत छानबीन की जा रही है।

# आधुनिक युग में गीता की बढ़ती प्रासंगिकता पर मारवाड़ी कॉलेज में मंथन

**रांची, संवाददाता ।**

मारवाड़ी महाविद्यालय में सोमवार को संस्कृत एवं दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित गीता जयंती समारोह में वक्ताओं ने श्रीमद्भगवद्गीता की आधुनिक युग में प्रासंगिकता पर अपने विचार व्यक्त किए. कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन का शाश्वत मार्गदर्शक है, जो व्यक्ति को कर्म, निष्ठा, सत्य, धैर्य और समत्व के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है. उन्होंने श्रीकृष्ण के उपदेश ह्लकर्मण्येवाधिकारस्तेह्व का उल्लेख करते हुए कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक और तनावपूर्ण समय में विद्यार्थी जीवन के लिए परिश्रम, अनुशासन एवं कर्तव्यनिष्ठा ही सफलता की कुंजी है.

दर्शनशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. शशि शेखर दास ने कहा कि गीता मन, प्रकृति, ऊर्जा तथा मानव-व्यवहार को वैज्ञानिक दृष्टि से समझाती है. ध्यान-योग को आज मस्तिष्क-विज्ञान भी तनाव-नियंत्रण के लिए प्रभावी मानता है. उन्होंने कहा कि समत्व का सिद्धांत जीवविज्ञान के संतुलन से भी मेल खाता है, जिससे गीता अध्यात्म और विज्ञान का सुंदर सामंजस्य प्रस्तुत करती है. कार्यक्रम में बांग्ला विभाग के अध्यक्ष डॉ. वैद्यनाथ कुमार ने गीता के कर्मयोग सिद्धांत की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जब व्यक्ति लोभ, मोह, भय और स्वार्थ से मुक्त होकर समाजहित में कर्म करता है तो उसका जीवन शांत, शुद्ध और उद्देश्यपूर्ण बन जाता है. कॉमर्स विभाग के शिक्षक डॉ. अंकित शर्मा ने कहा कि गीता के अठारह अध्याय जीवन के विभिन्न आयामों—ध्यानयोग, कर्मयोग, ज्ञानयोग, भक्ति योग और संन्यासयोग—की सारगर्भित आध्यात्मिक व्याख्या प्रस्तुत करते हैं, जो मानव जीवन को ज्ञान, सत्य और प्रकाश से आलोकित करते हैं. धन्यवाद ज्ञापन में संस्कृत विभाग की वरिष्ठ शिक्षिका डॉ. रंजू लाल ने कहा कि गीता केवल आध्यात्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि व्यवहारिक जीवन-दर्शन, मानसिक संतुलन और कर्तव्यनिष्ठ जीवनशैली का संपूर्ण मार्गदर्शक है, जिसकी प्रासंगिकता आज और बढ़ गई है.

# सदर अस्पताल में राज्य स्तरीय एड्स दिवस समारोह, युवाओं ने दिया जागरुकता का संदेश

**रांची, संवाददाता ।**

विश्व एड्स दिवस 2025 के अवसर पर 1 दिसंबर को सदर अस्पताल रांची के ऑडिटोरियम में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा, क्अर ने शामिल हुए और युवाओं से एचआईवी संक्रमण की रोकथाम के लिए अधिक से अधिक जागरुकता फैलाने की अपील की. अभियान निदेशक ने कहा कि झारखंड राज्य एड्स नियंत्रण समिति लगातार एचआईवी की रोकथाम और जांच को लेकर विभिन्न कार्यक्रम चला रही है. उन्होंने कहा कि इन अभियानों से अधिक से अधिक लोगों को जोड़कर उनकी एचआईवी जांच कराई जा सकती है, जिससे संक्रमण को रोकने में मदद मिलेगी. उन्होंने रक्तदान अभियान का भी विशेष उल्लेख किया और युवाओं से बढ़-चढ़कर रक्तदान करने की अपील की ताकि राज्य में रक्त की कमी को दूर किया जा सके. कार्यक्रम में शामिल राज्य यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. कमलेश प्रसाद ने कहा कि एचआईवी के कारणों और बचाव को लेकर आम लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है.

उन्होंने कहा कि एचआईवी के साथ जीवन जी रहे लोगों के प्रति भेदभाव समाप्त होना चाहिए और उन्हें मुख्यधारा से जोड़कर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए. अपर परियोजना निदेशक डॉ. एस. एस. पासवान ने बताया कि झारखंड में वर्तमान में 65 आईसीटीसी केंद्रों के माध्यम से जांच और काउंसलिंग की सुविधा उपलब्ध है. इसके अलावा राज्य में 13 एआरटी केंद्र संचालित हैं, जहां एचआईवी संक्रमित लोगों को मुफ्त इलाज और दवा उपलब्ध कराई जाती है. उन्होंने बताया कि सरकार एचआईवी संक्रमित लोगों को मुख्यधारा में जोड़ने के लिए कई योजनाओं का लाभ भी दे रही है. सिविल सर्जन रांची डॉ. प्रभात कुमार ने नर्सिंग कॉलेजों और अन्य संस्थानों के छात्रों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रमों की सराहना की. उन्होंने कहा कि युवाओं के बीच एड्स को लेकर बढ़ती जागरुकता यह संकेत देती है कि नियमित प्रयासों से इस बीमारी को जड़ से खत्म किया जा सकता है.

कार्यक्रम के दौरान सदर अस्पताल रांची और एमजीएम मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल जमशेदपुर को रक्तदान शिविर के सफल आयोजन के लिए सम्मानित किया गया. रिम्स रांची और एमजीएम जमशेदपुर के आईसीटीसी केंद्रों को बेहतर जांच सुविधा के लिए सम्मान मिला. एआरटी केंद्रों की उत्कृष्ट सेवाओं के लिए भी एमजीएम और रिम्स को सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में संत जेवियर कॉलेज रांची व कई नर्सिंग कॉलेजों के छात्रों ने नुक्कड़ नाटक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से एचआईवी जागरुकता का संदेश दिया. नाटकों के माध्यम से एड्स से बचाव, भेदभाव कम करने और सुरक्षित व्यवहार अपनाने का संदेश प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया गया. विश्व एड्स दिवस की पूर्व संध्या पर 30 नवंबर को सदर अस्पताल से मिशन चौक तक कैंडल मार्च निकाला गया, जिसमें छात्रों ने भाग लेकर आम लोगों को एड्स और एचआईवी संक्रमण के खतरों के प्रति जागरूक किया. कार्यक्रम में निदेशक प्रमुख स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. सिद्धार्थ सान्याल, उ्र सदर अस्पताल डॉ. विमलेश कुमार, संयुक्त निदेशक CST डॉ. बादल चंद्र भकत, संयुक्त निदेशक IEC रवि प्रकाश सिंह, उपनिदेशकों समेत स्वास्थ्य विभाग और एड्स नियंत्रण समिति के कई पदाधिकारी उपस्थित रहे.

# ट्राइबल कॉलम की मांग को लेकर दिल्ली में 25 फरवरी को होगा विशाल प्रदर्शन: अरविंद

**रांची, संवाददाता ।**

राष्ट्रीय आदिवासी -इंडीजीनस धर्म समन्वय समिति, भारत के द्वारा - जनगणना प्रपत्र में आदिवासियों/जनजातियों के अस्तित्व, आस्था और पहचान के लिए ₹ट्राइबल कॉलम₹ पुनः बहाल कराने हेतु प्रेस कॉन्फ्रेंस किया गया. संगठन के मुख्य संयोजक अरविंद उरांव ने कहा कि आगामी 25 फरवरी 2026 को जंतर-मंतर, नई दिल्ली में एक दिवसीय विशाल धरना प्रदर्शन किया जाएगा. राष्ट्रीय सह संयोजक राजकुमार कुंजाम ने कहा कि देश के सभी राज्यों से आदिवासी समुदाय के लोग हजारों की संख्या में कार्यक्रम में शामिल होंगे. उन्होंने कहा कि देश में लगभग 800 विभिन्न जनजाति निवास करती है. सभी आदिवासी समुदाय की अलग-अलग धार्मिक आस्था है. जिसमें सरना, गोंडी, भीली, सारी, ढोंनी पोलो, बारिथे, सनामाही, बाथउ...... आदि धर्म है. धर्म को बरकरार रखते हुए अलग ट्राईबल कॉलम दिया जाए?. जिसमें अपनी धर्म को उस कॉलम में दर्ज कर सकेंगे. झारखंड की महिला नेत्री निरंजना हेरेंज टोप्पो ने कहा कि हर दस वर्ष में देश में जनगणना की जाती थी परन्तु केन्द्र सरकार ने सोलह साल बाद देश में जनगणना की घोषणा की है. आदिवासी समुदाय के लिए जनगणना प्रपत्र में अलग कॉलम नहीं है. तामिलनाडु से आए एस तेन्नारासू ने कहा कि 1931 से 1951 तक जनगणना में ट्राईबल कॉलम था. उसे पुनः लागू किया जाए. साउथ रीजन के सभी राज्यों में ट्राईबल कॉलम बहाल कराने की मांग जारी है.

# अलका लांबा का भाजपा और चुनाव आयोग पर जोरदार हमला, बोलीं - सड़क से संसद तक लड़ाई रहेगी जारी

**रांची, संवाददाता ।**

राजधानी रांची में अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने रविवार को एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया. इससे पहले झारखंड महिला कांग्रेस की नई प्रदेश अध्यक्ष रामा खलखो ने औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया. पदभार ग्रहण समारोह के तुरंत बाद दोनों नेताओं ने मीडिया से बातचीत की और केंद्र सरकार, चुनाव आयोग तथा राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर तीखे सवाल खड़े किए. अलका लांबा ने कहा कि देश इस समय एक ऐसे दौर से गुजर रहा है जहां लोकतांत्रिक संस्थाओं पर दबाव बढ़ रहा है. उन्होंने स्पष्ट कहा कि संसद का सत्र भले ही अपने तरीके से चलता रहेगा, लेकिन कांग्रेस का संघर्ष सड़क से लेकर सदन तक जारी रहेगा. उनके अनुसार राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे संसद में

जनता के सवाल उठाएंगे, जबकि महिला कांग्रेस और संगठन के अन्य मोर्चे मैदान में उतरकर लोगों की आवाज को मजबूत करेंगे. उन्होंने रक्फ़ के मुद्दे पर भी केंद्र सरकार को घेरा और कहा कि इस नई व्यवस्था के बहाने आदिवासियों के अधिकारों में कटौती की जा रही है. कई ब्लॉक स्तर के अधिकारी और कर्मचारी भारी दबाव झेल रहे हैं और मानसिक तनाव के कारण आत्महत्या जैसे मामलों की खबरें सामने आ रही हैं. उन्होंने इसे बेहद चिंताजनक करार दिया.

चुनाव आयोग पर बोलते हुए अलका लांबा ने आरोप लगाया कि आयोग मूकदर्शक बनकर सब कुछ देख रहा है. उन्होंने कहा कि हरियाणा में 25 लाख फर्जी वोट तैयार कर लिए गए, जबकि बीजेपी के कुछ नेता दिल्ली और बिहार दोनों जगह वोट करते हैं. बिहार में भी कई जगहों पर वोटरों के नाम काटे जाने की शिकायतें मिल रही हैं. उन्होंने कहा कि हम चुनाव आयोग को चैन से बैठने नहीं देंगे, यह बीजेपी की मशीन नहीं बल्कि संवैधानिक पद है और इसे अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए. प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने केंद्र सरकार पर ह्लवोट चोर गद्दी छोड़ह्व का नारा भी लगाया और कहा कि दिल्ली से लेकर पूरे देश में यह आवाज बुलंद की जाएगी. महिलाओं के मुद्दों पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि जहां-जहां कांग्रेस या इंडिया गठबंधन की सरकारें हैं, वहां महिलाओं को आर्थिक सहायता दी जा रही है. इसके उलट दिल्ली में बीजेपी सरकार ने महिलाओं को सहायता देने का वादा किया था, लेकिन आज तक एक भी महिला को कोई लाभ नहीं मिला. उन्होंने झारखंड मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से भी मांग की कि राज्य महिला आयोग को फिर से सक्रिय किया जाए और महिला-बाल संरक्षण आयोग से जुड़े सुझावों को भी सरकार के समक्ष रखा जाएगा. राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर भी अलका लांबा ने केंद्र पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि दिल्ली में आतंकी हमला हुआ लेकिन सरकार ने मामले को जल्दबाजी में निपटा दिया.

# संत जेवियर कॉलेज के छात्रों ने सड़क पर बना दिया पार्किंग, हर दिन लगता है जाम

**रांची, संवाददाता ।**

शहर में लगातार अतिक्रमण हटाओ अभियान चल रहा है. शहर में मुख्य मार्ग मेन रोड, कचहरी रोड, सुजाता रोड समेत अन्य मार्गों पर कार्रवाई हो रही है. अवैध पार्किंग पर तुरंत चालान काट दिए जाते है. फुटपाथ मार्ग पर दुकान, झुग्गी झोपड़ी, फास्ट फूड, चाय दुकान, छोला भटूरा समेत छोटे साग-सब्जी की दुकान को हटाए जाते है. लेकिन संत जेवियर कॉलेज के सामने पार्किंग पर प्रशासन सुस्त दिख रही है.

### झुग्गी झोपड़ी और फास्ट फूड तक में सिमट कर रह गई प्रशासन

लोगों को जाम से निजात दिलाने के लिए कई ठोस पहल किए है. इसके लिए हजारों दुकानदारों को वेंडर मार्केट उपलब्ध कराए गए है. फिर भी रांची में जाम आम बात हो गई है. संत जेवियर कॉलेज गेट के सामने अवैध पार्किंग चल रहा है.

विद्यार्थी फुटपाथ पर पार्किंग बना दिए है. अपने गाड़ी को रोड पर खड़ा कर क्लास करने चले जाते है. लेकिन नगर निगम इन पार्किंग पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है. पार्किंग की वजह से हर दिन जाम लग जाता है. मिशन चौक से लेकर अलबर्ट एक्का चौक तक गाड़िया रेंगते हुए चलते है. पांच मिनट का सफर में लग जाता है आधा घंटा. जब एक साथ स्कूल और कॉलेज की छुट्टी होती है. उस दौरान विद्यार्थियों के अवैध पार्किंग की वजह से रोड पूरी तरह से संकीर्ण हो जाता है. लोगों का पैदल चलना मुस्किल हो जाता है. ऑटो वाले भी रोड पर ऑटो खड़ा करते है. पैसेंजर बैठाते है. इसकी वजह से भी जाम लग जाता है.

# आधुनिक जीवनशैली में ब्रेन ड्रेनर बढ़े, मानसिक थकान के मामले तेजी से उभर रहे

**रांची, संवाददाता ।**

सदर अस्पताल रांची के न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. विकास कुमार ने आधुनिक जीवनशैली में बढ़ती मानसिक थकान और तनाव पर चिंता जताते हुए उन आदतों की सूची साझा की है, जो मस्तिष्क की ऊर्जा को तेजी से खत्म कर देती हैं. साथ ही उन्होंने ऐसे सरल उपाय भी बताए हैं, जिनसे दिमाग को फिर से सक्रिय, शांत और केंद्रित बनाया जा सकता है. डॉ कुमार के अनुसार, लोग अक्सर यह समझ नहीं पाते कि उनकी दिनचर्या की छोटी-छोटी आदतें किस तरह मानसिक थकान का बड़ा कारण बन रही हैं. उन्होंने कहा कि लगातार तनाव, स्क्रीन की अधिकता, अनियमित नींद और काम का दबाव मस्तिष्क को धीरे-धीरे कमजोर करता है और व्यक्ति को मानसिक रूप से थका देता है.

उन्होंने बताया कि सबसे बड़े ब्रेन ड्रेनर में ओवरथिंकिंग यानी ज्यादा सोचना शामिल है. यह आदत व्यक्ति की ऊर्जा को सबसे पहले खत्म करती है. इसके अलावा शरीर में पानी की कमी, लंबे समय तक बैठे रहना, जंक फूड, नकारात्मक लोगों का साथ, सीमाओं का अभाव और अव्यवस्थित वातावरण भी मानसिक स्वास्थ्य को सीधे प्रभावित करते हैं. डॉ कुमार ने कहा कि लगातार स्क्रीन देखना, शराब का सेवन और आत्म-संदेह भी मानसिक थकान को बढ़ाने वाले मुख्य कारणों में शामिल हैं. उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मस्तिष्क को स्वस्थ रखने के लिए लोगों को अपनी खराब आदतों में छोटे-छोटे बदलाव करने होंगे. इसके लिए उन्होंने कई ब्रेन बूस्टर्स सुझाए, जिनमें प्रकृति के साथ समय बिताना, पर्याप्त पानी पीना, सूरज की रोशनी लेना, ध्यान और सांसों का अभ्यास करना शामिल है.

डॉ कुमार के अनुसार, नियमित और गहरी नींद मस्तिष्क को ठीक उसी तरह रीस्टोर करती है, जैसे मोबाइल को चार्जर से ऊर्जा मिलती है. अच्छी नींद के साथ-साथ व्यायाम, सकारात्मक लोगों का साथ और साफ-सुथरा वातावरण मानसिक स्पष्टता को बढ़ाता है. उन्होंने कहा कि कृतज्ञता की भावना और नई चीजें सीखने की आदत भी मस्तिष्क को सक्रिय बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है.

# मोंटफोर्ट स्कूल का वार्षिकोत्सव संपन्न, टॉपर्स छात्र हुए सम्मानित

**रांची, संवाददाता ।**

कांके के हथियागोंदा स्थित मोंटफोर्ट स्कूल में वार्षिकोत्सव समारोह "निस्वार्थ स्नेह की उड़ान" हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रिम्स निर्देशक और सीईओ डॉ राजकुमार ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की. इस दौरान सम्मानित अतिथि के रूप में प्रांतीय सुपीरियर रेव्ह ब्रदर सतीश के .डॉन और विशेष अतिथि के रूप में रांची नगर निगम प्रशासक सुशांत गौरव व ब्रदर सोनू डुंगडुंग उपस्थित रहे. इसके अलावा छात्रों के माता पिता भी शामिल हुए.

### वार्षिकोत्सव में छात्रों ने प्रस्तुत किए मनमोहक नृत्य

वार्षिकोत्सव में कक्षा 1- 9 के छात्रों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए. छात्रों ने एक अनाथालय में माता-पिता के प्यार के बंधन को नृत्य नाटिका के माध्यम से प्रस्तुत किया.

कार्यक्रम में माता-पिता के निःस्वार्थ प्रेम को उन पंखों के रूप में उजागर किया, जो बच्चों को जीवन में ऊंचा उड़ने में मदद करते हैं. साथ ही छात्रों ने कई नाटक प्रस्तुत किए, जिसमें दिखाया गया कि कैसे शाही/अमीर लोग भी अपने बच्चों के प्यार के लिए बलिदान देते हैं. वार्षिकोत्सव में सत्र 2024 -25 के कक्षा 1-9 के टॉपर्स छात्रों को प्रोत्साहित किया गया. वहीं सांस्कृतिक प्रदर्शन और शैक्षणिक व सह पाठ्यक्रम में उत्कृष्टता के लिए छात्र पुरस्कृत हुए. इस अवसर पर प्रधानाध्यापक ब्रदर हरमन और उप प्रधानाचार्य ब्रदर सुनील ने मेहमानों, अभिभावकों, शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों के प्रति आभार व्यक्त किया.

# बेथेसदा बालिका स्कूल में 173वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया

**रांची, संवाददाता ।**

बेथेसदा कंपाउंड स्थित बालिका उच्च विद्यालय में 173वां बेथेसदा दिवस मनाया गया. इस दौरान कई सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए. इस अवसर पर मुख्य अतिथि जीईएल चर्च के मॉडरेटर मार्शल केरकेट्टा, बिशप सीमांत तिर्की, जॉन कंडुलना शामिल हुए. इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि बेथेसदा छोटानागपुर का पहला बालिका विद्यालय है, जो लंबे समय से शिक्षा के क्षेत्र में अलख जला रहा है. आज भी यहां के विद्यार्थी देश विदेश मे उच्चे ओहदे पर पदस्थापित है. चाहे वह इंजीनियर, प्रशासनिक और मेडिकल के क्षेत्र में अपना सेवा दे रहे है. वर्ष 2025 के वार्षिक माध्यमिक परीक्षा के प्रथम तीन टॉपर्स को सम्मानित किए गए. इसके साथ ही प्रखंड स्तरीय होने वाले टेनिस, कबड्डी प्रतियोगिता में सफल होन वाले विद्यार्थी भी पुरस्कृत हुए.

### बेथेसदा स्कूल के विकास के लिए बने एक यूनियन

बेथेसदा दिवस पर पूर्व छात्र भी पहुंचे थे. इस दौरान छात्रो ने कहा कि बेथेसदा स्कूल सबसे पुरानी स्कूल है. जो आज भी लोगों को

गौरान्वित कर रहा है. हजारों गरीब विद्यार्थियों की आशा की किरण बन चुकी है. पूर्ववर्ती छात्रों ने कहा कि अनुशासन से ही मंजिल को पा सकते है. इसके लिए ईमानदारी और कड़ी मेहनत जरूरी है.

### क्रिसमस की धूम

बेथेसदा दिवस पर संता क्लॉज ने अतिथियों का भव्य स्वागत किया. स्टेज पर दर्जनों छात्रों ने नागपुरी गीत की बेजोड़ संगीत और नृत्य प्रस्तुत किए. इसमें हैपी क्रिसमस के गीत एवं नृत्य प्रस्तुत किए. गानों की धुन से मौजूद विद्यार्थियों से ताली बजाकर विद्यार्थियों को उत्साहित किया.

### जर्जर भवन को दुरुस्त किया जाए

पूर्ववर्ती छात्रों ने कहा कि बेथेसदा की पुरानी बिल्डिंग जर्जर हो चुकी है. इसके लिए स्कूल प्रबंधक को नये यूनियन बनाए जाए. जर्जर भवन को दुरस्त किया जाए. ताकि छात्रो को अधिक से अधिक सुविधा उपलब्ध हो सके और पढ़ाई को और भी हाईटेक बनाए जा सके. क्लास 8वीं के विद्यिर्थयों ने बेथेसदा दिवस पर पर्यावरण प्रदूषण पर नृत्य किए. दर्शकों को अपनी ओर आकर्शित किए. मानव छेड़छाड़ और रासायनिक खाद्य के कारण मिट्टी दूषित हो रहा है. इसकी वजह से उपजाऊ पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है. प्राकृतिक संतुलन बिगड़ रहा है. इससे बचने के लिए प्राकृतिक खाद्य के उपयोग से फिर प्रकृति को हरा भरा बनाने के लिए नृत्य प्रस्तुत किए गए. इस अवसर पर पूर्ववर्ती छात्रा डोरंडा थाना इंस्पेक्टर दीपिका प्रसाद, डॉ सॉलोनी होरो, ईस्टर भेंगरा समेत अन्य विद्यार्थियों को संबोधित किया.

# लंबी-लंबी लगी कतारें तेरे दरबार में हारे के सहारे

**रांची, संवाददाता ।**

हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में आज मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष की मोक्षदा एकादशी के शुभ अवसर पर मंदिर में भक्तों की लंबी लंबी लाइन देखने को मिली। 5:30 बजे की मंगला आरती में नियमित दर्शन करने वाले दर्शनार्थियों के अलावा ग्यारस में आने वाले श्याम भक्तों की भी भारी संख्या में भीड़ देखने को मिली। मंगला आरती के बाद मंड के पर्दे लगाकर बाबा श्याम का अनुपम दिव्य श्रृंगार किया गया। अध्यक्ष गोपाल मुरारका कोषाध्यक्ष मनोज खेतान कार्यकारणी सदस्य श्याम सुंदर शर्मा के सानिध्य में मंदिर के आचार्य ने मिलकर बाबा श्याम को कोलकाता बेंगलुरु से मंगाए गए ऑर्किड डच गुलाब तुलसीदल लाल मुरुगन फूल रजनीगंधा येलो क्रिस्टनम पीला गेंदा की मोटी मोटी मालाओं से सजाया। ग्यारस का दिन श्याम भक्तों के लिए विशेष दिन होता है और हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में दिन प्रतिदिन भक्तों की आस्था और मान्यता बढ़ती जा रही है। श्री श्याम मंदिर हरमू रोड की सभी पूजन अनुष्ठान विधि विधान से खाटूधाम की परंपरा अनुसार किए जाते हैं। हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में भक्त अपनी अर्जी लेकर अपने आराध्य देव से अपनी अरदास लगाते हैं ।जहां एक और भक्त अपनी अर्जी लेकर आए हुए थे और बाबा के चरणों में उसे समर्पित कर रहे थे वहीं दूसरी ओर दर्शन करने वालों की भी लंबी-लंबी लाइन लगी थी। 12.15 बजे विश्राम आरती के बाद 12.30 बजे मंदिर के पट लगा दिए गए। संध्या 4.30 बजे जब मंदिर के पट खुले तो पहले से ही भक्त काफी संख्या में दर्शन करने के लिए उपस्थित थे। एकादशी संकीर्तन का मुख्य कार्यक्रम रात्रि 9:30 बजे से प्रारंभ हुआ। बलवंत लाल सुमन कुमारी नीलमणि ने अपने परिवार के साथ बाबा श्याम की अखंड ज्योति प्रज्वलित की। अखंड ज्योति में केसरिया पेडा पंचमेवा प्रसाद फल गिरीगोला रबड़ी एवं मगही पान का भोग लगाकर झारखंड राज्य की खुशहाली एवं परिवार की खुशियों की प्रार्थना की। संकीर्तन कार्यक्रम गणेश वंदना से प्रारंभ हुआ ।मंडल के उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया ने गणेश वंदना श्याम सुंदर शर्मा ने गुरु वंदना राजेश चौधरी ने हनुमान जी की वंदना प्रवीण अग्रवाल ने भोलेनाथ जी की वंदना अनुज मोदी ने रानी सती दादी जी की वंदना एवं बाबा श्याम की वंदना महामंत्री गौरव अग्रवाल एवं सलज अग्रवाल ने कि ।इसके बाद मंदिर के अन्य श्याम भक्तों ने बाबा श्याम के दरबार में हाजिरी लगाई। मंडल के मंत्री विष्णु चौधरी एवं उपमंत्री प्रवीण सिंघानिया ने ग्यारस पूजन एवं ज्योत की सभी तैयारियां पूरी करवाई। यजमान बलवंत लाल सुमन कुमारी नीलमणि के परिवार एवं आए हुए श्याम भक्तों को ज्योत दिलाने का कार्य भी उन्होंने ही करवाया। अखंड ज्योत प्रज्वलित होने के बाद आए हुए भक्तों के बीच प्रसाद वितरण प्रारंभ किया गया जो निरंतर रात्रि आरती के बाद तक किया जा रहा था। मंडल के उपाध्यक्ष अशोक लड़ियां महामंत्री गौरव अग्रवाल एवं मंत्री पंकज गाड़ोदिया राजेश ढांढनीया ने प्रसाद वितरण का कार्य अन्य सहयोगियों के साथ सम्पन्न किया।

### हज हाउस रांची में 11 जनवरी 2026 को अजीम-उश्शान फि क्री सेमिनार

# डॉ. इरफान अंसारी से अहम मुलाकात, वजीर-ए-आला हेमंत सोरेन की शिरकत के आसार रौशन

संवाददाता । रांची

रांचीः झारखंड सामाजिक व फि क्री फोरम और तहफ़्फ़ुज-ए-इम्मा, मसाजिद व मोअज्ज़िनीन के जेर-ए-एहतिमाम 11 जनवरी 2026, बुरोज ए इतवार हज हाउस कडरू रांची में सुबह दस बजे से शाम चार बजे तक एक अजीम-उश्शान फि क्री सेमिनार मुनअकि द होगा। इस सिलसिले में तन्जीम के सरपरस्त मुहतर्म हाजी गुलजार साहब की खुसूसी मआरिफत और आला रवाबित की बरकत से वजीर-ए-सेहत डॉ. इरफान अंसारी साहब से निहायत एहम और नतीजा-खेज मुलाकात अंजाम पाई। हाजी गुलजार साहब रियासती सियासत में एक बाअस्र, मोतबर और वजीर-ए-आला समेत कई आहम सियासी काइदीन के निहायत करीबी और मुअत्मद फर्द के तौर पर पहचाने जाते हैं, और उन्हीं की सरपरस्ती की बदौलत यह मुलाकात सेमिनार के लिए एक बड़ी कामयाबी साबित हुई।मुलाकात के दौरान डॉ. इरफान अंसारी साहब ने पूरी संजीदगी, खुलूस और खुश-डिली के साथ वफ़्द की गुफ़्तगू सुनी। उनको बाकायदा दावत-नामा पेश किया गया जिसे उन्होंने मुसर्रत के साथ कबूल करते हुए मुकम्मल ताउवन का यक ीन दिलाया और फरमाया कि इंशाअल्लाह वजीर-ए-आला हेमंत सोरेन जी भी इस तारीखी सेमिनार में शिरकत फरमाएंगे, जब कि दीगर आहम सियासी काइदीन की आमद भी मुतवक़्क़े हैइस मुलाकात में तन्जीम की नुमाइंदगी मुमताज आलिम-ए-दीन मौलाना मेराज अशरफ नदवी, मुफ्ती अब्दुल हसीब साहब और तन्जीम के मुआविन कारी सना उल्लाह साहब ने की। तीनों हजरत ने सेमिनार की गरज-ओ-गायात, उसके फि क्री व समाजी असरात और रियासती सतह पर उसकी अफादियत पर मॉडलल अंदाज में बातचीत की जिसे डॉ. इरफान अंसारी साहब ने बे-हद सराहामुलाकात के बाद मौलाना मेराज अशरफ नदवी ने अपने तास्सुरात बयां करते हुए कहाःह्लवजीर-ए-सेहत डॉ. इरफान अंसारी साहब से बात करके दिल को बड़ी खुशी हुई। उनकी संजीदगी, खैर-ख़्वाही और नरम-दमित रवैये ने हमारे हौसले बुलंद किए।इसी तरह तन्जीम के सरपरस्त, अजीम सरपरस्त जनाब अल-हाज गुलजार साहब से भी पहली बार तफसीली मुलाकात का मौका मिला और उनकी मोहब्बत, शफकत और गर्मजोश रहनुमाई ने दिलों में बे-हद मुसर्रत पैदा की। हम दुआ गो हैं कि अल्लाह तआला उनकी सेहत, उम्र और खिदमात में बरकत अता फरमाए और इस अमल को अपनी बारगाह में कबूल करेसेमिनार का मर्कजी मौजू देसीयुम गुरु शरी शिबू सोरेन जी की तारीखी खिदमात, झारखंड की तहजीबी शनाख़्त, समाजी हम-आहंगी और रियासत की फि क्री तामीर पर मर्कूज होगा। इस में रियासत भर से उलमा-ए-किराम, सियासी रहनुमा, दानिश्वर, समाजी शख्सियात और नौजवान बड़ी तादाद में शिरकत करेंगे और यह प्रोग्राम झारखंड के फि क्री व समाजी मुस्तकबिल के लिए एक आहम संग-ए-मील साबित होगा।

# झारखंड थैलेसीमिया पीड़ितों/परिजनों एवं रक्तवीरों के मुद्दों का निष्पादन होगा

संवाददाता । रांची

झारखंड के जनप्रतिनिधियों के द्वार चलो अभियान के तहत झारखंड के थैलेसीमिया पीड़ितों/परिजनों एवं रक्तवीरों सहित सामाजिक चिंतकों का प्रतिनिधिमंडल ₹लहू बोलेगा₹ रक्तदान संगठन रांची एवं झारखंड थैलेसीमिया पीड़ित एसोसिएशन के नेतृत्व में आज सुबह झारखंड कांग्रेस के कांके(रांची)के माननीय विधायक सुरेश बैठा से कांके स्थित उनके आवास पर 29 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को माननीय कांके विधायक के प्रतिनिधि शमीम बरिहार के सहयोग से द्वारा 14 सूत्री थैलेसीमिया मांग एवं 19 सूत्री मांग रक्तदान पर दो स्मार-पत्र दिया गया।प्रतिनिधिमंडल को माननीय विधायक ने कहा कि आपके मांगों पर हम साथ है, यह मामला झारखंड विधानसभा के इस सत्र में उठाऊंगा।थैलेसीमिया पीड़ितों के लिए जनवरी में माननीय गुरु जी ₹शिबू सोरेन महोदय₹ की याद में रक्तदान-महादान आयोजित करूँगा।माननीय विधायक कांके ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रिम्स निदेशक एवं रांची सिविल सर्जन को फोन पर बोला कि थैलेसीमिया/सिकल सेल पीड़ितों को ब्लड मिलना हर हाल में सुनिश्चित करें एवं थैलेसीमिया/सिकल सेल पीड़ितों को निःशुल्क सभी उपयुक्त दवा मिलना सुनिश्चित हो।वहीं शाम में प्रतिनिधिमंडल झारखंड सरकार के माननीय मंत्री श्रीमान योगेंद्र प्रसाद जी से उनके रांची स्थित स्मार्ट सिटी मंत्री आवास में थैलेसीमिया एवं रक्तदान पर प्रतिनिधिमंडल ने दो स्मार-पत्र दिया।माननीय मंत्री ने कहा कि इस पर चर्चा हो चुकी है थैलेसीमिया पर हर हाल में निःशुल्क एवं बिन डोनर के ब्लड मिलने समेत अन्य मुद्दों पर चर्चा हो चूंकि है साथ ही रक्तदाता को 100 रुपये का रिफ्रेशमेंट मिलेगा,जिसपर एसीएस/प्रधान सचिव से माननीय मुख्यमंत्री एवं हमलोगों ने भी सहमति दे दी है।जल्द आदेश होगा।प्रतिनिधिमंडल ने दोनों माननीय मंत्री एवं माननीय विधायक को बुके थैलेसीमिया पीड़ितों/परिजनों एवं रक्तवीरों द्वारा दिया गया।प्रतिनिधिमंडल में नदीम खान,शमीम बरिहार,संजय टोप्पो,देवकी देवी,पॉवेल कुमार,संजर खान

### भारत की जीत पर एकता कमेटी में मिठाइयों का वितरण

# भारतीय क्रिकेट टीम को दिल से बधाई : गुलाम मुस्तफा

संवाददाता । रांची

रांची । भारतीय एकता कमेटी सामाजिक संस्था करबला टैंक रोड के मुख्य कार्यालय में भारतीय क्रिकेट टीम का दक्षिण अफ्रीका पर शानदार 17 रनों की जीत की खुशी पर मिठाइयों का डब्बा वितरण किया गया और इस शुभ अवसर पर भारत माता की जय हिंदुस्तान जिंदाबाद भारतीय क्रिकेट टीम जिंदाबाद के नारे भी लगाए गए । इस शुभ अवसर पर भारतीय एकता कमेटी के संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने कहा कि रांची में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच होना बहुत खुशी की बात है । रांची में खासकर हम लोगों के शहर में भारतीय क्रिकेट टीम का दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम से शानदार जीत पर हम सभी दिल से भारतीय क्रिकेट टीम को मुबारकबाद देते हैं । इसके शुभ अवसर पर खुशी और उत्साह में सभी को मिठाइयों का डब्बा वितरण किया गया और आगे भी हम लोग भारतीय क्रिकेट टीम से 110% भरोसा रखते हैं कि हम लोगों का भारतीय टीम हर जगह जीत कर देश का नाम रोशन करेगी । विराट कोहली का शानदार शतक उमेश यादव का चार विकेट लेना रोहित शर्मा का विस्फोटक पारी और आखिरी कैच लेना इन सभी को भुलाया नहीं जा सकता । इस खुशी के अवसर पर निसार बाबा, मोहम्मद अशफाक, मनोज राम, मोहम्मद नसीम, पूर्व पार्षद गुलाम सरवर रिजवी, मोहम्मद एजाज, मोहम्मद शमशाद, मोहम्मद सितारे, मोहम्मद यूनुस, मोहम्मद फैजान, मोहम्मद डुग्गू, संजय कुमार, किशोर ठाकुर, आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे ।

# उम्मीद पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाए

संवाददाता । रांची

रांचीः वक्ताओं ने कहा की वक्फ जायदाद को वटएएऊ पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन के लिए राज्यस्तरीय अभियान चलाया जाएगा और रजिस्ट्रेशन में मदद किया जाएगा और पुरे झारखंड के वक्फ रजिस्टर्ड प्रबंधन कमिटी से राबता कायम कर वटएएऊ पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन के लिए जागरुक किया जाएगा। रजिस्टर्ड वक्फ के प्रबंधन कमिटी के लोग अपने जिला से रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं अगर दुश्वारी होगी तो जमिअतुल मोमेनिन चौरासी से सम्पर्क करें उनलोगों को झारखंड राज्य सुननी वक्फ बोर्ड के कार्यालय से रजिस्ट्रेशन कराने में मदद किया जाएगा साथ ही दुसरे जिला से आए हुए लोगों का ठहरने का इंतजाम जमिअतुल मोमेनिन चौरासी झारखंड करेगी।रजिस्टर्ड वक्फ प्रोपर्टी की सूची हमलोगों को मिल गई है। रजिस्टर्ड वक्फ प्रोपर्टी के प्रबंधन कमिटी से मोबाइल के माध्यम से सम्पर्क किया जा रहा है और रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। जरुरी महसूस हुआ तो जमिअतुल मोमेनिन चौरासी झारखंड की टीम झारखंड के दुसरे जिला का भ्रमण कर वटएएऊपोर्टल पर रजिस्ट्रेशन का काम करेग।ईस प्रेस कांफ्रेंस में जमिअतुल मोमेनिन चौरासी झारखंड के अध्यक्ष, हाजी मो मजहर, उपाध्यक्ष, मो जबिउललाह, सरपरस्त कमिटी के सदस्य- मो मोजममिल अंसारी, शकील अंसारी ? फतेउललाह मस्जिद के जिम्मेदार उबैदुललाह

# झारखंड थैलेसीमिया पीड़ितों/परिजनों एवं रक्तवीरों के मुद्दों का निष्पादन होगा

संवाददाती

झारखंड के जनप्रतिनिधियों के द्वार चलो अभियान के तहत झारखंड के थैलेसीमिया पीड़ितों/परिजनों एवं रक्तवीरों सहित सामाजिक चिंतकों का प्रतिनिधिमंडल ₹लहू बोलेगा₹ रक्तदान संगठन रांची एवं झारखंड थैलेसीमिया पीड़ित एसोसिएशन के नेतृत्व में आज सुबह झारखंड कांग्रेस के कांके(रांची)के माननीय विधायक सुरेश बैठा से कांके स्थित उनके आवास पर 29 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को माननीय कांके विधायक के प्रतिनिधि शमीम बरिहार के सहयोग से द्वारा 14 सूत्री थैलेसीमिया मांग एवं 19 सूत्री मांग रक्तदान पर दो स्मार-पत्र दिया गया।

प्रतिनिधिमंडल को माननीय विधायक ने कहा कि आपके मांगों पर हम साथ है, यह मामला झारखंड विधानसभा के इस सत्र में उठाऊंगा।

थैलेसीमिया पीड़ितों के लिए जनवरी में माननीय गुरु जी ₹शिबू सोरेन महोदय₹ की याद में रक्तदान-महादान आयोजित करूँगा।माननीय विधायक कांके ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रिम्स निदेशक एवं रांची सिविल सर्जन को फोन पर बोला कि थैलेसीमिया/सिकल सेल पीड़ितों को ब्लड मिलना हर हाल में सुनिश्चित करें एवं थैलेसीमिया/सिकल सेल पीड़ितों को निःशुल्क सभी उपयुक्त दवा मिलना सुनिश्चित हो।वहीं शाम में प्रतिनिधिमंडल झारखंड सरकार के माननीय मंत्री श्रीमान योगेंद्र प्रसाद जी से उनके रांची स्थित स्मार्ट सिटी मंत्री आवास में थैलेसीमिया एवं रक्तदान पर प्रतिनिधिमंडल ने दो स्मार-पत्र दिया।माननीय मंत्री ने कहा कि इस पर चर्चा हो चुकी है थैलेसीमिया पर हर हाल में निःशुल्क एवं बिन डोनर के ब्लड मिलने समेत अन्य मुद्दों पर चर्चा हो चूंकि है साथ ही रक्तदाता को 100 रुपये का रिफ्रेशमेंट मिलेगा,जिसपर एसीएस/प्रधान सचिव से माननीय मुख्यमंत्री एवं हमलोगों ने भी सहमति दे दी है।जल्द आदेश होगा।

प्रतिनिधिमंडल ने दोनों माननीय मंत्री एवं माननीय विधायक को बुके थैलेसीमिया पीड़ितों/परिजनों एवं रक्तवीरों द्वारा दिया गया।झारखण्ड की राजधानी रांची में जेसीए के स्टेडियम से मैच से पहले झारखण्ड के मुख्यमंत्री मानियीय हेमंत सोरेन का होर्डिंग हटाना आदिवासियों का बड़ा अपमान।

रांचीः झारखंड की राजधानी रांची के खउअ ग्राउंड में 30 नवंबर को भारत और साउथ अफ्रीका के बीच अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच का आयोजन हुआ। इस मैच के लिए झारखंड सरकार ने स्टेडियम के अंदर विज्ञापन के लिए निर्धारित स्पेस को विधिवत खरीदा था और वहां राज्य की विकास योजनाओं से जुड़े होर्डिंग लगाए गए थे, जिनमें मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन की तस्वीर भी शामिल थी।लेकिन मैच शुरू होने से ठीक पहले इउउकके निर्देश पर मुख्यमंत्री की तस्वीर वाले सभी होर्डिंग स्टेडियम से हटवा दिए गए।इसके पीछे नियमों का हवाला दिया गया,

## ब्रीफ न्यूज

### धार्मिक शिक्षा बोर्ड की मीटिंग से लौटते समय सड़क हादसे में जमीयत उलेमा के चार सदस्यों की मौत हो गई

संवाददाता ।

- जमीयत उलेमा-ए-हिंद के जनरल सेक्रेटरी मौलाना मुहम्मद हकीमुद्दीन कासमी के नेतृत्व में शोक जताने वाला एक प्रतिनिधिमंडल शोपुर पहुंचा।
- मृतकों के घरों पर मातम, मासूम बच्चों की हालत देखकर प्रतिनिधिमंडल की आंखों में आंसू आ गए।

नई दिल्ली, 1 दिसंबर, 2025ः धार्मिक शिक्षा बोर्ड जमीयत उलेमा मध्य प्रदेश की मीटिंग से लौटते समय एक दिल दहला देने वाले हादसे में जमीयत उलेमा शोपुर के चार सदस्यों की मौत हो गई। मीटिंग में मध्य प्रदेश के अलग-अलग जिलों से जमीयत के नेता शामिल हुए थे, जिनमें शोपुर के दो उलेमा समेत चार लोग शामिल थे। लौटते समय रसिया नाम की जगह पर उनकी कार सामने से आ रही एक तेज रफ्तार कार से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि चारों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और शोपुर का माहौल दुख, सदमे और खामोशी में डूब गया। आज जमीयत उलेमा-ए-हिंद के जनरल सेक्रेटरी मौलाना मुहम्मद हकीमुद्दीन कासमी की लीडरशिप में एक जरूरी डेलीगेशन शोपुर पहुंचा और मरने वालों के परिवारों से मिला, उन्हें अपनी हमदर्दी दिखाई, और जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रेसिडेंट मौलाना महमूद असद मदनी का एक खास मैसेज भी दिया। डेलीगेशन ने प्रभावित परिवारों को हर मुमकिन मदद का भरोसा दिया। मौलाना हकीमुद्दीन कासमी ने इस मौके पर कहा कि पूरा शोपुर गम के गहरे माहौल में डूबा हुआ है। हर घर में मातम है और बुजुर्गों, बच्चों और औरतों की हालत बहुत दयनीय है। उन्होंने कहा कि उनका दिल खासकर मौलाना अनीसुर रहमान मजाहेरी और उनके पांच छोटे बच्चों के परिवार की हालत देखकर भर आया। उनके सबसे बड़े बेटे जाबिउर रहमान (उम्र 12) की मासूमियत और दुख भरी हालत देखकर उनकी आंखें भर आईं। शहीद नवीद सिर्फ 22 साल के थे, उनकी शादी की तैयारी चल रही थी। उनका परिवार भी बहुत दुखी है। उन्होंने सभी मरने वालों की मगफिरत के लिए दुआ की और कहा कि अल्लाह तआला इन शहीदों को पूरी तरह से माफ करे, उन्हें जन्नत में ऊंचा मुकाम दे, और दुखी परिवार को सब्र और बड़ा इनाम दे। यह ध्यान देने वाली बात है कि उनके जनाजे की नमाज मौलाना नोमान कासमी (जमीयत उलेमा, राजस्थान प्रांत के वाइस प्रेसिडेंट) ने पढ़ाई। प्रतिनिधिमंडल में जमीयत उलेमा हिंद के महासचिव के साथ मौलाना नोमान कासमी (जमीयत उलेमा राजस्थान प्रांत के उपाध्यक्ष), मौलाना महबूब (जमीयत उलेमा सवाई माधोपुर के अध्यक्ष), मौलाना मामून रशीद (जमीयत उलेमा सवाई माधोपुर के महासचिव), मौलाना मुहम्मद जाफर (मदरसा नूरुल उलूम करमूदा के शिक्षक), मौलाना सादिक, मौलाना अंसार नदवी, हाफिज अंसार, मौलाना फारूक कासमी, मौलाना जहूर अहमद, कारी मुहम्मद आदिल (जमीयत उलेमा शोपुर के अध्यक्ष), मौलाना कमरुद्दीन (उपाध्यक्ष), हाफिज मकसूद (उपाध्यक्ष), हाफिज शहजाद (उपाध्यक्ष), मुफ्ती शाह हुसैन (उपाध्यक्ष), मुफ्ती मुंतजार (महासचिव), मौलाना जावेद अली (अनुवादक), मौलाना इस्लाम, हाफिज शाहनवाज, हाफिज मुहम्मद सादिक, एजाज भाई और अन्य अधिकारी शामिल थे।

### वेडिंग झारखण्ड 2025 फैशन पॉइंट 2 और 3 दिसंबर होटल कैपिटल हिल मे

संवाददाता

रांची : रांची के फैशन प्रेमियों के लिए इस सीजन की सबसे शानदार शाम तब शुरू हुई जब वेडिंग झारखण्ड 2025 का भव्य शुभारंभ ल्ड्ड्ड्री' रामाडा में हुआ। डायरेक्टर ङ्खड्डह्लल पॉइंट रीना अग्रवाल द्वारा प्रस्तुत यह आयोजन फैशन, ग्लैमर और ब्राइडल एलीगेंस का एक अद्भुत संगम रहा। दो दिनों तक चलने वाला यह आयोजन लक्जरी शॉपिंग, डिजाइनर शोकेस और रनवे प्रेजेंटेशन्स का शानदार मिश्रण साबित हुआ, जिसने रांची को एक उभरते हुए प्रीमियम फैशन डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित किया। कार्यक्रम की प्रमुख विशेषताएँ

डिजाइनर वियर ड्ड ब्राइडल कोचरड्ड ज्वेलरी ड्ड एक्सेसरीज स्पेशल अप्पेअरन्स है. रिया तिर्की मिस यूनिवर्स झारखण्ड 2025 मुख्य अतिथि और मनीषा सिंह, सोशल वर्कर थी.40 प्रीमियम स्टाल्स लगाया गया जिसमे मेट्रो -लेवल लक्जरी ब्रांड्स अब रांची में उपलब्ध होगा.

लायंस क्लब रांची को विशेष सम्मान

समारोह की शुरूआत लायंस क्लब रांची के महत्वपूर्ण सामाजिक कार्यों के सम्मान से की गई, जिनमें स्वास्थ्य सेवा, दृष्टि, बचपन के कैंसर, मधुमेह नियंत्रण, भूख उन्मूलन तथा पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में किए जा रहे उल्लेखनीय प्रयास शामिल हैं।

विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति ने और भी भव्य बना दिया, जिनमें शामिल थींः मनीषा सिंह – मुख्य अतिथि, अध्यक्ष, क्षत्रिय समाज महिला विंग, रिया तिर्की – मिस यूनिवर्स झारखण्ड 2025, अरुणा जैन,रूपा बोस, नीलम तिवारी, विनीता शरण, पूनम पद्मा, रुपम झा

सीमा रॉय, झूमा सरकार और नम्रता जैन मौजूद थी.

डिजाइनर एवं ज्वेलरी शोकेस (रनवे पार्टिसिपेट्स)

2 और 3 दिसंबर होटल कैपिटल हिल

एंटीस ज्वेलरी कगक, ड्ड डिजाइनर डायमंड और ब्राइडल ज्वेलरी,जयपुर, मुंबई और दुबई से विशेष कलेक्शन,वेडिंग और फेस्टिव गिफ्टिंग के लिए प्रीमियम विकल्प

आगामी दिन में भी वेडिंग झारखण्ड 2025 फैशन, ज्वेलरी, ब्राइडल आर्टिस्ट्री और लक्जरी शॉपिंग का अनूठा अनुभव प्रस्तुत करता रहेगा। रांची के लिए यह कार्यक्रम एक नए फैशन युग की शुरूआत का संकेत है।

फैशन पॉइंट रांची का अग्रणी फैशन एवं लाइफस्टाइल ब्रांड है, जिसका नेतृत्व रीना अग्रवाल करती हैं। पिछले 15 वर्षों से फैशन पॉइंट ने प्रीमियम एक्सहिबिशन्स, डिजाइनर शो केसेस, लक्जरी पॉप -अपस और विमेंस एपावरमेंट इनीतिटिव्स के माध्यम से शहर की फैशन संस्कृति को नई दिशा दी है।

# राधा गोविंद विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों ने किया रामशोभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन का दौरा

रामगढ़, संवाददाता

फेकल्टी स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के अंतर्गत राधा गोविंद विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों ने रामशोभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन का दौरा किया। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए एक शैक्षणिक और सांस्कृतिक अनुभव के रूप में महत्वपूर्ण रहा।

इस अवसर पर राधा गोविंद विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी एन साह ने उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, इस प्रकार के कार्यक्रम शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और सहयोग को बढ़ावा देते हैं। विद्यार्थियों को अलग-अलग शैक्षणिक पद्धतियों को समझने का अवसर मिलता है, जो उनके समग्र विकास में सहायक होता है। रामशोभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन की प्राचार्या , डॉ ज्योति वालिया ने कहा, ₹हम मेहमान विद्यार्थियों का स्वागत करते हैं और हमें गर्व है कि यह पहल हमारे शिक्षण संस्थान में की जा रही है। ऐसे कार्यक्रम हम सभी को नई सोच और दृष्टिकोण प्रदान करते हैं। दौरे का मुख्य उद्देश्य शिक्षण विधियों और शिक्षा प्रणाली का समग्र अनुभव प्रदान करना था। राधा गोविंद विश्वविद्यालय के लगभग 20 विद्यार्थियों ने रामशोभा कॉलेज के विभिन्न विभागों का भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने शिक्षा, मनोविज्ञान और शारीरिक शिक्षा के पाठ्यक्रमों के बारे में गहन अध्ययन किया। इसके अतिरिक्त, विद्यार्थियों ने विशेष कार्यशालाओं में भाग लिया, जहाँ विभिन्न विषयों पर शिक्षकों द्वारा व्याख्यान दिए गए। इनमें शिक्षण में नई तकनीकों, समावेशिता, और अध्ययन के नवीनतम तरीकों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान, विद्यार्थियों ने आपसी संवाद और अनुभवों के आदान-प्रदान पर जोर दिया। रामशोभा कॉलेज के विद्यार्थियों ने भी अपनी स्थानीय संस्कृति और शैक्षणिक अनुभव साझा किए, जिससे सभी विद्यार्थियों में आपसी समझ बढ़ी। दौरे के अंत में, डॉ रंजना पाण्डेय ने कहा, हम इस कार्यक्रम को सफल मानते हैं और आशा करते हैं कि यह विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक बनेगा।

यह सिर्फ शैक्षणिक यात्रा नहीं है, बल्कि एक सीखने की प्रक्रिया भी है। इस कार्यक्रम ने न केवल ज्ञान के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित किया, बल्कि विद्यार्थियों में सहानुभूति और सहयोग की भावना को भी बढ़ाया। सभी विद्यार्थियों ने इस अनुभव को अमूल्य मानते हुए भविष्य में फिर से ऐसे कार्यक्रमों की इच्छा व्यक्त की। फेकल्टी स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम निश्चित रूप से शिक्षा के क्षेत्र में एक नई दिशा प्रदान करता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सचिव प्रियंका कुमारी, कुलपति प्रो (डॉ) रश्मि, कुलसचिव प्रो (डॉ) निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो (डॉ) अशोक कुमार, प्रबंध समिति सदस्य अजय कुमार ने कार्यक्रम की सराहना की और हार्दिक शुभकामनाएं दिए।

**भारतीय नौजवान सेना ने शुरू किया सदस्यता अभियान**

# बेरोजगार युवाओं व विस्थापितों के हक की लड़ाई को मिलेगा नया आयाम

रामगढ़, संवाददाता

भारतीय नौजवान सेना ने सोमवार से एक महीने का सदस्यता अभियान शुरू किया। रिवर साइड, पटेलनगर सहित आसपास के क्षेत्रों में संगठन के पदाधिकारियों ने घर-घर जाकर युवाओं को जोड़ने की पहल की। संगठन के अध्यक्ष विश्वरंजन सिन्हा ने बताया कि आने वाले एक वर्ष में 10 हजार युवाओं को संगठन से जोड़ने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बेरोजगार युवाओं को रोजगार के नाम पर लगातार ठगा जा रहा है, जबकि विस्थापितों को आज तक उनका उचित हक नहीं मिल सका है। उन्होंने कहा कि जिन उद्योगों के लिए ग्रामीणों की जमीन अधिग्रहित की गई, उन्हें न तो पूरा मुआवजा मिला और न हीं नियोजन। कंपनियां दलालों के जरिए मनमानी कर रही हैं। आउटसोर्सिंग कंपनियां नियमों को तोड़कर काम करा रही हैं, जबकि स्थानीय मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी तक नहीं मिलती। कई जगहों पर पीएफ घोटाले जैसी शिकायतें भी बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि विस्थापितों को बाहरी-भीतरी की राजनीति में फंसाकर उनके अधिकारों से दूर रखा गया है और रोजगार का मुद्दा सिर्फ चुनावी नारा बनकर रह गया है। संगठन का उद्देश्य है कि बेरोजगार युवाओं और विस्थापितों को एक मंच पर लाकर उनकी लड़ाई को मजबूती दी जाए। आगामी वर्ष को संगठन ने आंदोलन वर्ष घोषित किया है। मौके पर सचिव रौशन नायक, कोषाध्यक्ष इमरोज खान, उपाध्यक्ष विश्वनाथ भुइयां उर्फ अजय, राज अमन, अजय सिंह, राहुल सिंह, राजन पांडेय, बबलू भुइयां सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

# बच्चों ने मुखिया से किया स्ट्रीट लाइट मरम्मत करने की अपील

धनबाद, संवाददाता

सोमवार को बाघमारा प्रखंड अंतर्गत बौआ कला उत्तर पंचायत के मुखिया भीम लाल रजक से बड़की बौआ नीचे टोला के बच्चों ने स्ट्रीट लाइट मरम्मत एवं सड़कों पर बहते जल समस्या की शिकायत को लेकर मुलाकात की।बच्चों ने मुखिया को अवगत कराया कि स्ट्रीट लाइट खराब होने से आने - जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता हैं। विशेष कर रात्रि के समय बच्चें दिक्कतों का सामना करते हैं। वहीं सप्लाई पानी सड़कों पर ही घरों से बहता रहता हैं। जिससे आवागमन में भारी परेशानी का सम्मान करना पड़ता हैं।

बच्चों को मुखिया ने आश्वस्त किया कि फंड नहीं होने के बावजूद निजी स्तर से स्ट्रीट लाइट मरम्मत करवाने का प्रयास करेंगे।साथ ही ग्रामीणों से बहते जल को लेकर अपील किया कि व्यर्थ में पानी न बहाए। घरों में नल की सुविधा करें। पानी बहने से बच्चों के साथ अन्य ग्रामीणों को भी दिक्कत होती हैं। मौके पर खुशबू कुमारी, करण कुमार, रीमा कुमारी, बंदना कुमारी, प्रीति कुमारी, नमिता कुमारी, ममता कुमारी, सीखा कुमारी, आरोही कुमारी, निशा कुमारी, निखिल कुमार एवं अन्य बच्चें मौजूद रहें।

# शहनाई से मातम तक... दो दिन पहले बने दूल्हे राहुल पाठक की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत

पलामू, संवाददाता

शादी की रौनक और खुशियों की गूंज अभी घर-आँगन में पूरी तरह थमी भी नहीं थी कि सोमवार की सुबह एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया। 29 नवंबर को जिस घर में शहनाई बज रही थी, जहां आशीवार्दों की आवाजें और कैमरों की चमक थीङ्ग आज उसी घर में चीख, सिसकियाँ और विलाप गूँज रहे हैं। लालगढ़ पंजरी के मूल निवासी तथा वर्तमान में सुदना में रहने वाले राष्ट्रीय परशुराम सेना भार्गव के संस्थापक सदस्य राहुल पाठक की असामयिक मौत ने पूरे क्षेत्र को शोक के सागर में डुबो दिया। राहुल, पंजरी निवासी मनोज पाठक के पुत्र थे। दो दिन पूर्व ही उनका विवाह सिमडेगा निवासी बसंत मिश्रा की पुत्री नेहा कुमारी से मेदिनीनगर के क्राउन प्लाजा में सम्पन्न हुआ था। नई जिंदगी के सपने अभी पूरी तरह सजे भी नहीं थे कि नियति ने सब छीन लिया। दुर्घटना की खबर मिलते ही सदर अस्पताल में लोगों का तांता लग गया। पूर्व मंत्री के.एन. त्रिपाठी, प्रदेश भाजपा महामंत्री मनोज कुमार सिंह, सनातनी धर्मरक्षक अर्जुन पाण्डेय, भाजपा जिलाध्यक्ष अमित तिवारी, जिला महामंत्री ज्योति पाण्डेय, युवा वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी, भाजपा वरिष्ठ नेता परशुराम ओझा, विभाकर नारायण पाण्डेय, सामाजिक कार्यकर्ता नवीन तिवारी, चंदन तिवारी, भाजपा आईटी सेल गढ़वा प्रभारी सह अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा अ के राष्ट्रीय सह प्रवक्ता धीरेन्द्र तिवारी उर्फ गुड्डू गोवावल, सहित बड़ी संख्या में राजनीतिक एवं सामाजिक प्रतिनिधि अस्पताल पहुँचे। हर चेहरे पर गहरा सदमा और एक ही सवाल–'इतनी जल्दी क्यों... ?'

अस्पताल परिसर में परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। कुछ ही दिन पहले जहां दूल्हा-दुल्हन की मुस्कुराहटों के साथ तस्वीरें खिंच रही थीं, वहीं अब टूटे सपनों और बिखरी उम्मीदों की सिसकियाँ हवा में तैर रही हैं। दुर्घटना की सूचना मिलते ही सीआरपीबीआरपी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज शुक्ला, जिलाध्यक्ष किशोर दूबे, अविनाश पाण्डेय, भार्गव सेना के कमलेश शुक्ला, मुकेश तिवारी, मधुकर शुक्ला, अभिषेक तिवारी, आशुतोष तिवारी, युवा वाहिनी जिलाध्यक्ष मनीष ओझा, आर.के. चंदन, चंद्रशेखर छोटू, बंटी दूबे सहित क्षेत्र के सैकड़ों लोग भी मौजूद रहे। देर शाम हरिश्चंद्र घाट पर नम आंखों व भारी दिलों के साथ राहुल पाठक का दाह संस्कार किया गया। यह हृदयविदारक घटना एक बार फिर यह संदेश दे गई कि जीवन बेहद नाजुक है – एक पल में खुशियां मातम में बदल सकती हैं। न केवल परिवार, बल्कि पूरा समाज इस असमय बिछड़ाव के दुख में डूबा है।

# उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई जिला छात्रवृत्ति स्वीकृति समिति की बैठक

रामगढ़, संवाददाता

सोमवार को उपायुक्त, रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में जिला छात्रवृत्ति स्वीकृति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान जिला कल्याण पदाधिकारी सिदार्थ शंकर चौधरी के द्वारा उपायुक्त एवं समिति के अन्य सदस्यों को जानकारी देने के क्रम में बताया गया की पोस्टमेट्रिक छात्रवृत्ति के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 24880 छात्र-छात्राओं ने ई कल्याण पोर्टल पर पंजीकरण किया है वहीं आईएनओ द्वारा 23984 छात्र-छात्राओं के आवेदनों को सत्यापित किया गया है पूर्व में 4676 बच्चों को छात्रवृत्ति हेतु अनुमोदन दिया जा चुका है। वर्तमान में पोस्टमेट्रिक छात्रवृत्ति के तहत रामगढ़ जिला अंतर्गत अध्यनरत 15505 विद्यार्थियों को अनुमोदन दिया जाना है। वही राज्य के बाहर अध्यनरत 63 छात्र-छात्राओं को अनुमोदन दिया जाना है। बैठक के दौरान उपायुक्त ने समिति के अन्य सदस्यों के साथ प्राप्त आवेदनों की समीक्षा के क्रम में विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ देने हेतु आवेदनों को स्वीकृति देने के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश दिए। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल, जिला कोषागार पदाधिकारी, एडीईओ मनीष चहार, सहित अन्य उपस्थित थे।

# कसमार में छापामारी, सिंगपुर से अवैध शराब बरामद; पिरगुल में नहीं मिली कोई गतिविधि

धनबाद, संवाददाता

अवैध शराब के खिलाफ जिला प्रशासन की कार्रवाई लगातार तेज होती जा रही है। मुख्यालय रांची के अधीक्षक, उत्पाद ईआइबी के नेतृत्व में कसमार थाना क्षेत्र के बहादुरपुर स्थित कम्पोजिट शराब दुकान, कसमार रोड कसमार और खैराछात्तर में औचक निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने बताया कि जांच प्रतिवेदन प्राप्त होने के बाद संबंधित दुकानों पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इधर, अधीक्षक उत्पाद ईआइबी रांची के पर्यवेक्षण में जिला उत्पाद विभाग ने पिरगुल और सिमपुर में शिकायतों के आधार पर छापामारी अभियान चलाया। पिरगुल में जांच के दौरान किसी भी प्रकार की अवैध शराब नहीं मिली। लेकिन सिमपुर में एक किराना दुकान और उससे सटे घर की तलाशी में विभिन्न ब्रांड की अवैध शराब बरामद हुई। इनमें स्टर्लिंग इ7, मैकडॉवेल ठङ्ग.1, रॉयल स्टैग सहित कुल दो दर्जन से अधिक बोतलें और एक बीयर कैन शामिल हैं। बरामद विदेशी शराब पर लगे होलोग्राम प्रथम दृष्ट्या नकली प्रतीत हो रहे हैं, जिसके लिए विभाग ने विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। कार्रवाई के दौरान किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी। जिला उत्पाद विभाग को आरोपी के खिलाफ अभियोग दर्ज करने का निर्देश दिया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध शराब के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

# इंटर कॉलेज डोमचांच में समाजसेवी प्रदीप कुमार सिंह को शासी निकाय की बैठक में सर्व सम्मति से शिक्षाविद सदस्य किया गया चयनित

कोडरमा, संवाददाता

जिला के डोमचांच में संचालित इंटर कॉलेज डोमचाँच में समाजसेवी, कॉंग्रेस वरिष्ठ नेता सह प्रखंड अध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह को शासी निकाय की बैठक में सर्व सम्मति से शिक्षाविद सदस्य चयन किया गया। ऐसे में लोग उन्हें काफी बधाई देने के साथ अब उनसे उम्मीद कर रहे की शिक्षा स्तर को और भी कॉलेज में बेहतर करने के अलावे पढ़ाई अच्छी तरह से होगी। कॉलेज में पठन पठान में काफी सुधार होगा। छात्रों को पढ़ाई में किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। वहीं प्रदीप सिंह ने बताया की जो जिम्मेवारी मिली उसे बड़े ही अच्छे तरीके से निभाऊंगा। कॉलेज में पढ़ाई सुविधाएं दुरुस्त होगी। उन्हें बधाई देने वालों में सचिव वीरेंद्र मेहता, प्रिंसिपल प्रभारी रवि शंकर कुमार वर्मा, समाजसेवी कामाख्या नारायण सिंह, रणजीत सिंह, अनिल सिंह, डॉक्टर के पी चौधरी, अभय कुमार, सिकंदर कुमार, विजय कुमार, शंकर मोदी, मंतोष कुमार, विकास कुमार, सदानंद पांडेय आदि नाम शामिल है।

# स्वदेशी अपना कर हीं आत्म निर्भर होगा भारत : कुमार अमित

**प्रधानमंत्री के आह्वान पर भाजपा कार्यकताओं नें दुकानदारों को दिलाया स्वदेशी का संकल्प**

बोकारो, संवाददाता

भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुमार अमित ने कार्यकताओं के साथ सिटी सेंटर स्थित हर्षवर्धन प्लाजा में दुकानदारों को स्वदेशी अपनाने का संकल्प दिलवाया। इसके लिए अनेक दुकानदारों से भाजपा कार्यकताओं ने पार्टी के स्वदेशी संकल्प पत्र पर हस्ताक्षर करवाया। इस अवसर पर कुमार अमित ने दुकानदारों से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था तीव्र गति से बढ़ रहा है। समाज अगर स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दे तो देश शीघ्र हीं 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ विश्व के विकसित राष्ट्र बन सकता है। दुकानदार ग्राहकों को अगर स्वदेशी वस्तुओं के प्रति प्रेरित और प्रोत्साहित करें तो लोगों में स्वदेशी वस्तुओं के उपभोग का चलन बढ़ेगा और देश के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि होगी। भाजपा कार्यकताओं ने इसके लिए दुकानदारों को पार्टी के आत्मनिर्भर भारत अभियान से जुड़ने की अपील करते हुए मोदी सरकार के द्वारा जीएसटी में किए गए सुधारों से होने वाले फायदे की भी जानकारी दी। इस अवसर पर भाजपा बोकारो नगर मंडल महिला मोर्चा अध्यक्ष ममता गोस्वामी, पिछड़ा मोर्चा अध्यक्ष अशोक कुमार, युवा मोर्चा महामंत्री लालबाबू, मिथिलेश कुमार, अरूण सिंह, विकास सिंह, विपुल सिंह, गुंजन दास, रमेश गुप्ता, शशि प्रकाश आदि के अलावे अनेक दुकानदार और ग्राहक मौजूद थे।

# हुसैनाबाद में 32 मरीजों का हुआ मोतियाबिंद ऑपरेशन

पलामू, संवाददाता

जिला अंधापन नियंत्रण समिति और राधा लक्ष्मी ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में हुसैनाबाद स्वास्थ्य केंद्र में चल रहे निःशुल्क नेत्र शिविर मे अबतक 182 मरीजों का लेंस प्रत्यारोपण ऑपरेशन किया गया है। शनिवार की देर शाम 32 मोतियाबिंद मरीजों की आंखों में लेंस प्रत्यारोपण किया गया। राधा लक्ष्मी ट्रस्ट के निदेशक डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता ने बताया कि मोतियाबिंद के 150 मरीजों के आंखों की जांच की गई थी। इसमें से 32 मरीजों को नेत्र चिकित्सक डॉ. धीरज प्रसाद द्वारा आईएलओ विधि के माध्यम से लेंस प्रत्यारोपण किया गया। रविवार को सभी मरीजों को दवा और चश्मा दिया गया। उन्होंने बताया कि गत वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष भी अधिक से अधिक संख्या में मोतियाबिंद मरीजों को आंखों की रौशनी लौटाने का लक्ष्य है। उन्होंने क्षेत्र वासियों से गरीब असहाय व बृद्धजनों को इस नेत्र शिविर से लाभ उठाने की बात कही। मौके पर नेत्र सहायक दयानंद ठाकुर, जय प्रकाश सिंह, अंशुमन मिश्रा, उपेंद्र कुमार, वसंती देवी, सुधा कुमारी, कुंदन कुमार, प्रतिमा कुमारी, सुदामा कुमार आदि सक्रिय रहे।

# डीएवी सेक्टर-4 में रंगारंग फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

बोकारो, संवाददाता

डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टरझ्4 में नर्सरी से कक्षा दो तक के विद्यार्थियों के लिए रंगारंग फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छोटे बच्चों में आत्मविश्वास, सृजनात्मकता और मंच-अभिव्यक्ति कौशल को विकसित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रतिष्ठित अतिथियों–कुंदन कुमार (सीजीएम, टी.ए. विभाग, बीएसएल), शक्ति कुमार (डीडीएमओ, बोकारो), बी.एस. जायसवाल (वाइस चेयरमैन, एलएमसी), अनुपाल सागर (प्रिंसिपल, डीएवी इस्पात 8/बी) और ब्रह्मदेव जी (एलएमसी सदस्य)–द्वारा दीप प्रज्वलन एवं डीएवी गान के साथ हुआ। विद्यालय के प्राचार्य ने पुष्पगुच्छ और शॉल-मोमेंटो देकर अतिथियों का स्वागत किया। करीब 400 बच्चों ने विभिन्न थीम पर आधारित आकर्षक परिधानों में शानदार प्रस्तुतियां दीं। किसी ने स्वतंत्रता सेनानी की भूमिका निभाई, तो किसी ने पशु-पक्षी, फल-सब्जी, कार्टून कैरेक्टर, पौराणिक पात्र, लजीज व्यंजन और अंतरिक्ष विषयों पर मनमोहक अभिनय किया। बच्चों की मासूम अदाओं और रचनात्मक वेशभूषा ने सभी का दिल जीत लिया। निर्णायक मंडल में सेहर बानो (प्रिंसिपल, लाइंस नर्सरी स्कूल), मानसी (प्रिंसिपल, रोटरी प्ले स्कूल) और मधुलिका (प्रिंसिपल, किरण प्ले ग्रुप) शामिल थीं। प्राचार्य ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम का समापन विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित कर तथा सभी बच्चों को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान कर किया गया।

# विश्व एड्स दिवस पर बीजीएच में जागरूकता रैली, निदेशक ने किया शुभारंभ

बोकारो, संवाददाता

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर रविवार को बीजीएच परिसर में एचआईवी/एड्स जागरूकता रैली निकाली गई। कार्यक्रम की शुरूआत अधिशासी निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डा. विभूति भूषण करुणामय द्वारा गुब्बारा उड़ाकर की गई। रैली में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. इंद्रनील चौधरी, बीजीएच के वरीय चिकित्सक, नर्सिंग स्कूल की छात्राएँ, कर्मचारी और स्टाफ नर्स शामिल हुए। रैली का उद्देश्य एचआईवी/एड्स की रोकथाम संबंधी जानकारी का प्रसार करना और समाज में भेदभाव-रहित वातावरण को बढ़ावा देना था। इस वर्ष विश्व एड्स दिवस की थीम "Overcoming disruption, transforming the AIDS response" बताई गई, जिसका उद्देश्य एड्स से प्रभावित समुदायों के प्रति सही दिशा और सहयोग सुनिश्चित करना है। डा. करुणामय ने कहा कि एड्स एक गंभीर बीमारी है, इसलिए बचाव, जागरूकता और समय पर जांच अत्यंत जरूरी है। कार्यक्रम में बताया गया कि हाथ मिलाने, साथ खाने, छींक या खांसी की बूंदों से यह संक्रमण नहीं फैलता। इसलिए संक्रमित लोगों से भेदभाव नहीं करना चाहिए और समाज को जागरूक करने की जिम्मेदारी सभी की है।

# तेजस्वी से गले मिले रामकृपाल,उपमुख्यमंत्री ने सी.एम के पैर छुए

## रेणु देवी ने गलत शपथ ली, दोबारा पढ़ना पड़ा; जेल में बंद अनंत सिंह नहीं पहुंचे सदन

**पटना।** 18वीं विधानसभा का पहला सत्र आज यानी सोमवार से शुरू हुआ। पहले दिन विधायक शपथ ले रहे हैं। सबसे पहले मंत्रियों ने शपथ ली। सम्राट चौधरी की शपथ के बाद तेजस्वी ने अपनी सीट पर खड़े होकर उनका अभिवादन किया। तेजस्वी ने सम्राट चौधरी से हाथ मिलाया।शपथ लेने के बाद डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने सीएम नीतीश के पैर छुए। वहीं विपक्ष के नेता तेजस्वी से गले मिले। सीएम और तेजस्वी के बीच इशारों में बात हुई। शपथ के बाद रामकृपाल यादव तेजस्वी यादव के गले मिले।हरौली से LJP (र) विधायक विष्णुदत्त पासवान और बिक्रम से सिद्धार्थ सौरभ, शाहपुर से रमेश रंजन और डुमराव से राहुल कुमार सिंह ने इंग्लिश में शपथ ली। वहीं बेतिया से बीजेपी विधायक और पूर्व डिप्टी सीएम रेणु देवी ने सदन में गलत शपथ ली। जिसके बाद प्रोटेम स्पीकर ने उन्हें टोका और फिर से शपथ पढ़वाया। मोकामा से निर्वाचित जदयू विधायक अनंत सिंह आज की कार्यवाही में शामिल नहीं हुए हैं। चुनाव के दौरान हुई राजद नेता दुलारचंद की हत्या के आरोप में वो जेल में हैं। मंत्रियों के बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने शपथ ली। अरुण शंकर प्रसाद, गौराबोराम से सुजीत, विनोद नारायण झा,सुधांशु, मीना कुमारी, आसिफ अहमद, माधव आनंद और नीतीश मिश्रा,मैथिली ठाकुर ने मैथिली भाषा में शपथ ली। आबिदुर्रहमान, कमरूल होदा, कोचाधामन से सरवर आलम, अमौर से अख्तरुल ईमान और जोकीहाट विधायक मुर्शीद आलम ने उर्दू में शपथ ली। सीमांचल के विधायकों ने अंत में जय बिहार-जय सीमांचल कहा। पूर्व डिप्टी सीएम और कटिहार से विधायक तारकिशोर प्रसाद, सोनबरसा से विधायक रत्नेश सदा,संजय सिंह,पीरपैंती से मुरारी पासवान, रोसड़ा से बीरेंद्र कुमार और बैकुंठपुर से विधायक मिथिलेश तिवारी ने संस्कृत में शपथ ग्रहण किया। सदन में आगे की पंक्ति में मुख्यमंत्री, मंत्री विजय चौधरी, श्रवण कुमार, मंगल पांडेय बैठे हैं। दूसरी पंक्ति में मंत्री लेसी सिंह, नितिन नवीन, रामकृपाल यादव, श्रेयसी सिंह, जमा खान, संजय सिंह टाइगर बैठे हैं। इससे पहले गया के टेकारी से विधायक अजय डांगी ऑटो से विधानसभा पहुंचे। बीजेपी के सीनियर लीडर और 8 बार के विधायक प्रेम कुमार ने सदन को प्रणाम किया। वहीं सदन पहुंचे राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा, 'ये सरकार वोट चोरी से बनी है। जनता ने इन्हें नहीं चुना है। हमारी संख्या भले कम हो, लेकिन आवाज उतनी ही बुलंद है।' प्रोटेम स्पीकर नरेंद्र नारायण यादव सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिला रहे हैं। 2 दिसंबर को विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा। 3 दिसंबर को दोनों सदनों की बैठक को राज्यपाल संबोधित करेंगे। 4 दिसंबर को राज्यपाल के भाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर सरकार जवाब देगी। आखिरी दिन 5 दिसंबर को द्वितीय अनुपूरक व्यय विवरणी पर चर्चा होगी। नए विधायकों के लिए हेल्प डेस्क बनाया गया है। विधानसभा के कर्मी को तैनात किया गया है। विधायक को अंदर जाने का रास्ता बता रहे।

पक्ष और विपक्ष को बैठने की जगह बता रहे हैं। सदन के टाइम को एक्सटेंड किया गया है। दोपहर 1 बजे लंच ब्रेक नहीं हुआ। विधायकों का शपथ ग्रहण जारी है। सभी सदस्यों के शपथ ग्रहण तक सदन की कार्यवाही चलेगी। सुधांशु, विनोद नारायण झा, बाबूबाड़ी से मीना कुमारी, मधुबनी विधायक माधव आनंद और झंझारपुर टठअ नीतीश मिश्रा ने मैथिली में शपथ ली। बिस्फी के आसिफ अहमद ने ईश्वर की जगह बिस्मिल्ला रहमान कहकर शपथ ली।कांग्रेस के मनोज विश्वास दो बार गलत शपथ पढ़ा। तीसरी बार में उन्होंने सही तरीके से शपथ पूरी की। आबिदुर्रहमान, जोकीहाट मुर्शीद आलम ने उर्दू में शपथ ली। फिर आखिर में जय सीमांचल, जय बिहार का नारा लगाया।

## मोतिहारी में 5 मौतें-कोई दरोगा, कोई टीचर बनना चाहता था

**मोतिहारी।** में रविवार को सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। एक बेकाबू ट्रक ने 5 बाइक और ई-रिक्शा को उड़ाया दिया। हादसे में 6 लोग घायल हैं, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। मृतकों में कोई टीचर, कोई पुलिस अधिकारी तो कोई देश की सेवा करना चाहता था। इनमें से एक अपने साले की शादी में शामिल होने आया था, लेकिन उससे पहले ही उसकी मौत हो गई। हादसा कोटवा थाना क्षेत्र के डिप्पू मोड़ पर हुआ। घटना के बाद गुस्साए लोगों ने करीब 5 घंटे तक NH-27 जाम रखा। घटना के बाद बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। NHAI की गाड़ी से करीब 200 से ज्यादा पुलिस टीम मौके पर पहुंची। आक्रोशित लोगों को शांत करवाने की कोशिश की, लेकिन भीड़ ने NHAI की गाड़ी में भी आग लगा दी। हादसे में कोटवा बाजार के अशोक साह(32), कैफ (16), आतिफ (20), बेतिया के नितेश पटेल (28) और सितमा (20) की मौत हो गई है।सबसे पहले हम बेतिया में मृतक नितेश पटेल के घर पहुंचे। उनके पिता श्यामकांत पटेल ने बताया, मेरे दो बेटे हैं। नितेश मेरा छोटा बेटा था। वो दूसरे प्रदेश में रहकर ऑटो चलाता था। इसी की कमाई से हमारा पूरा घर चलता था। मेरी तबीयत बहुत खराब रहती थी, इस वजह से मेरे ऊपर दवाई का बहुत खर्च होता था। इसके कारण मेरे बेटे पर बहुत कर्ज हो गया था।साले की शादी में आया था घर, आज थी बारात सके बाद हमारी मुलाकात नितेश पटेल के बड़े भाई विपिन पटेल से हुई। उन्होंने बताया, साल 2023 में उसकी शादी हुई थी। उसकी एक साल की बेटी है। 4 दिन पहले वो अपने साले की शादी में शामिल होने के लिए गांव आया था। 30 नवंबर को साले की बारात निकलनी थी, लेकिन उससे पहले ही मेरे भाई की सड़क हादसे में मौत हो गई। वो शादी का कुछ सामान लेने के लिए मार्केट गया था, गांव लौटने के दौरान ये हादसा हो गया।घायल प्रमोद साह ने बताया, मैं और मेरा बड़ा भाई अशोक साह बाइक से कोटवा बाजार अपने सिलाई दुकान पर आ रहे थे। इसी बीच हमारी बाइक मोड़ पर ट्रक की चपेट में आ गई। इसमें बड़े भाई की मौत हो गई और मेरा हाथ टूट गया है। मैं घटना के वक्त बाइक पर ही था, पीछे बैठा था। मेरा बड़ा भाई अशोक गाड़ी चला रहा था। तभी अचानक 90 की स्पीड में ट्रक ने बाइक में टक्कर मारी, जिसके बाद मैं बाइक से करीब 50 मीटर दूर फेंका गया। भाई के ऊपर ट्रक चढ़ गया, जिससे भाई की मौके पर ही मौत हो गई। अशोक के बूढ़े पिता ने बताया, दोनों भाई मिलकर कोटवा बाजार में सिलाई मशीन चलाते थे। इससे घर का खर्च चलता था।

## 80 की स्पीड में डिवाइडर पर चढ़ी बारातियों की बस

**नालंदा।** में सोमवार की सुबह बारातियों से भरी बस डिवाइडर पर चढ़ गई। हादसे में बस की छत पर दुल्हन के चाचा की मौके पर मौत हो गई। टक्कर लगते ही वो हवा में उछलकर 50 फीट दूर जा गिरे। 32 से ज्यादा बाराती घायल हैं। घटना दीपनगर थाना क्षेत्र के बख्तियारपुर-रजौली एनएच-20 स्थित कंचनपुर गांव के पास की है। घायलों ने बताया, टक्कर के बाद लोग बस की खिड़की से सामान लेकर बाहर कूदे। सीटें एक दूसरे के ऊपर आ गईं। हादसे के वक्त बस की स्पीड 80 से ज्यादा थी। ड्राइवर एक हाथ से गाड़ी चला रहा था। दूसरे हाथ से मोबाइल से बात कर रहा था।मृतक की पहचान नवादा जिला के काशीचक थाना क्षेत्र के भैरो बिगहा

के रहने वाले सिदेश्वर प्रसाद के तौर पर हुई है। भैरो बिगहा से शादी समारोह में शामिल होने के लिए बिहार शरीफ के सोहसराय आए थे। शादी के बाद वापस लौट रहे थे। ड्राइवर मोबाइल से बात कर रहा था। इसी बीच यह हादसा हुआ है।

फिलहाल मौके पर दीपनगर थानाध्यक्ष राजमणि कुमार पुलिस टीम के साथ पहुंच गए हैं। घायलों को इलाज के लिए पावापुरी मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। छानबीन की जा रही है। बस में सवार बाराती सत्येंद्र कुमार ने बताया कि 'ड्राइवर मोबाइल से बात करते हुए एक हाथ से गाड़ी चला रहा था। हम लोगों ने उसे कई बार मना भी किया था, लेकिन वो बार-बार मोबाइल पर बात करने लग जा रहा था। ड्राइवर एक हाथ से स्टेयरिंग पकड़कर गाड़ी चला रहा था।' शोभा देवी, का पैर टूट गया है। उन्होंने बताया कि, 'एकदम से तेज आवाज हुई। कुछ समझ ही नहीं रहा था क्या हुआ। सीटें एक दूसरे के ऊपर आ गई। मेरा पैर आगे वाली सीट के नीचे दब गया। खिड़की से बाहर देखा तो हम लोग बीच सड़क पर थे। गाड़ी डिवाइडर पर थी। बस का शीशा तोड़कर किसी तरह मुझे बाहर निकाला गया।' मनोता देवी ने बताया कि, 'बस के ड्राइवर ने शादी में ही शराब पी ली थी। बस में चढ़ने से पहले उसके मुंह से बदबू आ रही थी। शुरू से ही वो बस बहुत स्पीड में चला रहा था। किसी को भी ओवरटेक कर रहा था।'

## बिहार में दिखेगा तूफान दितवाह का असर, बादल छाएंगे

**गोपालगंज।** बेतिया समेत 7 जिलों में घना कोहरा, 24 घंटे में किशनगंज सबसे ठंडा रहा बिहार में भी तूफान दितवाह का असर देखने को मिलेगा। कई जिलों में बादल छाए रहेंगे। वहीं सोमवार सुबह गोपालगंज, बेतिया, बेगूसराय समेत 7 जिलों में घना कोहरा छाया हुआ है। सकता है। दक्षिण भारत में उठ रहे चक्रवात दितवाह फिलहाल दक्षिण भारत के तटीय इलाकों के लिए खतरा बना हुआ है, लेकिन इसके बाहरी बादल बिहार तक पहुंच रहे हैं। बीते 24 घंटे में 12.6 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ किशनगंज सबसे ठंडा जिला रहा। जबकि 3 दिन से लगातार सबसे कम तापमान वाले औरंगाबाद में रविवार को न्यूनतम तापमान 13.1

डिग्री दर्ज किया गया। तापमान सामान्य के आसपास, ठंड फिलहाल नहीं बढ़ेगी बिहार में इस समय अधिकतम तापमान सामान्य से करीब 0.9 डिग्री सेल्सियस कम रिकॉर्ड किया जा रहा है। इसके विपरीत न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 3 डिग्री सेल्सियस अधिक बना हुआ है। इसी कारण सुबह और रात की ठंड में तेज बढ़ोतरी फिलहाल नहीं दिख रही है। मौसम विभाग के अनुसार यही स्थिति अगले दो दिनों तक बनी रहेगी। बादल छाए रहने के बावजूद ठंड में कोई खास बढ़ोतरी नहीं होगी।मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, दिसंबर के दूसरे सप्ताह में मौसम में बड़ा बदलाव आएगा। उस दौरान पछुआ हवा तेज रफ्तार से चलना शुरू करेगी, जिससे पूरे बिहार में शीतलहर जैसे हालात बनने की संभावना है। वैज्ञानिकों का कहना है कि 7 से 9 दिसंबर के बीच न्यूनतम तापमान में तेजी से गिरावट दर्ज होगी और रात का पारा 10 डिग्री के आसपास पहुंच सकता है। कई जिलों में हल्की गलन भी महसूस होगी। बिहार में फिलहाल तेज बारिश नहीं होगी मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने बताया कि चक्रवात दितवाह का असर केवल ऊपरी हवा के सिस्टम तक सीमित रहेगा। बिहार में वर्षा या तेज हवाओं का कोई खतरा नहीं है। उन्होंने कहा कि अगले 48 घंटों तक बादल छाए रहने की स्थिति बनी रहेगी।राजधानी में अगले दो दिनों तक हल्के बादल बने रहेंगे। सुबह-शाम हल्की ठंड महसूस होगी जबकि दिन के समय तापमान लगभग 27-28 डिग्री के आसपास बना रहेगा। हवा में हल्की नमी रहने से रात में हल्की धुंध भी दिख सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, 5 दिसंबर के बाद पारा धीरे-धीरे नीचे आना शुरू करेगा और पटना में सर्दी का असर साफ तौर पर महसूस होने लगेगा।

# यह कैसा कानून न इज्जत बची ना बेटी

## सीवान में पिता की सम्राट चौधरी से गुहार; बेटी का रेप-मर्डर करने वाले को फांसी हो

**सीवान।** करेजा उड़ रहल बा लोग, यह कहकर वो मेरी दोनों पोतियों को परेशान करता था। इज्जत के चलते चुप रही, थाना नहीं गई। मुझे क्या पता था कि मेरी पोती को मार देगा। सीवान के पचरुखी थाना क्षेत्र की वृद्ध महिला इतना बोलती हैं, फिर बिलख-बिलख कर रोने लगती हैं। इसकी पोती 25 नवंबर को लापता हो गई थी। 27 को उसका शव मिला। परिजनों ने रेप के बाद हत्या के आरोप लगाए हैं। लड़की के पिता ने कहा, 'यह कैसा कानून है कि न इज्जत बची ना बेटी। गृहमंत्री सम्राट चौधरी मेरी बेटी के हत्यारों को फांसी दिलाएं। सीवान के पचरुखी थाना क्षेत्र में 27 नवंबर को अरहर के खेत में एक लड़की का अर्धनग्न हाल में शव मिला। वह 25 नवंबर से लापता थी। लड़की के पिता लुधियाना में मजदूरी करते हैं। उसकी मां भी लुधियाना गई थी। वह घर में दादी और चाची के साथ रहती थी। इंटर की परीक्षा के बाद लुधियाना जाने वाली थी। बेटी को याद कर बार-बार बेहोश हो रही मां हम मृतका के गांव पहुंचे। लोगों से बात की। सभी की जुबान पर एक ही बात थी, उस लड़की के साथ बड़ी दरिंदगी हुई। हम मृतका के घर पहुंचे तो दरवाजे पर उसकी मां मिली। रोते-रोते बार-बार बेहोश हो रही थी। बोल रही थी, मैं अपनी बेटी से बात भी नहीं कर पाई। उसे मनचले परेशान कर रहे थे। मुझे नहीं बताया। बताती तो आज ऐसी घटना नहीं होती। हमने मृतका की मां से बात की। उन्होंने कहा, शादी के 12 साल बाद बेटी पैदा हुई थी। इसके लिए बड़ी मन्नतें मांगी थी। पहले एक बेटा हुआ, लेकिन उसकी मौत हो गई थी। बेटी जो मांगती थी, उसे देती थी। पढ़ाई में काफी तेज थी। आंख का इलाज कराने पति के पास लुधियाना गई थी। वहां उसकी हत्या कर दी गई। शाम को घर से निकली, फिर

नहीं लौटी पास में ही मृतक लड़की की दादी थी। दादी ने कहा, मेरी पोती राशन लेने पीडीएस डीलर के पास गई थी। शाम के करीब 4 बजे लौटी। उस समय किसी से फोन पर बात कर रही थी। खेत की ओर जाने की बात कहकर घर से निकली। अपना फोन घर पर ही छोड़ दिया था। उन्होंने कहा, काफी अंधेरा हो जाने के बाद भी वह वापस नहीं लौटी तो हमलोग खोजने लगे। घर के आसपास और खेतों में खोजा। उसे हर तरफ ढूंढा, लेकिन कुछ पता नहीं चला।दादी ने बताया, अगले दिन (26 नवंबर) सुबह से ही हमलोग उसे खोजने लगे। घर से करीब 200 मीटर दूर एक अरहर के खेत में मेरी पोती के कपड़े (सलवार, अंडर गारमेंट) और चप्पल मिले। हमलोग थाने में शिकायत करने गए तो पुलिस ने लौटा दिया। उन्होंने कहा, बाद में शिकायत दर्ज हुई। दिन में डॉग स्क्वॉड की टीम पहुंची। उन्होंने भी उसे खोजने की कोशिश की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। पुलिस पोती का मोबाइल फोन ले गई। गला रेतकर मेरी पोती को मार दिया रोते हुए दादी ने कहा, 27 नवंबर की सुबह गांव के लोग खेतों की तरफ गए तो एक दूसरे अरहर के खेत में मेरी पोती की लाश देखी। जहां कपड़ा मिला था, वहां से करीब 100 मीटर पश्चिम में शव मिला। रेप के बाद उसकी हत्या हुई। उसके शरीर पर चाकू के निशान थे। गला रेत दिया गया था। गांव का लड़का पोती को करता था परेशान, इज्जत के चलते चुप रही वृद्ध महिला ने कहा, मेरी दोनों पोती पढ़ने के लिए पचरुखी जाती थी। टकला नाम का गांव का लफंगा लड़का उन्हें परेशान करता था। कहता था, करेजा जा रही है। उसने मेरे पोती का फोटो ले लिया था। मना करने पर इंटरनेट पर डालने की धमकी देता था। उन्होंने कहा, पोती ने कई बार मुझसे यह बात कही, लेकिन मैं इज्जत बचाने के चलते चुप रही। उसे इंटर की परीक्षा के बाद लुधियाना भेजने वाली थी।मृतक की बहन बोली- इंटरनेट पर फोटो डालने की धमकी देता था टकला मृतक लड़की के साथ पढ़ने जाने वाली उसके चाचा की बेटी से हमने बात की। उसने कहा, हमलोग दोनों हमेशा साथ पढ़ने जाती थी। रास्ते में एक सुनसान जगह है। वहां एक दिन टकला ने उसे पकड़ लिया और जबरदस्ती बैग छिन लिया। कुछ लोगों ने डांटा तो वह भागा।उसने कहा, पता नहीं कहां से टकला के फोन में मेरी बहन का फोटो आ गया था। उसे इंटरनेट पर डालने की धमकी देता था। हम दोनों ने यह बात घर में बताई थी। घर के लोग बोले कि 1-2 महीने की बात है। परीक्षा खत्म होने के बाद वह पापा के पास चली जाएगी।हम दोनों साथ राशन लेकर आए, इसके बाद वह खेत की ओर गई मृतक लड़की की बहन ने कहा, हमलोग दोनों राशन लेकर लौटे थे। मैं अपने कमरे में चली गई। वह खेत की ओर गई थी। रात तक नहीं लौटी तो हमलोग खोजने लगे। हमलोग पुलिस के पास जा रहे थे, लेकिन गांव वालों ने कहा कि शिकायत करने पर फंस सकते हैं।

## संक्षिप्त डायरी

### पचपकरी में नशे के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई

**मोतिहारी।** जिले के पचपकरी में पुलिस ने शराब निषेध अभियान के तहत रविवार रात बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने लगभग 12 लीटर नेपाली देसी शराब भी जब्त की। गिरफ्तार किए गए पांच लोगों में से चार व्यक्ति शराब का सेवन करते हुए पकड़े गए। वहीं, एक अन्य व्यक्ति को अपनी कमर में पांच बोतल नेपाली देसी शराब छिपाकर ले जाते हुए गिरफ्तार किया गया। पुलिस की कार्रवाई के दौरान कुल 40 बोतल नेपाली देसी शराब बरामद की गई। हालांकि, एक अन्य अभियुक्त शराब से भरा बोरा छोड़कर मौके से फरार होने में सफल रहा। पुलिस ने सभी गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पचपकड़ी थाना प्रभारी पूजा कुमारी ने बताया कि इलाके में शराब तस्करों और शराबियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

### बहू की हत्या,चादर में मिटटी भरकर गंगा में फेंकी बॉडी

**बेगूसराय।** में ससुराल वालों ने दहेज के लिए बहू की हत्या कर लाश गंगा में फेंक दी। 19 दिन बाद महिला का शव मिला है। मृतका की पहचान रुचियाही निवासी रोहित कुमार की पत्नी निशा कुमारी (22 ) के तौर पर हुई है। परिवार का आरोप है कि दहेज के लिए हत्या कर दी गई। वो बाइक की डिमांड कर रहे थे। जांच के दौरान पुलिस ने महिला के चचेरे ससुर रणधीर से कड़ाई से पूछताछ की। उसने बताया कि, हमने घर में उसकी हत्या की। लाश को चादर पर रखा। ऊपर से मिट्टी डाली। चादर को बांधा और गंगा नदी में फेंक दिया। इसके बाद पुलिस रणधीर को लेकर सिमरिया गंगा घाट से करीब 3 किलोमीटर दूर कसहा गांव के पास पहुंची। रणधीर ने पुलिस को वो जगह बताई जहां लाश को फेंका गया था। इसके बाद गोताखोरों की मदद से पुलिस ने कमर भर पानी से चादर में लिपटे लाश को निकाला। मृतका के पिता को सूचना दी गई। रात में परिवार के सदस्यों के साथ मां-पिता अस्पताल पहुंचे और उसकी पहचान की। पटना के डहमा गांव के रहने वाले मुखराम चौहान ने जून 2023 में अपने बेटी निशा की शादी बिंदौल के रोहित कुमार के साथ की थी। रोहित खेती करता था। दोनों का डेढ़ साल का एक बेटा भी है।मृतका के पिता मुखराम चौहान ने बताया कि, मेरी बेटी को दामाद और उसके घरवालों ने मार डाला। शादी में हमने औकात से ज्यादा दहेज दिया था। कुछ दिन सब ठीक-ठाक चला। उसके बाद पति सहित ससुराल वाले निशा से दहेज में बाइक मांगने लगे। कहते थे अपने पिता से मांगो। उसे प्रताड़ित करने लगे। मारपीट की जाती थी। बीच में परेशान होकर कई बार बेटी अपने मायके भी चली आती थी। पिता ने आगे बताया, 2024 में लड़का होने के बाद भी ससुराल वालों की प्रताड़ना नहीं रुकी। 3 महीने पहले निशा फिर से अपने मायके चली आई थी। छठ से 2 दिन पहले देवर लेने पहुंचा। ठीक से रखने की बात कही। ससुराल जाने के बाद बेटी से रोज बात होती थी। 10 नवंबर की शाम में भी बात हुई थी। सब ठीक था। उसके बाद 11 नवंबर को बात नहीं हो सकी। उसी दिन दामाद रोहित ने कहा कि आपकी बेटी किसी के साथ भाग गई है। पिता मुखराम चौहान ने आगे कहा कि, मेरा डेढ़ साल का नाती भी गायब है। हो सकता है कि उसे भी मार दिया हो। कुछ दिन पहले पता चला था कि मेरी बेटी के ससुर रामनाथ महतो ने जमीन और संपत्ति के लिए पहले अपने भाई को भी हत्या करके लाश गायब कर दिया था। अब मेरी बेटी को मार दिया है, वह लोग हत्यारा है। पता नहीं कैसे मेरी बेटी को मारा है, भगवान इंसाफ करेंगे। दामाद का रिश्तेदार सिमरिया में रहता है, लाश को फेंकने में जरूर उन लोगों ने भी मदद की होगी। मां फुलवा देवी ने बताया कि दामाद ने 11 नवंबर को कहा कि आपकी बेटी खाना नहीं बना रही थी, तो हमने मारा और बच्चे को छीन लिया, आपकी बेटी भाग गई है। 10 तारीख को बेटी से आखिरी बार बात हुई थी, हाल-चाल पूछे थे। मृतका की मां फुलवा देवी ने 18 नवंबर को सिंघौल थाने में FIR दर्ज कराई। दामाद, समधी, समधन, चचेरे ससुर सहित अन्य लोगों को नामजद किया गया। पुलिस उसी दिन से लगातार अनुसंधान और छापेमारी में जुटी हुई थी। कोई ट्रेस नहीं मिल रहा था, सभी फरार थे। रविवार को निशा के चचेरे ससुर रणधीर महतो को पकड़ा तो लाश मिल गई और हत्याकांड में शामिल अन्य लोगों का भी पता चल गया है। जिसकी तलाश में पुलिस तेजी से छापेमारी में जुटी हुई है।

### बेटा-बेटी के मुंडन के तीसरे दिन पिता की मौत

**बेगूसराय।** में बेटा-बेटी के मुंडन में आए रिश्तेदारों के लिए कपड़ा खरीदने जा रहे एक युवक की आज सड़क हादसे में मौत हो गई। पटना नावकोठी थाना क्षेत्र के रसौली के पास की है। मृतक की पहचान पहसारा पश्चिम पंचायत के वार्ड नंबर-1 के रहने वाले योगेन्द्र यादव के बेटे मुकेश कुमार (35) के रूप में किया गया है। घटना के संबंध है बताया जा रहा है कि मुकेश को दो बेटी और एक बेटा है। तीनों बच्चों का मुंडन 27 नवंबर को हुआ था। जिसमें सभी रिश्तेदार आए हुए थे। 28 नवंबर को घर में पूजा थी और आज से रिश्तेदारों का जाना शुरू हो गया था। कुछ रिश्तेदार सोमवार को वापस लौटने वाले थे। उनके लिए कपड़ा खरीदने मुकेश आज मंझौल बाजार जा रहा था। गांव के समीप से गाड़ी नहीं मिलने के कारण वह पैदल भहीं आगे बढ़ रहा था। इसी दौरान घर से करीब आधा किलोमीटर की दूरी पर पीछे से बखरी की ओर से आ रहे पिकअप वाहन ने टक्कर मार दिया। टक्कर लगने के बाद आसपास के लोग दौड़े, लेकिन ड्राइवर गाड़ी लेकर भाग निकला। स्थानीय लोगों के सहयोग से मुकेश को इलाज के लिए मंझौल भेज कर परिजनों को सूचना दी गई। परिजन अस्पताल पहुंचे तो उसकी मौत हो चुकी थी। अस्पताल में मौत के बाद परिजन लाश लेकर घर चले गए। इसी दौरान सूचना मिलने पर नावकोठी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और कागजी प्रक्रिया के बाद देर शाम लाश को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। अब सुबह में पोस्टमार्टम के बाद परिजन इधर से ही लाश को लेकर अंतिम संस्कार के लिए सिमरिया चले जाएंगे। घर में हुई मुंडन की खुशी मातम में बदल गई है। पत्नी नूतन देवी रह-रह कर बेहोश हो रही है। घटना की सूचना मिलते पहुंचे मुखिया और सरपंच सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीणों ने परिजनों को सांत्वना दिया है और प्रशासन से मृतक के आश्रित को मुआवजा देने की मांग की है।

## एसडब्लूआईएल को अदाणी ग्रीन एनर्जी से मिला 1,381 करोड़ का ठेका

**नई दिल्ली** स्टर्लिंग एंड विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (एसडब्ल्यूआरईएल) को गुजरात में अदाणी ग्रीन एनर्जी से करीब 1,381 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। एसडब्ल्यूआरईएल ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने गुजरात के खावड़ा अक्षय ऊर्जा पार्क में आने वाली तीन सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) से करीब 1,381 करोड़ रुपये का बैलेंस ऑफ सिस्टम (बीओएस) ठेका हासिल किया है। खावड़ा अक्षय ऊर्जा पार्क दुनिया के सबसे बड़े नवीकरणीय ऊर्जा केंद्रों में से एक है। स्टर्लिंग एंड विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी ग्रुप के एक प्रमुख अधिकारी (वैश्विक) ने कहा कि हमें अदाणी ग्रीन के साथ समझौते की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि यह खावड़ा तेजी से बढ़ते भारतीय सौर बाजार में हमारे ईपीसी नेतृत्व को मजबूत करता है।

## मारुति सुजुकी ने एसएमजी के साथ विलय प्रक्रिया पूरी की

**नई दिल्ली** मारुति सुजुकी इंडिया ने सोमवार को कहा कि सुजुकी मोटर गुजरात के साथ विलय की योजना सोमवार से प्रभावी हो गई है। मोटर वाहन विनिर्माता कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि योजना की प्रभावशीलता के परिणामस्वरूप कंपनी की अधिकृत शेयर पूंजी में 15,000 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। कंपनी ने कहा कि हम सूचित करना चाहते हैं कि कंपनी ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण द्वारा जारी आदेश की प्रमाणित प्रति दाखिल कर दी है। इसमें पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी सुजुकी मोटर गुजरात (एसएमजी) के मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) में विलय की योजना को मंजूरी दी गई है और तदनुसार यह योजना एक दिसंबर 2025 से प्रभावी हो गई है। योजना के तहत नियत तिथि एक अप्रैल 2025 है और इस प्रकार एसएमजी का एमएसआई में विलय पूरा हो गया है।

## महिंद्रा की वाहन बिक्री नवंबर में 19 प्रतिशत बढ़ी

**नई दिल्ली** वाहन विनिर्माता कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा की नवंबर में कुल बिक्री सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़कर 92,670 इकाई हो गई। महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) ने सोमवार को बयान में कहा कि यात्री वाहन खंड में कंपनी ने घरेलू बाजार में 56,336 वाहन बेचे, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 46,222 वाहनों की तुलना में 22 प्रतिशत अधिक है। वाणिज्यिक वाहनों की घरेलू बिक्री सालाना आधार पर 17 प्रतिशत बढ़कर 24,843 इकाई हो गई। महिंद्रा एंड महिंद्रा के कृषि उपकरण व्यवसाय ने पिछले महीने घरेलू बाजार में 42,273 ट्रैक्टर बेचे। यह नवंबर 2024 के 31,746 ट्रैक्टर से 33 प्रतिशत अधिक है। कुल ट्रैक्टर बिक्री नवंबर में 44,048 इकाई रही जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 33,378 इकाई थी। इस महीने ट्रैक्टर निर्यात 1,775 इकाई रहा जबकि नवंबर 2024 में यह 1,632 इकाई था।

## दिसंबर में निवेशकों की उम्मीदें बढ़ीं

**नई दिल्ली** दिसंबर को लेकर निवेशकों में उत्साह बढ़ा है। विशेषज्ञों के अनुसार हर साल दिसंबर के अंतिम पांच दिन और नए साल के पहले दो दिन बाजार में तेजी आती है, जिसे सेंटा रैली कहा जाता है। निवेशक दिसंबर में अगले साल की योजना बनाते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस बार माहौल पहले से बेहतर नजर आ रहा है और 2026 शेयर बाजार के लिए सकारात्मक रह सकता है। बाजार के जानकारों के अनुसार, इस समय लार्ज कैप शेयर सुरक्षित और स्थिर मुनाफा देने वाले विकल्प हैं। मिड और स्मॉल कैप शेयरों में निवेश सोच-समझकर और सीमित मात्रा में करना बेहतर है। उनका कहना है कि पिछले महीनों में मिड और स्मॉल कैप शेयरों की कीमतें गिर गई हैं और ये अब सस्ते व आकर्षक नजर आते हैं। छोटे शेयरों में 5-10 फीसदी गिरावट या कुछ महीनों की सुस्ती आ सकती है, लेकिन लंबी अवधि में बढ़त की संभावना मजबूत है।

# आरबीआई की मौद्रिक नीति बैठक में रेपो दर यथावत रहने की संभावना

### आरबीआई की एमपीसी की बैठक 3 से 5 दिसंबर तक

**नई दिल्ली**

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) 3 से 5 दिसंबर को बैठक कर रही है। विशेषज्ञों के अनुसार इस बैठक में रेपो दर में बदलाव की संभावना कम है। मौद्रिक नीति का रुख तटस्थ लेकिन नरम रहने की उम्मीद है। जून में 50 आधार अंक की कटौती के बाद दो बैठकों में दर में कोई बदलाव नहीं किया गया है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में जीडीपी के मजबूत आंकड़े दर यथावत रखने का कारण बन सकते हैं। भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य आर्थिक सलाहकार सौम्य कांति घोष ने कहा कि दर में कोई कटौती अब संभव नहीं दिख रही है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की एक अर्थशास्त्री ने भी कहा कि मौजूदा स्थिति बनाए रखना उचित है, क्योंकि ढील देने की गुंजाइश कम है। विशेषज्ञों का मानना है कि आरबीआई को दर को कम करने के बजाय बैंकिंग तंत्र में तरलता बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। ओपन मार्केट ऑपरेशन के माध्यम से बैंकिंग प्रणाली को चौथी तिमाही में संभावित तरलता समर्थन मिल सकता है। ऋण-जमा अनुपात ऐतिहासिक रूप से उच्च स्तर के करीब है, इसलिए बैंकिंग प्रणाली को पर्याप्त नकदी उपलब्ध कराना जरूरी है।

## बजाज ऑटो की घरेलू दोपहिया वाहन बिक्री एक फीसदी घटी

**नई दिल्ली** बजाज ऑटो की नवंबर में घरेलू दोपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर एक प्रतिशत घटकर 2,02,510 इकाई रह गई। नवंबर 2024 में यह 2,03,611 इकाई थी। पुणे स्थित वाहन विनिर्माता कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि निर्यात सहित वाहनों की कुल थोक बिक्री नवंबर में सालाना आधार पर आठ प्रतिशत बढ़कर 4,53,273 इकाई हो गई। पिछले साल नवंबर में 4,21,640 वाहन बेचे गए थे। कुल घरेलू बिक्री (वाणिज्यिक वाहनों सहित) नवंबर में तीन प्रतिशत बढ़कर 2,47,516 इकाई हो गई जबकि पिछले साल इसी महीने में 2,40,854 वाहन बिके थे। कुल निर्यात नवंबर में सालाना आधार पर 1,80,786 वाहनों से 14 प्रतिशत बढ़कर 2,05,757 वाहन हो गया। नवंबर में निर्यात सहित कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर तीन प्रतिशत बढ़कर 3,79,714 इकाई हो गई।

## गोदरेज प्रॉपर्टीज ने हैदराबाद में खरीदी पांच एकड़ जमीन

### कंपनी 4,150 करोड़ की आवासीय परियोजना विकसित करेगी

**नई दिल्ली** रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज ने आवासीय परियोजना विकसित करने के लिए नीलामी प्रक्रिया के जरिये हैदराबाद में 4,150 करोड़ रुपये में पांच एकड़ जमीन खरीदी है। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एचएमडीए) द्वारा कोकापेट के नियोपोलिस में लगभग पांच एकड़ भूमि के लिए आयोजित ई-नीलामी में हिस्सा लिया। एमएसटीसी लिमिटेड के ई-नीलामी मंच के अनुसार गोदरेज प्रॉपर्टीज सबसे ऊंची बोली लगाने वाली कंपनी के रूप में उभरी। प्राधिकरण निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने के बाद आवंटन पत्र जारी करेगा। कंपनी ने कहा कि इस भूमि पर प्रीमियम आवासीय परियोजना विकसित की जाएगी जिसका बिक्री योग्य क्षेत्रफल लगभग 25 लाख वर्गफुट होगा। इससे करीब 4,150 करोड़ रुपये की राजस्व हासिल होने की संभावना है। गोदरेज प्रॉपर्टीज के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हैदराबाद में मजबूत बुनियादी ढांचे के विकास और गुणवत्तापूर्ण आवास की निरंतर मांग के साथ मजबूत प्रदर्शन जारी है। हम रणनीतिक अधिग्रहण आदि के माध्यम से इस उच्च-संभावना वाले बाजार में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। गोदरेज प्रॉपर्टीज देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर में से एक है। इसकी दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), पुणे, बेंगलुरु और हैदराबाद में अच्छी उपस्थिति है।

# भारतीय शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

**मुंबई**

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को हल्की गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी रहने से बाजार नीचे आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 64.77 अंक के नुकसान के साथ ही 85,641.90 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 27.20 अंक फिसलकर 26,175.75 पर था। आज के कारोबार में केवल वाहन और मेटल शेयर ही ऊपर आये।

आज निफ्टी ऑटो 0.79 फीसदी और निफ्टी मेटल 0.58 फीसदी बढ़कर बंद हुए। इसके अलावा, निफ्टी आईटी, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी कमोडिटीज और निफ्टी पीएसई भी लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। दूसरी ओर निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी फार्मा, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी मीडिया, निफ्टी एनर्जी और निफ्टी इन्फ्रा नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए।

लार्जकैप की तरह ही मिडकैप का प्रदर्शन भी मिलाजुला रहा पर स्मॉलकैप शेयरों में खरीदारी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.15 अंक की हल्की बढ़त के साथ ही 61,043 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 45.45 अंक की तेजी के साथ ही 17,874.70 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, मारुति सुजुकी, बीईएल, कोटक महिंद्रा बैंक, अदाणी पोर्ट्स, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, इटरनल (जोमैटो), एनटीपीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील और इन्फोसिस सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। वहीं बजाज फाइनेंस, सन फार्मा, ट्रेंट, एसबीआई, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल, एमएंडएम, एचडीएफसी बैंक, टाइटन, एक्सिस बैंक और एचयूएल के शेयर नुकसान में रहे।

इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 86,065 के स्तर पर खुला और 294 अंकों की बढ़त के साथ 86,000 के आसपास कारोबार कर रहा था। इसी तरह, निफ्टी-50 26,325 पर खुला और शुरुआती 20 मिनटों के भीतर लगभग 90 अंकों की बढ़त के साथ 26,292.55 तक पहुंच गया। वैश्विक स्तर पर, एशियाई बाजारों में सोमवार की शुरुआत मिश्रित रही। अमेरिकी ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों ने निवेशकों का आत्मविश्वास बढ़ाया, जबकि जापानी येन की मजबूती ने निक्की 225 पर दबाव बनाया, जो 1.68 फीसदी नीचे कारोबार कर रहा था। इसके विपरीत, हांगकांग का हैंग सेंग 0.56 फीसदी और चीन का शंघाई एसई 0.11 फीसदी की बढ़त में रहा। अमेरिकी बाजारों ने भी पिछले सप्ताह मजबूती दिखाई, जहां नैस्डैक, एस एंड पी 500 और डाउ जोन्स तीनों हरे निशान

# क्रिप्टो बाजार फिसला, बिटकॉइन 88,000 डॉलर के नीचे

### ईथर भी 6 फीसदी लुढ़ककर 2,900 डॉलर से नीचे आ गया

**नई दिल्ली**

दिसंबर की शुरुआत क्रिप्टोकरेंसी बाजार के लिए कमजोर रही है। 1 दिसंबर को एशियाई ट्रेडिंग सत्र के शुरुआती घंटों में प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी में तेज गिरावट दर्ज की गई। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन लगभग 4.3 फीसदी गिरकर 88,000 डॉलर के नीचे पहुंच गया, जबकि ईथर भी 6 फीसदी लुढ़ककर 2,900 डॉलर से नीचे आ गया। कॉइन मार्केटकैप के आंकड़े दर्शाते हैं कि पिछले 24 घंटों की यह गिरावट पिछले 30 दिनों में 19.85 फीसदी की कमजोरी को और बढ़ा रही है। मार्केट में लीवरेज लिक्विडेशन तेज हुआ है और केवल एक दिन में करीब 16 मिलियन डॉलर के बिटकॉइन लॉन्ग पोजिशन लिक्विडेट हो गए।

विश्लेषकों के अनुसार, व्यापक आर्थिक चिंताओं और बैंक ऑफ जापान द्वारा संभावित ब्याज दर वृद्धि की आशंकाओं ने एशियाई बाजारों में दबाव बढ़ाया है। जापानी बॉन्ड यील्ड का 15 साल के उच्च स्तर पर पहुंचना भी बिकवाली का बड़ा कारण बना।

गिरावट के दौरान बिटकॉइन 4.63 फीसदी टूटकर 86,440 डॉलर पर ट्रेड कर रहा था।

इसका मार्केट कैप 1.72 ट्रिलियन डॉलर तक सिमट गया, जबकि 24 घंटे का ट्रेडिंग वॉल्यूम 40 फीसदी से अधिक उछलकर 52.4 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया। तकनीकी विश्लेषण में बिटकॉइन का 90,954 डॉलर का सपोर्ट लेवल टूटना गिरावट को और गहरा कर गया है।

## सीआईआई ने बजट में रखी हरित वित्त और सर्कुलर इकोनॉमी सुधार की मांग

**नई दिल्ली** भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने सरकार से आगामी बजट में हरित परियोजनाओं के लिए प्रतिबद्ध वित्तीय संस्थान (जीएफआई) स्थापित करने की मांग की है। सीआईआई के अनुसार अगले 10-15 वर्षों में हरित परियोजनाओं के लिए लगभग 1 लाख करोड़ रुपए और 2070 तक 10 लाख करोड़ डॉलर का निवेश अंतर होगा। मौजूदा हरित वित्त केवल आवश्यकता का एक चौथाई पूरा कर पा रही है। सीआईआई ने कहा कि यह संस्था मध्यस्थ के रूप में काम करेगी, जिसमें बहुपक्षीय बैंक, सॉवरिन फंड और परोपकारी संस्थाएं शामिल होंगी और कोई प्रत्यक्ष सरकारी व्यय नहीं होगा। इसे गिफ्ट सिटी में स्थापित करने की सिफारिश की गई है। यह रियायती वित्त, क्रेडिट गारंटी, इक्विटी समर्थन और छोटे हरित एसेट्स के प्रतिभूतिकरण जैसी सुविधाएं प्रदान करेगी। सीआईआई ने चेतावनी दी कि ईवी और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में खनिज आयात निर्भरता बढ़ रही है। बैटरी और इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए अनिवार्य रीसाइक्लिंग, शहरी खनन लक्ष्य और स्क्रैप निर्यात पर प्रमाणन लागू करने की सिफारिश की गई है।

# दिसंबर की शुरुआत में राहत, कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 10 रुपए सस्ता

### घरेलू एलपीजी की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

**नई दिल्ली**

दिसंबर की शुरुआत देशभर के होटल, रेस्टोरेंट और छोटे-बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए राहत लेकर आई है। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में एक बार फिर कटौती की गई है, जिससे फूड बिजनेस और सर्विस सेक्टर की लागत में कमी आने की उम्मीद है। सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने 1 दिसंबर से 19 किलो के कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम में 10 रुपए की कमी लागू कर दी है। यह राहत ऐसे समय आई है जब नवंबर में भी प्रति सिलेंडर 5 रुपए सस्ते किए गए थे। यानी लगातार हो रही कटौतियों का लाभ सीधे-सीधे व्यावसायिक उपभोक्ताओं को मिल रहा है। राजधानी दिल्ली में अब 19 किलो कमर्शियल सिलेंडर का नया दाम 1580.50 रुपए हो गया है, जो पहले 1590.50 रुपए था। हालांकि घरेलू रसोई गैस उपभोक्ताओं के लिए इस बार भी कोई बदलाव नहीं किया गया है।

14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत अप्रैल से स्थिर है और अभी दिल्ली में 853 रुपए पर बरकरार है। अन्य महानगरों में भी कमर्शियल गैस के ताजा रेट जारी किए गए हैं। कोलकाता में 1684 रुपए, मुंबई में 1531.50 रुपए और चेन्नई में 1739.50 रुपए में सिलेंडर उपलब्ध होगा। वहीं नोएडा में 1580.50 रुपए, पटना में 1829 रुपए, लखनऊ में 1703 रुपए, शिमला में 1688.50 रुपए, देहरादून में 1638 रुपए, गुरुग्राम में 1597 रुपए और रांची में 1733 रुपए में कमर्शियल सिलेंडर मिल रहा है।

# शेयर और म्युचुअल फंड में घरेलू निवेश दोगुना, बैंक जमा पिछड़ा

### ▶▶ हर 100 रुपए बैंक जमा पर परिवारों ने 45.2 म्युचुअल फंड और शेयरों में निवेश किया

**नई दिल्ली**

भारतीय परिवारों द्वारा बैंक जमा के मुकाबले म्युचुअल फंड और शेयर बाजार में निवेश दोगुना हो गया है। आरबीआई के नवंबर बुलेटिन के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में बैंक जमा में निवेशित हर 100 रुपए पर लगभग 45.2 रुपए म्युचुअल फंड और शेयरों में लगाए गए। जबकि पिछले वित्त वर्ष यह अनुपात केवल 21.2 रुपए था। अक्टूबर 2025 तक म्युचुअल फंडों के प्रबंधित परिसंपत्तियों (एयूएम) का कुल आंकड़ा 79.9 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह 241.7 लाख करोड़ रुपये की कुल बैंकिंग जमा राशि का लगभग 33 फीसदी है। मार्च 2025 तक यह हिस्सेदारी 29 फीसदी थी। विशेषज्ञों के अनुसार, कम बैंक ब्याज दरें, वित्तीय साक्षरता में वृद्धि और फिनटेक प्लेटफार्मों की वजह से निवेशकों ने इक्विटी और म्युचुअल फंड की ओर रुख किया है।

पीएल कैपिटल के एक शोध निदेशक का कहना है कि बाजार में स्थिरता के बावजूद घरेलू निवेशक इक्विटी में निवेश जारी रखेंगे।

## अंतरराष्ट्रीय और घरेलू बाजार में सोना-चांदी के दाम नई ऊंचाई पर

### ▶▶ सोना फिर 1.30 लाख के पार, चांदी में भी 1,78 लाख से ज्यादा तेजी

**नई दिल्ली**

अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दोनों बाजारों में सोमवार को सोना और चांदी के भावों में रिकॉर्डतोड़ तेजी देखने को मिली। निवेशकों की मजबूत खरीदारी और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच दोनों धातुएं नए उच्च स्तरों को छू रही हैं। घरेलू बाजार में जहां सोने के दाम 1.30 लाख रुपये के ऊपर मजबूती से बने हुए हैं, वहीं चांदी के भाव 1.78 लाख रुपये के पार पहुंचकर नया इतिहास रच चुके हैं।

घरेलू मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में सोने के फरवरी वायदा कॉन्ट्रेक्ट ने तेजी के साथ कारोबार की शुरुआत की। सोना 495 रुपये की बढ़त के साथ 1,29,999 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,29,504 रुपए था।

इस समय यह 1,30,383 रुपए से अधिक के स्तर पर पहुंच गया था, जिसमें कुल 879 रुपये की तेजी शामिल है। दिन के कारोबार के दौरान सोने ने 1,30,794 रुपए का उच्च और 1,29,999 रुपए का निचला स्तर छू लिया। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष सोना 1,31,699 रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुका है। चांदी के मार्च कॉन्ट्रेक्ट ने भी जोरदार तेजी के साथ शुरुआत की। एमसीएक्स पर यह 1,77,858 रुपए पर खुला, जो पिछले बंद 1,74,981 रुपए से 2,877 रुपये अधिक था। इस समय चांदी 1,78,187 रुपए के भाव पर कारोबार कर रही थी। दिन के दौरान इसने 1,78,250 रुपए का उच्च स्तर छुआ, जो इस साल का नया उच्चतम स्तर भी है, जबकि निचला स्तर 1,76,452 रुपए रहा।

## नई जनरेशन डस्टर 26 जनवरी को होगी लॉन्च

**नई दिल्ली**

भारतीय बाजार में एसयूवी रेनॉल्ट डस्टर फिर वापसी करने जा रही है। कंपनी का कहना है कि नई जनरेशन डस्टर को 26 जनवरी 2026 को लॉन्च किया जाएगा। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, लेटेस्ट स्पाई शॉट्स में इसे चारों ओर से साफ देखा गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि यह टेस्ट ड्राइव के लिए सीधे चेन्नई प्लांट से निकली है। नई डस्टर की डिजाइन पहले से काफी अधिक मॉडर्न और एग्रेसिव दिखती है।

इसमें वाय शेप एलईडी डीआरएलएस, नए पॉलिगोनल हेडलैम्प्स, हेवी फ्रंट बंपर, बड़े अक्षरों में रिनॉल्ट बैजिंग, मजबूत बॉडी क्लैडिंग, स्टाइलिश रूफ रेल्स और सी-पिलर में हिडन रियर डोर हैंडल जैसे बदलाव शामिल हैं।

पिछला हिस्सा स्पोर्टी रियर स्पॉयलर, शार्क फिन एंटीना और वाय-शेप टेललैंप्स के साथ और भी आकर्षक नजर आता है। इंटीरियर में इस बार बड़ा अपग्रेड देखने को मिलेगा। इसमें ट्रिपल स्क्रीन डैशबोर्ड लेआउट, 10.1-इंच टचस्क्रीन, 7-इंच डिजिटल क्लस्टर, वायरलेस कनेक्टिविटी, डुअल-जोन एसी, ओटीए अपडेट्स, अडास, 6-एयरबैग, रियर कैमरा, पार्किंग सेंसर और ईएससी जैसी फीचर्स दिए जाने की संभावना है। इंटरनेशनल मॉडल ने यूरो एनकैप में 3-स्टार सेफ्टी रेटिंग हासिल की है। इंजन विकल्पों की बात करें तो शुरुआत में यह पेट्रोल इंजन में उपलब्ध होगी। हालांकि, बाद में कंपनी स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड और संभवतः सीएनजी वर्जन भी पेश कर सकती है। लॉन्च के बाद यह 4.2-4.4 मीटर एसयूवी सेगमेंट की लोकप्रिय गाड़ियों को प्रतिस्पर्धा देगी। उम्मीद है कि इस एसयूवी की शुरुआती कीमत 11 लाख रुपये से कम रखी जाएगी।

# यूपी में 10 दिसंबर के बाद बढ़ेगी ठिठुरन

## न्यूनतम तापमान 8 डिग्री से नीचे रह सकता है, जानिए खेती-किसानी पर क्या असर पड़ेगा

**लखनऊ।** यूपी में 10 दिसंबर के बाद पारा तेजी से गिरेगा। पश्चिमी यूपी से लेकर तराई क्षेत्र तक धुंध और ठंड बढ़ेगी। महीने के आखिरी 10 दिन सबसे ठंडे रहने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि इस बार दिसंबर में ठंड देर से शुरू होगी। लेकिन, महीने के आखिरी में अपना असर जरूर दिखाएगी।यूपी में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से बीते 24 घंटे में अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री की बढ़ोतरी देखी गई। लेकिन, कई जिलों में सुबह घना कोहरा छाया रहा। बलिया 8ठ न्यूनतम तापमान के साथ सबसे ठंडा रहा। नोएडा-गाजियाबाद की हवा एक बार जहरीले स्तर पर पहुंच गई। हालांकि, दिन बढ़ने के साथ धूप ने लोगों को राहत दी। यूपी के ज्यादातर जिलों में दिसंबर की शुरूआत में दिन का तापमान सामान्य के करीब रहेगा। रात में हल्की ठंड महसूस होगी, लेकिन न्यूनतम तापमान में खास गिरावट नहीं दिखेगी। हालांकि, 10 दिसंबर के बाद ठंड बढ़नी शुरू होगी। सुबह-शाम की हवाएं सर्द होंगी। पश्चिमी और तराई क्षेत्रों में धुंध की हल्की परत दिख सकती है। दिसंबर के आखिरी 10 दिन सबसे ठंडे रहने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, कई जिलों में न्यूनतम तापमान 8-10 डिग्री सेल्सियस या इससे नीचे जा सकता है। पश्चिमी यूपी, लखनऊ, मेरठ, बरेली और गोरखपुर मंडल में घने कोहरे से यातायात प्रभावित हो सकता है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहेगा। मौसम विभाग के मुताबिक, यूपी का औसत दैनिक तापमान 31 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहता है। गर्मियों में अधिकतम औसत तापमान 35 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंच जाता है। वहीं, ठंड में अधिकतम औसत तापमान 20 से 25 या 26 डिग्री सेल्सियस तक रहता है। ठंड में औसत न्यूनतम तापमान 10 से 15 डिग्री सेल्सियस के बीच होता है। यहां ध्यान रखना जरूरी है कि पूरे भारत का भूगोल एक जैसा नहीं। इस वजह से तापमान को लेकर भी अलग-अलग कैटेगरी हैं। पूरे देश की बात

करें, तो सामान्य तापमान -2ठ से 40°C के बीच होता है। बीएचयू के मौसम वैज्ञानिक मनोज श्रीवास्तव बताते हैं कि दिसंबर में ठंड अपने चरम की तरफ बढ़ती जाएगी। कोहरा बढ़ने से तापमान और नीचे जाएगा, कई दिनों तक धूप भी कमजोर रहेगी। रातें लंबी और ठंडी होंगी। दिन बढ़ने के साथ ठंड और बढ़ती जाएगी। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, दिसंबर में पश्चिमी और सेंट्रल यूपी में ठंड काफी बढ़ सकती है। जहां न्यूनतम तापमान 6 डिग्री से 8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। वहीं, पूर्वी यूपी में यह तापमान अपेक्षाकृत अधिक रहेगा। इसके 10 डिग्री से 12 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की उम्मीद है। नवंबर में प्रदेश का औसत तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा, जिसे सामान्य माना जाएगा। हालांकि, अगर इस दौरान पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो गया, तो उत्तर भारत के पर्वतीय इलाकों में बर्फबारी या ओस जैसी स्थितियां हो सकती हैं। इसका असर प्रदेश के मैदानी क्षेत्रों पर भी पड़ेगा, जहां कुछ दिनों के लिए सीवियर कोल्ड जैसा हो सकता है। इस स्थिति में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में अचानक गिरावट दर्ज हो सकती है। लेकिन, यह गिरावट सामान्यतः 0.5 डिग्री सेल्सियस से 1 डिग्री सेल्सियस तक ही सीमित रहेगी। यानी दिसंबर में हल्की से मध्यम ठंड बढ़ेगी, लेकिन कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना फिलहाल कम है। 2018 में 30 दिसंबर को लखनऊ का तापमान 3.3 दर्ज किया गया था। जो दिसंबर महीने का सबसे ठंडा दिन था। वहीं, 2019 में 31 दिसंबर, 2019 को 0.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। साल के आखिरी दिन शहर के पारे ने पिछले 7 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया था। सुबह 4 बजे शहर का न्यूनतम तापमान शून्य से कुछ ऊपर 0.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। इससे पहले 2012 में पारा 0.7 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचा था। मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, 1 दिसंबर को प्रदेश के पश्चिमी और पूर्वी दोनों हिस्सों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। सुबह के वक्त कुछ इलाकों में हल्का से मध्यम कोहरा छा सकता है। इसी तरह 2 दिसंबर को भी आसमान साफ रहने के साथ सुबह कोहरे का असर देखने को मिल सकता है। 4 से 6 दिसंबर तक प्रदेश में मौसम सामान्य और साफ रहने के संकेत हैं। हालांकि तापमान में थोड़ी गिरावट होगी। उत्तर प्रदेश में सर्दी का मौसम 2024 में दिसंबर के अंत से शुरू हुआ था। इसका मतलब यह है कि नवंबर में ठंड महसूस तो हुई थी, लेकिन गंभीर ठंड या कोल्ड-वेव जैसी परिस्थितियां नहीं थीं। बटऊ के अनुसार, पिछले साल दिसंबर तक पश्चिमी विक्षोभ नहीं आया था। इसके चलते ठंड की शुरुआत काफी देर से हुई थी। IMD (भारत मौसम विज्ञान विभाग) के अनुसार 28 दिसंबर 2024 को पश्चिमी यूपी में रात का तापमान 5 डिग्री सेल्सियस या उससे नीचे गिरने लगा था। कृषि वैज्ञानिक प्रो. पीके सिंह के मुताबिक, दिसंबर का मौसम खेती-किसानी के लिए मिला-जुला, लेकिन लाभदायक माना जा रहा। यूपी में इस समय रबी फसलों (गेहूं, चना, मटर, सरसों, आलू) की बुवाई और बढ़वार पर मौसम का बड़ा असर पड़ता है। इस बार दिसंबर में तापमान और मौसम की स्थिति रबी फसलों की बढ़वार के लिए अनुकूल रहने वाला है। महीने की शुरूआत साफ आसमान के साथ होने की उम्मीद है।

## संक्षिप्त डायरी

### मोक्षदा एकादशी पर गीता जयंती महोत्सव और दीपोत्सव कार्यक्रम संपन्न

संवाददाता

**कसया, कुशीनगर।** मोक्षदा एकादशी के पावन अवसर पर गौतम फाउंडेशन, कुशीनगर द्वारा नगर के राम जानकी मठ मंदिर परिसर में भव्य गीता जयंती महोत्सव और दीपोत्सव का आयोजन किया गया। सोमवार को आयोजित महोत्सव में सुबह सामूहिक गीता पाठ किया गया। इस अवसर पर विविध प्रकाशनों की 101 गीता की पुस्तकों की प्रदर्शनी आयोजित की गई। जिसका शुभारंभ मठ के महंथ त्रिभुवन शरण दास ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच किया और कहा कि मोक्षदा एकादशी की पौराणिक कथा पढ़ने-सुनने से वाजपेय यज्ञ का पुण्यफल मिलता है। संत दिव्य सागर जी महराज ने कहा कि मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी के दिन ही कुरुक्षेत्र में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को श्रीमद्भगवद्गीताका उपदेश दिया था। अतःयह तिथि गीता जयंती के नाम से विख्यात हो गई। शाम को परिसर में 1100 दीप प्रज्वलित किया गया। श्रद्धालुओं ने भजन कीर्तन और श्रीमद भागवत गीता की आरती की। आयोजक प्रबंधक गौतम फाउंडेशन राजू जायसवाल ने सभी अतिथियों और श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया और कहा कि आने वाले समय में गीता महोत्सव को भव्य स्तर पर कुरुक्षेत्र की तर्ज पर किया जाएगा। संचालन जनार्दन जी ने किया। इस दौरान इस अवसर पर पुजारी देव नारायण शरण दास, डॉ हरीओम मिश्रा, सुरेश प्रसाद गुप्ता, राजन जायसवाल, नन्द किशोर द्विवेदी, रीतेश जायसवाल, लक्ष्मी जायसवाल, अंजू जायसवाल, चांदनी जायसवाल सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

### बरेली में तेज रफ्तार कार पलटी, व्यापारी की पत्नी की मौत, तीन गंभीर घायल

**बरेली।** आईवीआरआई परिसर में आयोजित बिस्मिल नाइट से लौटते वक्त तेज रफ्तार कार इज्जतनगर थाने के पास सड़क किनारे नाले में पलट गई। हादसे में मॉडल टाउन निवासी कपड़ा व्यापारी की पत्नी की मौत हो गई। खुद व्यापारी व उनके साथ मौजूद कोचिंग संचालक दंपती गंभीर घायल हो गए। इनमें से एक को दिल्ली रेफर किया गया है। दर्दनाक हादसा हादसा वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गया। मॉडल टाउन निवासी हर्षुल अरोड़ा की प्रेमनगर में कपड़े की दुकान है। वह पत्नी 30 वर्षीय शीनू के साथ बिस्मिल नाइट में शामिल होने आईवीआरआई गए थे। रात करीब 12 बजे वहां से लौट रहे थे। हर्षुल के दोस्त मॉडल टाउन के ही निवासी कोचिंग संचालक पारसखेड़ा और पारस की पत्नी भावना खेड़ा भी साथ थीं। लग्जरी कार में दोनों दंपती लौट रहे थे। इस दौरान उनकी कार आगे चल रही बाइक को बचाने के चक्कर में साइड में चली गई। प्रत्यक्षदर्शी बताते हैं कि कार दो पलटी खाकर नाले में गिर गई। पीछे दूसरी कारों से आ रहे परिचितों ने उनको बाहर निकाला और दूसरे वाहनों से निजी अस्पताल ले गए। हालांकि, तब तक शीनू की मौत हो चुकी थी। शीनू के शरीर की कई हड्डियां टूट गई थीं। पारस को गंभीर हालत में निजी अस्पताल से दिल्ली रेफर कर दिया गया। बाकी दोनों का यहीं उपचार चल रहा है। शीनू की शादी पांच साल पहले हुई थी। वह दो साल की बेटी की मां थी। पारस की कुछ समय पहले ही भावना से शादी हुई है। दोनों ही परिवार काफी संपन्न हैं। हादसे के बाद दोनों परिवारों के लोग अस्पतालों के चक्कर लगा रहे हैं। शीनू के शव का सोमवार को अंतिम संस्कार कर दिया गया।

## धूमधाम से मना प्रसिद्ध गायक उदित नारायण झा का जन्मदिन

संवाददाता

**कसया, कुशीनगर।** नगर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर वार्ड नंबर 27 स्थित डीडी मंत्रा नृत्य एवं संगीत विद्यालय में भारत के प्रसिद्ध गायक उदित नारायण झा का जन्मदिन धूमधाम से मनाकर उनके दीर्घायु जीवन की कामना की गई। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना से हुई।संस्था की छात्रा गीता वर्मा ने गाया चांद छुपा बादल में गीत गाया। छात्र सौरभ सिंह पहला नशा पहला खुमार, अजय पाण्डेय, प्रियांशु, निशा की प्रस्तुति सराही गई। मुख्यअतिथि पूर्व प्रवक्ता सुरेश गुप्ता ने कहा कि उदित नारायण ने हर प्रकार का गीत गया है। उनकी आवाज में कनक है जो लोगों को हमेशा पसंद आई है और आती रहेगी। संस्था के निदेशक कृष्णानंद त्रिपाठी ने कहा कि उदित नारायण ने तमाम भाषाओं में गीत गाए और कई फिल्मों में तो उन्होंने टाइटल सॉन्ग गया जो काफी हिट रहा। इस मौके पर डॉक्टर एसके दुबे, प्रोफेसर विशंभर प्रजापति, तृषा, सीपीएन यादव, काशवी आदि लोग उपस्थित रहे।

## विश्व एड्स दिवस: एसटीएनटी नर्सिंग संस्थान की ओर से निकली भव्य जागरूकता रैली

■ एड्स से लड़ाई जागरूकता से ही जीती जा सकती है: विधायक सुरेंद्र कुमार कुशवाहा

संवाददाता

**कुशीनगर।** विश्व एड्स दिवस के अवसर पर सोमवार को एसटीएनटी नर्सिंग इंस्टीट्यूट, भठही खुर्द फाजिलनगर द्वारा भव्य एड्स जागरूकता रैली निकाली गई। रैली का शुभारंभ फाजिलनगर के विधायक सुरेंद्र कुमार कुशवाहा एवं जितेंद्र स्मारक इंटर कॉलेज नारायनपुर कोठी के प्रधानाचार्य दिलीप कुमार सिंह ने विद्यालय के मुख्य गेट से हरी झंडी दिखाकर किया। रैली पकहा मार्ग स्थित कस्तूरबा आवासीय बालिका विद्यालय, बघौचघाट चिकित्सालय, नारायनपुर बाजार से होती हुई पुनः इंटर कॉलेज परिसर में संपन्न हुई। विधायक सुरेंद्र कुमार कुशवाहा ने

एड्स के प्रति जागरूकता को अत्यंत आवश्यक बताया। कहा कि एड्स कोई सामाजिक कलंक नहीं, बल्कि जागरूकता और सावधानी से पूरी तरह रोकी जा सकने वाली बीमारी है। युवा प्रशिक्षु जिस संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ समाज को जागरूक कर रहे हैं, वह सराहनीय है। यही नए भारत की असली शक्ति है। आगे कहा कि एसटीएनटी नर्सिंग संस्थान भठही इस क्षेत्र में स्वास्थ्य शिक्षा को नई दिशा दे रहा है। संस्थापक सुभाष प्रसाद त्रिपाठी और प्रबंध निदेशक उद्धव त्रिपाठी का योगदान निस्संदेह प्रेरणादायक है। प्रधानाचार्य दिलीप कुमार सिंह ने कहा कि एड्स से लड़ाई केवल दवा से नहीं, बल्कि जागरूक समाज से जीती जाती है। प्रशिक्षुओं को विधायक ने उनके प्रशंसनीय प्रयासों के लिए धन्यवाद देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में थाना प्रभारी चौराखास अजय कुमार पटेल, आलोक चौबे, रामायण सिंह, राजेश मौर्य, बनारसी शर्मा, राजेश कुशवाहा, विनोद कुमार शर्मा, संजय कुमार सिंह, मनफूल निषाद, मनोज यादव, अनीता सिंह, पूनम चौरसिया, ज्योति चौधरी, अंचल मौर्य, अर्चना शर्मा, कुसुम यादव, लक्ष्मी मद्धेशिया, रमेश सिंह पटेल, पंकज कुमार शर्मा, रिंकू पटेल सहित शिक्षक, छात्र-छात्राओं मौजूद थे।

## विधायक पीएन पाठक ने टोल प्लाजा का किया निरीक्षण, सुविधा के दिए निर्देश

संवाददाता

**कुशीनगर।** विधायक विधानसभा कुशीनगर पीएन पाठक ने सोमवार को नेशनल हाईवे 28 हेतिमपुर स्थित टोल प्लाजा का निरीक्षण किया और यात्री सुविधाओं को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। विधायक श्री पाठक सोमवार को हेतिमपुर टोल प्लाजा पहुंचे और वहां लगे टोल का निरीक्षण किया। वहां गाड़ियों के आवागमन के लिए बने लेन, निर्माण, यात्री सुविधा, प्रसाधन, स्वास्थ्य सेवा, आकस्मिक सेवा, शुल्क आदि की जानकारी टोल प्रबंधक से ली तथा वहां मौजूद अधिकारियों, कर्मचारियों को सरकार के नियमानुसार कार्य करने के निर्देश दिए। श्री पाठक ने कहा कि किसी भी यात्री, वाहन चालक को कोई परेशानी न हो और सबका सहयोग किया जाय। अपना मार्ग भटक गए लोगों को सही पता बताया जाय और अगर किसी को नींद आ रही हो तो उसे गाड़ी किनारे लगा कर सोने के लिए कहें। जितना हो सके। अवागमन करने वाले लोगों की सुविधा का ख्याल रखें।

## स्व. रामायण राय स्वतंत्रता संग्राम के सच्चे योद्धा: सूर्य प्रताप शाही

संवाददाता

**कुशीनगर।** ख्यातिप्राप्त स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, प्रदेश सरकार में मंत्री, विधायक व सांसद रहे स्वर्गीय रामायण राय की 105वीं जयंती पर रविवार को भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इनमें पदयात्रा, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों का सम्मान तथा विचार गोष्ठी प्रमुख रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सेनानियों के सम्मान में निकाली गई पदयात्रा से हुआ जो बढ़हिया से प्रारंभ होकर कार्यक्रम स्थल तक पहुँची।मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने कहा कि स्व राय स्वतंत्रता संग्राम के साहसी योद्धा, सरल और संयमी व्यक्तित्व के धनी तथा जनता के सच्चे नेता थे। उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक उत्थान के लिए जो संघर्ष एवं कार्य किए, वे आने वाली

पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करते रहेंगे।भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि स्वर्गीय राय ने न केवल स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई बल्कि अपने जनप्रतिनिधि काल में भी जनता की समस्याओं को सर्वोपरि रखा। पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी, पूर्व प्राचार्य डा. उमाकांत राय, भाजपा जिला उपाध्यक्ष दिवाकर मणि त्रिपाठी, किसान मोर्चा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राधेश्याम पाण्डेय, भाजपा नेता बैरिस्टर जायसवाल, महेंद्र उपाध्याय, डा. कन्हैया शर्मा, स्वतंत्रता सेनानी आश्रित संगठन के जिला अध्यक्ष विजय प्रकाश पांडेय, रमेश मिश्र, सामाजिक कार्यकर्ता केदार सिंह, नंदलाल विद्रोही आदि ने संबोधित किया। अध्यक्षता स्वतंत्रता संग्राम सेनानी डॉ. प्रहलाद प्रजापति ने की। संचालन कवि मनंजय तिवारी एवं दिनेश तिवारी भोजपुरिया ने किया। आयोजन से पूर्व स्व. रामायण राय के समाधि स्थल पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई।इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं उनके आश्रितों को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।आयोजक एवं स्व. राय की पुत्री पूर्व विधायक शशि शर्मा तथा सुपौत्री तन्मया गोस्वामी ने आभार जताया। स्व.राय के परिजन श्रीमती मंजुलता राय, डा. एस.पी. राय, पुनीत राय, मोनू राय सहित पारसनाथ सिंह, वंदना पांडेय, शोभा मणि, देवेन्द्र उर्फ इंदु उपाध्याय,अभयजीत शर्मा, सुरेश राय, डा. कमलेश शाही, रमन शाही, कविंद्र राय,सुदामा शर्मा ,राकेश कुमार शर्मा, विशेश्वर नाथ अवस्थी, राजू मिश्रा, अनिल कुमार, अजय कुमार सिंह, भानुप्रताप द्विवेदी, सतेन्द्र नाथ चौधरी उपस्थित रहे।

### सीएम योगी बोले: साइबर अपराध और अवैध ड्रग्स कारोबार पर त्वरित कार्रवाई हो, कैजुअल अप्रोच न रखें अधिकारी

**लखनऊ।** सीएम योगी ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) 2023 और 2024 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों को सफल, प्रभावी और सिटीजन सेंट्रिक पुलिस अधिकारी बनने के लिए 'संवाद, संवेदनशीलता और सकारात्मकता' का मंत्र दिया है। सोमवार को 23 प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ औपचारिक भेंट के दौरान उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश जैसा विशाल राज्य पुलिस के लिए अनेक चुनौतियां लेकर आता है, इसलिए प्रशिक्षु अवधि को सीखने, समझने और अपने पुलिसिंग मॉडल को मजबूत बनाने का सुनहरा अवसर मानें। मुख्यमंत्री ने कहा, जनपदों में प्रशिक्षण के दौरान यह सीखना सबसे आवश्यक है कि वास्तविक समस्याओं का प्रभावी और संतुष्टिपरक समाधान कैसे किया जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि पुलिस हमेशा फर्स्ट रिस्पांडर होती है। आपकी तत्परता, भाषा और प्राथमिकता पर ही पीड़ित का विश्वास टिका होता है। उन्होंने प्रशिक्षुओं को यह सलाह दी कि प्रशिक्षण अवधि में थाने का चार्ज, उसके प्रशासन, विवेचना, ड्यूटी मैनेजमेंट और स्थानीय विवादों की प्रकृति को बहुत बारीकी से समझें। मुख्यमंत्री ने कहा कि थाना पुलिसिंग की नींव है। ह्यूमन इंटेलिजेंस आज भी किसी भी पुलिस अधिकारी का सबसे बड़ा हथियार है। स्थानीय लोगों से संवाद, फील्ड में उपस्थिति और विश्वास ही आपको मजबूत बनाते हैं। मुख्यमंत्री ने 'थाना, सर्किल तथा पुलिस लाइन' तीनों की कार्यप्रणाली, संसाधनों और चुनौतियों को समझने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इन तीनों स्तरों का सामंजस्य ही किसी जिले की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करता है।

# धान का पुआल जलाने से नष्ट होती है भूमि की उर्वराशक्ति

## पुआल जलाने से नष्ट हो जाते है लाभकारी जीवाणु, ट्राइकोडर्मा फफूंद

संवाददाता

**कुशीनगर।** धान काटने के बाद फसल अवशेष जो खेत में रह जाता है उसे पुआल कहते हैं। फसल अवशेष को जलाने से भूमि की उर्वरा शक्ति नष्ट हो जाती है। नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश तथा सल्फर के रूप में अति उपयोगी तत्व जलकर नष्ट हो जाते हैं। एक ग्राम मिट्टी में 10 करोड़ से अधिक लाभकारी जीवाणु, लाखों लाभकारी फफूंद जलकर नष्ट हो जाते हैं। दस कुन्तल पुआल जलाने से 12 किग्रा. यूरिया, 7 किग्रा. फास्फोरस तथा 25 किग्रा पोटाश, 1.2 किग्रा सल्फर, 400 किग्रा कार्बन का नुकसान होता है। पुआल जलाने से यह तत्व नष्ट हो जाते हैं यह जानकारी उ० प्र० गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केन्द्र- पिपराइच गोरखपुर के पूर्व सहायक निदेशक व गन्ना विशेषज्ञ ओम प्रकाश गुप्ता ने कसया विकास खण्ड के ग्राम बरवा में किसानो को दी। बैठक में उपस्थित प्रगतिशील किसान दरोगा सिंह, अवधेश कुशवाहा, मैनेजर सिंह, नन्हू गुप्ता ने पूछा कि फसलो के अवशेष पुआल जलाने से क्या क्या नुकसान होता है? इस सवाल के जवाब में पूर्व सहायक निदेशक ओम प्रकाश गुप्ता ने बताया कि सबसे लाभकारी फफूंद ट्राईकोडर्मा जलकर नष्ट हो जाता है। आज सभी किसानो को ट्राइकोडर्मा प्रयोग करने को कहा जा रहा, जिससे उकठा रोग बढ़ रहा है। जैविक उर्वरक राइजोबियम, फास्फोरस घुलनशील जीवाणु एजोस्पाइरिलम,

एजोटोबैक्टर, ब्लू ग्रीन एलगी जो भूमि में नाईट्रोजन स्थिरीकरण करते हैं, सब जलकर नष्ट हो जाते हैं। जैविक कीटनाशी बवेरिया बेसियाना व किसान का मित्र केंचुआ, मेंढक भी पुआल जलाने से प्रभावित हो रहे हैं। मिट्टी बीमार हो रही है। पूर्व सहायक निदेशक ने कृषि विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या, पंतनगर, कानपुर तथा हैदराबाद, कोयम्बटूर, करनाल, पुणे तथा केन्द्रीय धान अनुसंधान संस्थान कटक उड़ीसा, कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में जाकर कृषि वैज्ञानिकों से जानकारी ली है। पुआल जलाने से हमारा पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। 10 कुन्तल धान का पुआल जलाने से 60 किग्रा कार्बन मोनो ऑक्साइड, 4 किग्रा नाइट्रस ऑक्साइड, 1460 किग्रा कार्बन डाई ऑक्साइड, 0.2 किग्रा सल्फर डाइऑक्साइड विषैली गैस उत्सर्जित होती है। उदाहरण के लिए पंजाब हरियाणा में धान का पुआल-पराली जलाने से दिल्ली का पर्यावरण प्रदूषण हो रहा है। सभी किसान भाइयों से अनुरोध है कि धान का पुआल न जलाए। 20 किलोग्राम प्रति एकड़ यूरिया प्रयोग कर गहरी जुताई करें सड़कर जैविक खाद बन जाएगा। मृदा की रासायनिक तथा भौतिक गुणों में सुधार होगा धान के पुआल में 0.36 प्रतिशत मात्र नत्रजन, 0.08 प्रतिशत फास्फोरस तथा 0.7% पोटाश पाया जाता है। 1 एकड़ धान का पुआल जलाने से 400 किलोग्राम लाभकारी कार्बन जलकर नष्ट हो जाता है। अवशेष जलाने से फसलों की उत्पादन लागत बढ़ रही है। कीट व रोगों का प्रकोप बढ़ रहा है, किसान परेशान हैं। पुनः अपील है कि अवशेष ना जलाएं।

### शादी में बीफ का काउंटर लगाने पर बवाल, मारपीट

**अलीगढ़।** एक दावत-ए-वलीमा (रिसेप्शन) कार्यक्रम में जमकर हंगामा हुआ। आरोप है कि वहां पर बीफ परोसा जा रहा था। उसके लिए अलग से काउंटर लगाए थे। रिसेप्शन में भाजपा नेताओं को भी आमंत्रित किया गया था। काउंटर पर बीफ का स्टिकर देखकर भाजपा नेता और जवां नगर पंचायत अध्यक्ष के बेटे आकाश ने विरोध किया। पुलिस को सूचना देने के बाद काउंटर का वीडियो बनाने लगा। यह देखकर कैटरिंग के काम में लगे कर्मचारी भड़क गए। वीडियो बनाने का विरोध करने लगे। भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बहस करने लगे। देखते ही देखते मामला मारपीट तक पहुंच गया। दोनों तरफ से जमकर लात-घूसे चले। बीच-बचाव के लिए आए लोगों को भी दौड़ा-दौड़कर पीटा गया। पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों पक्षों के लोगों को पूछताछ के लिए थाने ले आई। इस दौरान कैटर्स के समर्थन में बसपा नेता समर्थकों के साथ थाने पहुंच गए। थाने के अंदर भी बवाल होने लगा। एक घंटे तक कहासुनी होती रही। हाथापाई की नौबत आ गई। पुलिस ने बीच-बचाव कर हालात काबू में किए और कैटर्स समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया। उसके बाद एफएसडीए की टीम को मौके पर जांच के लिए भेजा। उन्होंने वहां से खाने के सैंपल लिए और जांच के लिए भेज दिए। सिविल लाइंस क्षेत्र के शहनाई गेस्ट हाउस में धौर्रा के एक युवक और जीवनगढ़ की एक युवती के निकाह के बाद रविवार रात को दावत-ए-वलीमा चल रही थी।

# भारत का आर्थिक विकास - सहकारिता से समृद्धि की ओर

प्रहलाद सबनानी

**सहकारिता वह संगठन है जिसके द्वारा दो या दो से अधिक व्यक्ति स्वेच्छापूर्ण मिलजुल कर समान स्तर पर आपसी आर्थिक हितों की वृद्धि करते हैं। इस प्रकार सहकारिता उस आर्थिक व्यवस्था को कहते हैं जिसमें मनुष्य किसी आर्थिक उद्देश्य की पूर्ति के लिए मिलजुल कर कार्य करते हैं। समृद्धि केवल धन-संपत्ति से कहीं अधिक है, यह तब होती है जब सभी लोगों को फलने-फूलने का अवसर और स्वतंत्रता प्राप्त होती है। समृद्धि एक समावेशी समाज पर आधारित होती है, जिसमें एक मजबूत सामाजिक अनुबंध होता है जो प्रत्येक व्यक्ति की मूलभूत स्वतंत्रता और सुरक्षा की रक्षा करता है।**

भारत एक कृषि प्रधान देश रहा है और हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों का अनुपालन करते हुए ग्रामीण इलाकों में निवास कर रहे नागरिक आपस में भाई-चारे के साथ मिलजुलकर रहते आए हैं। इस दृष्टि से देखा जाय तो सहकार की भावना हम भारतीयों के डीएनए में है। इसी विषय के दृष्टिगत एक बार पुनः आज भारत के प्रत्येक गांव को खुशहाल एवं समृद्ध बनाने के लिए समस्त गावों को सहकारिता से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। हसहकार से समृद्धिह का नारा भी इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर दिया गया है। भारत में आज सहकारी समितियों की स्थापना को बढ़ावा दिया जा रहा है क्योंकि भारत में सहकारी समितियां, स्व-सहायता, स्व-जिम्मेदारी, लोकतंत्र, समानता, न्याय एवं एकजुटता जैसे भारतीय मूल्यों के आधार पर कार्य करती हुई दिखाई देती हैं। साथ ही, जिन 7 सिद्धांतों के आधार पर इन समितियों के कार्य करने की अपेक्षा रहती है, उससे इन समितियों के सफल होने की सम्भावना बढ़ जाती है। यह 7 सिद्धांत हैं - खुली और स्वैच्छिक सदस्यता; लोकतांत्रिक तरीके से सदस्यों की भागीदारी; सदस्यों की आर्थिक भागीदारी; स्वायत्तता और स्वतंत्रता; शिक्षा, प्रशिक्षण और सूचना: कोआपरेटिव के बीच सहयोग; समुदाय के प्रति सरोकार।

सहकारिता वह संगठन है जिसके द्वारा दो या दो से अधिक व्यक्ति स्वेच्छापूर्ण मिलजुल कर समान स्तर पर आपसी आर्थिक हितों की वृद्धि करते हैं। इस प्रकार सहकारिता उस आर्थिक व्यवस्था को कहते हैं जिसमें मनुष्य किसी आर्थिक उद्देश्य की पूर्ति के लिए मिलजुल कर कार्य करते हैं। समृद्धि केवल धन-संपत्ति से कहीं अधिक है, यह तब होती है जब सभी लोगों को फलने-फूलने का अवसर और स्वतंत्रता प्राप्त होती है। समृद्धि एक समावेशी समाज पर आधारित होती है, जिसमें एक मजबूत सामाजिक अनुबंध होता है जो प्रत्येक व्यक्ति की मूलभूत स्वतंत्रता और सुरक्षा की रक्षा करता है। सहकारिता का मुख्य उद्देश्य सदस्यों के जीवन को बेहतर बनाना और सामाजिक- आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। यह एक ऐसा संगठन है जो सदस्यों को सशक्त बनाता है और उन्हें अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक साथ काम करने का अवसर प्रदान करता है।

भारत में आर्थिक विकास को गति देने के उद्देश्य से सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना बहुत जरूरी है। वैसे तो हमारे देश में सहकारिता आंदोलन की शुरुआत वर्ष 1904 से हुई है एवं तब से आज तक सहकारी क्षेत्र में लाखों समितियों की स्थापना हुई है। कुछ अत्यधिक सफल रही हैं, जैसे अमूल डेयरी, परंतु इस प्रकार की सफलता की कहानियां बहुत कम ही रही हैं। कहा जाता है कि देश में सहकारिता आंदोलन को जिस तरह से सफल होना चाहिए था, वैसा हुआ नहीं है। बल्कि, भारत में सहकारिता आंदोलन में कई प्रकार की कमियां ही दिखाई दी हैं। देश की अर्थव्यवस्था को शीघ्र ही यदि 5 लाख करोड़ अमेरिकी डालर के आकार का बनाना है तो देश में सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना ही होगा। इस दृष्टि से केंद्र सरकार द्वारा एक नए सहकारिता मंत्रालय का गठन भी किया गया है। विशेष रूप से गठित किए गए इस सहकारिता मंत्रालय से अब 'सहकार से समृद्धि' की परिकल्पना के साकार होने की उम्मीद भी की जा रही है।

भारत में सहकारिता आंदोलन का यदि सहकारिता की संरचना की दृष्टि से आंकलन किया जाय तो ध्यान में आता है कि देश में लगभग 8.5 लाख से अधिक सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। इन समितियों में कुल सदस्य संख्या लगभग 28 करोड़ है। हमारे देश में 55 किस्मों की सहकारी समितियां विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं। जैसे, देश में 1.5 लाख प्राथमिक दुग्ध सहकारी समितियां कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त 93,000 प्राथमिक कृषि सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। ये मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों में कार्य करती हैं। इन दोनों प्रकार की लगभग 2.5 लाख सहकारी समितियां ग्रामीण इलाकों को अपनी कर्मभूमि बनाकर इन इलाकों की 75 प्रतिशत जनसंख्या को अपने दायरे में लिए हुए है। उक्त के अलावा देश में सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं और यह तीन प्रकार की हैं। एक तो वे जो अपनी सेवाएं शहरी इलाकों में प्रदान कर रही हैं। दूसरी वे हैं जो ग्रामीण इलाकों में तो अपनी सेवाएं प्रदान कर रही हैं, परंतु कृषि क्षेत्र में ऋण प्रदान नहीं करती हैं। तीसरी वे हैं जो उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों एवं कर्मचारियों की वित्त सम्बंधी जरूरतों को पूरा करने का प्रयास करती हैं। इसी प्रकार देश में महिला सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं। इनकी संख्या भी लगभग एक लाख है। मछली पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मछली सहकारी साख समितियां भी स्थापित की गई हैं, इनकी संख्या कुछ कम है। ये समितियां मुख्यतः देश में समुद्र के आसपास के इलाकों में स्थापित की गई हैं। देश में बुनकर सहकारी साख समितियां भी गठित की गई हैं, इनकी संख्या भी लगभग 35,000 है। इसके अतिरिक्त हाउसिंग सहकारी समितियां भी कार्यरत हैं। संचालन और कार्यों की प्रकृति के आधार पर मुख्यतः छह प्रकार की सहकारी समितियां होती हैं। इनमें उपभोक्ता सहकारी समितियां, उत्पादक सहकारी समितियां, विपणन सहकारी समितियां, कृषक सहकारी समितियां, ऋण सहकारी समितियां और सहकारी आवास समितियां शामिल हैं।

उक्त वर्णित विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत सहकारी समितियों के अतिरिक्त देश में सहकारी क्षेत्र में तीन प्रकार के बैंक भी कार्यरत हैं। एक, प्राथमिक शहरी सहकारी बैंक जिनकी संख्या 1550 है और ये देश के लगभग सभी जिलों में कार्यरत हैं। दूसरे, 300 जिला सहकारी बैंक कार्यरत हैं एवं तीसरे, प्रत्येक राज्य में एपेक्स सहकारी बैंक भी बनाए गए हैं। उक्त समस्त आंकड़े वर्ष 2021-22 तक के हैं। 29 जून, 2022 को भारत सरकार द्वारा 63,000 क्रियाशील प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) के कम्प्यूटरीकरण के लिए 2,516 करोड़ रुपये के कुल वित्तीय परिव्यय के साथ परियोजना को मंजूरी दी गई थी।

इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि हमारे देश में सहकारी आंदोलन की जड़ें बहुत गहरी हैं। दुग्ध क्षेत्र में अमूल सहकारी समिति लगभग 70 वर्ष पूर्व प्रारम्भ हुई है, जिसे आज भी सहकारी क्षेत्र की सबसे बड़ी सफलता के रूप में गिना जाता है। सहकारी क्षेत्र में स्थापित की गई समितियों द्वारा रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित किए गए हैं। सहकारी क्षेत्र में एक विशेषता यह पाई जाती है कि इन समितियों में सामान्यतः निर्णय सभी सदस्यों द्वारा मिलकर लिए जाते हैं। सहकारी क्षेत्र देश के आर्थिक विकास में अपनी अहम भूमिका निभा सकता है। परंतु इस क्षेत्र में बहुत सारी चुनौतियां भी रही हैं। जैसे, सहकारी क्षेत्र के बैंकों की कार्य पद्धति पर हमेशा से ही आरोप लगते रहे हैं एवं कई तरह की धोखेबाजी की घटनाएं समय समय पर उजागर होती रही हैं। सहकारी क्षेत्र के बैंकों में पेशेवर प्रबंधन का अभाव रहा है एवं ये बैंक पूंजी बाजार से पूंजी जुटा पाने में भी सफल नहीं रहे हैं। अभी तक चूंकि सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी तंत्र का अभाव था एवं केंद्र सरकार द्वारा अब किए गए नए मंत्रालय के गठन के बाद सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने में कसावट आएगी एवं इन संस्थानों का प्रबंधन भी पेशेवर बन जाएगा जिसके चलते इन संस्थानों की कार्य प्रणाली में भी निश्चित ही सुधार होगा, ऐसी उम्मीद की जानी चाहिए।

भारत विश्व में सबसे अधिक दूध उत्पादन करने वाले देशों में शामिल हो गया है। अब हमें दूध के पावडर के आयात की जरूरत नहीं पड़ती है। परंतु दूध के उत्पादन के मामले में भारत के कुछ भाग ही, जैसे पश्चिमी भाग, सक्रिय भूमिका अदा कर रहे हैं। देश के उत्तरी भाग, मध्य भाग, उत्तर-पूर्व भाग में दुग्ध उत्पादन का कार्य संतोषजनक रूप से नहीं हो पा रहा है। जबकि ग्रामीण इलाकों में तो बहुत बड़ी जनसंख्या को डेयरी उद्योग से ही सबसे अधिक आय हो रही है। अतः देश के सभी भागों में डेयरी उद्योग को बढ़ावा दिए जाने की आवश्यकता है। केवल दुग्ध सहकारी समितियां स्थापित करने से इस क्षेत्र की समस्याओं का हल नहीं होगा। डेयरी उद्योग को अब पेशेवर बनाने का समय आ गया है। गाय एवं भैंस को चिकित्सा सुविधाएं एवं उनके लिए चारे की व्यवस्था करना, आदि समस्याओं का हल भी खोजा जाना चाहिए। साथ ही, ग्रामीण इलाकों में किसानों की आय को दुगुना करने के लिए सहकारी क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना करनी होगी। इससे खाद्य सामग्री की बर्बादी को भी बचाया जा सकेगा। एक अनुमान के अनुसार देश में प्रति वर्ष लगभग 25 से 30 प्रतिशत फल एवं सब्जियों का उत्पादन उचित रख रखाव के अभाव में बर्बाद हो जाता है।

शहरी क्षेत्रों में गृह निर्माण सहकारी समितियों का गठन किया जाना भी अब समय की मांग बन गया है क्योंकि शहरी क्षेत्रों में मकानों के अभाव में बहुत बड़ी जनसंख्या झुग्गी झोपड़ियों में रहने को विवश है। अतः इन गृह निर्माण सहकारी समितियों द्वारा मकानों को बनाने के काम को गति दी जा सकती है। देश में आवश्यक वस्तुओं को उचित दामों पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कंज्यूमर सहकारी समितियों का भी अभाव है। पहिले इस तरह के संस्थानों द्वारा देश में अच्छा कार्य किया गया है। इससे मुद्रा स्फीति की समस्या को भी हल किया जा सकता है।

देश में व्यापार एवं निर्माण कार्यों को आसान बनाने के उद्देश्य से हईज आफ डूइंग बिजिनेसह के क्षेत्र में जो कार्य किया जा रहा है उसे सहकारी संस्थानों पर भी लागू किया जाना चाहिए ताकि इस क्षेत्र में भी काम करना आसान हो सके। सहकारी संस्थानों को पूंजी की कमी नहीं हो इस हेतु भी प्रयास किए जाने चाहिए। केवल ऋण के ऊपर अत्यधिक निर्भरता भी ठीक नहीं है। सहकारी क्षेत्र के संस्थान भी पूंजी बाजार से पूंजी जुटा सकें ऐसी व्यवस्था की जा सकती है। विभिन्न राज्यों के सहकारी क्षेत्र में लागू किए गए कानून बहुत पुराने हैं। अब, आज के समय के अनुसार इन कानूनों में परिवर्तन करने का समय आ गया है। सहकारी क्षेत्र में पेशेवर लोगों की भी कमी है, पेशेवर लोग इस क्षेत्र में टिकते ही नहीं हैं। डेयरी क्षेत्र इसका एक जीता जागता प्रमाण है। केंद्र सरकार द्वारा सहकारी क्षेत्र में नए मंत्रालय का गठन के बाद यह आशा की जानी चाहिए के सहकारी क्षेत्र में भी पेशेवर लोग आकर्षित होने लगेंगे और इस क्षेत्र को सफल बनाने में अपना भरपूर योगदान दे सकेंगे। साथ ही, किन्हीं समस्याओं एवं कारणों के चलते जो सहकारी समितियां निष्क्रिय होकर बंद होने के कगार पर पहुंच गई हैं, उन्हें अब पुनः चालू हालत में लाया जा सकेगा। अमूल की तर्ज पर अन्य क्षेत्रों में भी सहकारी समितियों द्वारा सफलता की कहानियां लिखी जाएंगी ऐसी आशा की जा रही है। हसहकारिता से विकासह का मंत्र पूरे भारत में सफलता पूर्वक लागू होने से गरीब किसान और लघु व्यवसायी बड़ी संख्या में सशक्त हो जाएंगे।

## संपादकीय

### ट्रेड यूनियनों का संघर्ष

मौजूदा हालात में सरकारी नीतियों से प्रभावित किसी तबके लिए संघर्ष करना या अपनी मांगें मनवाना आसान नहीं रह गया है। इसलिए चार श्रम संहिताओं के खिलाफ ट्रेड यूनियनों का संघर्ष भी बहुत प्रभाव छोड़ पाएगा, इसकी संभावना कम है। संसद से पारित होने के बाद चार श्रम संहिताओं को लागू करने में सरकार को लगभग छह साल लगे, तो उसका यही संकेत है कि इनको लेकर संबंधित पक्षों के बीच कैसे टकराव की स्थिति रही है। सत्ता पक्ष की हालिया चुनावी सफलताओं के बाद संभवतः केंद्र ने महसूस किया है कि इन संहिताओं को लागू करने का यह अनुकूल मौका है। केंद्र का दावा है कि इन संहिताओं के जरिए पुराने पड़ गए श्रम कानूनों को आधुनिक और मौजूदा वैश्विक प्रतिमानों के अनुरूप बनाया गया है। दावा तो यह भी है कि इनमें श्रमिकों के कल्याण के नए और प्रभावी उपाय शामिल किए गए हैं। मगर दस ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच की प्रतिक्रिया पर गौर करें, तो यह साफ होता है कि श्रम क्षेत्र के अनेक प्रमुख हितधारक ऐसे दावों से सहमत नहीं हैं। उनकी दलील है कि इन संहिताओं का मकसद मजदूरों एवं कर्मचारियों की सामूहिक सौदेबाजी की वैधानिक व्यवस्था को कमजोर करना है। इन संहिताओं के तहत ट्रेड यूनियन बनाना, उनकी सामूहिक शक्ति के जरिए अपनी मांगों को रखना या हड़ताल पर जाना बेहद कठिन हो जाएगा। यानी श्रमिक वर्ग पूरी तरह प्रबंधन और सरकार की मर्जी पर निर्भर हो जाएगा। संयुक्त मंच ने याद दिलाया है कि इन संहिताओं के खिलाफ गुजरे वर्षों में उसने कई आंदोलन किए। मंच ने इसी गुरुवार को संयुक्त किसान मोर्चा के साथ मिल कर देश भर में विरोध जताने का एलान किया है। साथ ही विरोध प्रदर्शन के कई अन्य कार्यक्रम भी उसने घोषित किए हैं। यह निर्विवाद है कि मौजूदा हालात में सरकारी नीतियों से प्रभावित किसी तबके लिए संघर्ष करना या अपनी मांगें मनवाना आसान नहीं रह गया है। इसलिए ट्रेड यूनियनों का संघर्ष भी बहुत प्रभाव छोड़ पाएगा, इसकी संभावना कम है। फिर भी बिना उन्हें भरोसे में लिए श्रम संहिताओं को लागू कर सरकार ने टकराव का एक नया मोर्चा खोल दिया है। बेहतर होता, भारतीय श्रम सम्मेलन (आईएलसी) की बैठक बुलाकर अधिकतम सहमति बनाने की कोशिश की जाती। मगर केंद्र ने इसकी जरूरत नहीं समझी। इससे श्रम एवं पूंजी के बीच नया तनाव पैदा हो सकता है।

## चिंतन-मनन

### प्रतिभा की पहचान

यूनान के किसी गांव का एक लड़का लकड़ियां काटकर गुजारा करता था। वह दिन भर जंगल में लकड़ियां काटता और शाम को पास के शहर के बाजार में उन्हें बेच देता था। एक दिन एक विद्वान व्यक्ति बाजार से जा रहा था। उसकी नजर बालक के गट्ठर पर पड़ी जो बेहद कलात्मक ढंग से बंधा था। उसने उस लड़के से पूछा- क्या यह गट्ठर तुमने खुद बांधा है? लड़के ने जवाब दिया- जी हां, मैं दिन भर लकड़ी काटता हूं, स्वयं गट्ठर बांधता हूं और रोज शाम को बाजार में बेच देता हूं। उस व्यक्ति ने कहा- क्या तुम इसे खोलकर इसी प्रकार दोबारा बांध सकते हो? लड़के ने गट्ठर खोला तथा बड़े ही सुंदर तरीके से उसे फिर बांध दिया। यह कार्य वह बड़े ध्यान, लगन और फुर्ती के साथ कर रहा था।

लड़के की एकाग्रता, लगन तथा कलात्मक रीति से काम करने के तरीके ने उस व्यक्ति को काफी प्रभावित किया। उसे बच्चे में काफी संभावना नजर आई। उसने पूछा- क्या तुम मेरे साथ चलोगे? मैं तुम्हें अपने साथ रखूंगा, शिक्षा दिलाऊंगा। तुम्हारा सारा खर्चा मैं उठाऊंगा। बालक ने सोच-विचार कर अपनी स्वीकृति दे दी और उसके साथ चला गया। उस व्यक्ति ने बालक के रहने और उसकी शिक्षा का प्रबंध किया। वह स्वयं भी उसे पढ़ाता था और नई-नई बातें सिखाता था। थोड़े ही समय में उस बालक ने उच्च शिक्षा हासिल की और काफी कुछ ज्ञान अर्जित कर लिया। बड़ा होने पर यह बालक यूनान के महान दार्शनिक पाइथागोरस के नाम से प्रसिद्ध हुआ। और जिस व्यक्ति ने उसे अपने यहां रखा था वह था यूनान का विख्यात तत्व ज्ञानी डेमोक्रीट्स।

# राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस : आजाद हवा का अधिकारः प्रदूषण की कैद से मुक्ति का आह्वान

दिलीप कुमार पाठक

भोपाल गैस त्रासदी भारत के इतिहास की सबसे दुःखद घटनाओं में से एक है, जब कोई भी उस त्रासदी को याद करता है तो रूह कांप उठती है, मरने वालों एवं अपने परिजनों को खोने वाले लोगों के प्रति हमेशा लोगों में संवेदनाओं का प्रसार रहे यही कारण है कि राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस 2 दिसम्बर को मनाया जाता है। इसका प्रमुख उद्देश्य भोपाल गैस त्रासदी जैसी औद्योगिक आपदाओं को कैसे टाला जाए, इस पर प्रकाश डालना है। पर्यावरण प्रदूषण जीवन और स्वास्थ्य की गुणवत्ता पर बुरा असर डालता है। दुनिया भर में प्रदूषण की समस्या उभर कर सामने आ रही है। संयुक्त राष्ट्र ने वायु प्रदूषण को दुनिया का सबसे बड़ा पर्यावरणीय खतरा बताया है। यह दुनिया का चौथा प्रमुख कारण है जिसकी वजह से हर साल 49 लाख लोगों की मौत हो जाती है। प्रदूषण के लिए कई कारण जिम्मेदार हैं जैसे औद्योगिक विस्फोट या रासायनिक विस्फोट उद्योगों से गैसों का रिसाव आदि सहित कई स्रोतों से प्रदूषण होता है।

हर साल राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस मनाने के प्रमुख कारकों में से एक औद्योगिक आपदा के प्रबंधन और नियंत्रण के साथ ही पानी, हवा और मिट्टी के प्रदूषण की रोकथाम करना है। सभी अच्छे और खराब कार्यों के नियमों और कानूनों की केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जाँच की जाती है, जो भारत में प्रदूषण की रोकथाम के लिए सरकारी निकाय है। सभी उद्योगों द्वारा पर्यावरण अनुकूल प्रौद्योगिकियों का सही तरीके से उपयोग किया जा रहा है या नहीं।

भोपाल गैस त्रासदी वर्ष 1984 में 2 और 3 दिसंबर की रात में शहर में स्थित यूनियन कार्बाइड के रासायनिक संयंत्र से जहरीला रसायन, जिसे मिथाइल आइसोसाइनेट के रूप में जाना जाता है, के साथ-साथ अन्य रसायनों के रिसाव के कारण हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, 5,00,000 से अधिक लोगों को एमआईसी की जहरीली गैस के रिसाव के कारण मृत्यु हो गयी थी, बाद में, मध्य प्रदेश सरकार द्वारा ये घोषित किया गया कि गैस त्रासदी से संबंधित लगभग 3,787 लोगों की मृत्यु हुई थी। अगले 72 घंटों में लगभग 8,000-10,000 के आसपास लोगों की मौत हुई, वहीं बाद में गैस त्रासदी से संबंधित बीमारियों के कारण लगभग 25000 लोगों की मौत हो गयी। ये पूरे विश्व में इतिहास की सबसे बड़ी औद्योगिक प्रदूषण आपदा के रूप में जाना गया। जानना जरूरी है कि गैस त्रासदी के कारक क्या हैं जैसे - कई छोटे ड्रमों में भंडारण के स्थान पर बड़े टैंक में मिथाइल आइसोसाइनेट का भंडारण। कम लोगों की जगह में अधिक खतरनाक रसायनों का प्रयोग। संयंत्र द्वारा 1980 के दशक में उत्पादन के रोके जाने के बाद गैस का खराब संरक्षण। पाइपलाइनों में खराब सामग्री की उपस्थिति। विभिन्न सुरक्षा प्रणालियों के द्वारा सही से काम न करना। ऑपरेशन के लिए संयंत्रों के स्थान पर हाथ से काम करने पर निर्भरता, विशेषज्ञ ऑपरेटरों की कमी के साथ ही आपदा प्रबंधन की योजना की कमी। सरकार द्वारा पूरी दुनिया में प्रदूषण को गंभीरता से नियंत्रित करने और रोकने के लिए बहुत से कानूनों की घोषणा की गई, परंतु वे काफी नहीं है '

प्राकृतिक संसाधन जैसे जल, वायु, भूमि या वन विभिन्न प्रकार के प्रदूषण द्वारा तेजी से प्रभावित हो रहे हैं, जिन्हें सही तरीके से नियमों और विनियमों को लागू करके तुरंत सुरक्षित करना बहुत जरूरी है।

जैसे - शहरी अपशिष्ट जल उपचार और पुनः उपयोग परियोजना। ठोस अपशिष्ट और उसके प्रबंधन का वैज्ञानिक उपचार। अपशिष्ट के उत्पादन को कम करना। सीवेज उपचार सुविधा। कचरे का पुनः उपयोग और अपशिष्ट से ऊर्जा उत्पादन। जैव-चिकित्सा अपशिष्ट उपचार सुविधा।

इलेक्ट्रॉनिक कचरे की उपचार सुविधा, जल आपूर्ति परियोजना। संसाधन रिकवरी परियोजना। ऊर्जा की बचत परियोजना। शहरी क्षेत्रों में खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन।

स्वच्छ विकास तंत्र पर परियोजनाएं, प्रदूषण रोकने के लिये नीति, नियमों के उचित कार्यान्वयन और प्रदूषण के सभी निवारक उपायों के साथ ही राज्य सरकार द्वारा कई अन्य प्रयास किये गए हैं। उद्योगों को सबसे पहले प्रदूषण को कम करने के लिए प्राधिकरण द्वारा लागू किये गये सभी नियमों और विनियमों का पालन करना होगा

भोपाल गैस त्रासदी को 40 साल बीत चुके हैं लेकिन बचे हुए लोग अभी भी प्रजनन संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं और तंत्रिका तंत्र की बीमारी का सामना कर रहे हैं। यह दिन हमें प्रदूषण के खिलाफ सख्त कदम उठाने की याद दिलाता है। यह भोपाल गैस त्रासदी की याद दिलाता है और प्रदूषण के बारे में जागरूकता बढ़ाता है। यह दिन पूरे देश में लोगों को विभिन्न प्रकार के प्रदूषणों के बारे में शिक्षित करके जागरूकता बढ़ाने और उद्योगों और कारखानों के लिए सुरक्षा उपायों के लिए सख्त नियमों और नियमों की जरूरतों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए समर्पित है।

(लेखक पत्रकार हैं )

# नशे का बढ़ता प्रचलन एवं घातक कारोबार - एक गंभीर अलार्म

ललित गर्ग

भारत में नशीले पदार्थों का बढ़ता प्रचलन एवं बढ़ता घातक कारोबार आज एक भयावह राष्ट्रीय संकट बन चुका है। आये दिन विभिन्न राज्यों में नशीले पदार्थों की बड़ी-बड़ी खेप बरामद होना इस संकट की भयावह तस्वीर उकेरता है। यह समस्या किसी एक राज्य या किसी सीमित क्षेत्र की नहीं रही, बल्कि हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल, दिल्ली, महाराष्ट्र सहित पूरे देश में यह अपने विकराल रूप में फैल चुकी है। विशेष रूप से किशोर और युवा पीढ़ी जिस तेजी से नशे की गिरफ्त में जा रही है, वह एक खतरनाक भविष्य की चेतावनी है। नशा आज केवल व्यक्तिगत बीमारी नहीं, बल्कि सामाजिक विनाश की प्रस्तावना बन चुका है। अंधेरी गलियों में भटकते युवा, परिवारों का टूटता संतुलन, अपराधों में वृद्धि और जीवन मूल्यों का क्षरण-ये सब नशे की महामारी के दुष्परिणाम हैं। अब वयस्क ही नहीं, किशोर भी नशे की चपेट में आ रहे हैं। फिर वे अपने नशे के लिए पैसा जुटाने के लिये अपराध की गलियों गुम होते जा रहे है, तरह-तरह के अपराध कर रहे हैं। हाल ही के कुछ गंभीर अपराधों का खुलासा होने पर किशोरों ने स्वीकार किया कि वे नशे हेतु पैसा जुटाने के लिए अपराध करने निकले थे। कमोबेश, ऐसा ही संकट नकली दवाइयों की आपूर्ति का भी है। पिछले दिनों देश के कई राज्यों में घातक कफ सिरप पीने से कई बच्चे अपनी जान गंवा बैठे। इस आसन्न संकट को महसूस करते हुए नकली दवाइयों और मादक पदार्थों पर अंकुश लगाने के लिए सात राज्यों के ड्रग्स कंट्रोलरों, पुलिस और सीआईडी अधिकारियों का एक महत्वपूर्ण सम्मेलन चंडीगढ़ में आयोजित किया गया, जिसका मकसद इन अधिकारियों को एक मंच पर लाकर कार्रवाई को अधिक कारगर बनाना था। यह स्वागत योग्य है कि देश में पहली बार सात राज्यों ने इस संकट को महसूस करते हुए इस दिशा में साझी पहल की। निश्चित ही यह सम्मेलन इस घातक एवं गंभीर होती समस्या के समाधान में रोशनी बनेगा।

नशीले पदार्थों व नकली दवाइयों का कारोबार मात्र एक राज्य की समस्या नहीं है, बल्कि इससे कई राष्ट्रीय मुद्दे भी जुड़े हैं। पंजाब व देश के समुद्री सीमा से जुड़े राज्यों में नशीले पदार्थों की जो बड़ी खेपें बरामद हुई हैं, उसने पूरे देश की चिंता बढ़ाई है। सवाल यह भी उठा है कि यदि नशीले पदार्थों की इतनी बड़ी मात्रा बरामद हुई है तो चोरी-छिपे कितनी बड़ी मात्रा में नशीला पदार्थ देश में पहुंच रहा होगा। पंजाब के सीमावर्ती जिलों में सीमा पार से ड्रोन के जरिये लगातार नशीले पदार्थ व हथियार भेजने के मामले प्रकाश में आए हैं। हाल के वर्षों में सामने आए आंकड़े बताते हैं कि ड्रग व्यापार अब किसी सीमित भौगोलिक दायरे तक सीमित नहीं रहा। पंजाब, जिसकी आबादी देश की कुल आबादी का मात्र ढाई प्रतिशत है, वहां से देश में बरामद होने वाली हेरोइन का लगभग आधा हिस्सा पकड़ा गया है। यह अकेला तथ्य बताने के लिए पर्याप्त है कि नशीले पदार्थों का नेटवर्क कितना गहरा, विस्तृत और संगठित हो चुका है। हरियाणा की सीमावर्ती जिलों में पिछले पाँच वर्षों के दौरान राज्य के कुल ड्रग मामलों का लगभग नब्बे प्रतिशत भाग सामने आया है, जो स्पष्ट संकेत देता है कि तस्करी का रास्ता राज्यों की सीमाओं से गुजर कर पूरे समाज में फैलता जा रहा है। इसी प्रकार राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण बताते हैं कि नशे की आदत अब केवल युवाओं तक सीमित नहीं, बल्कि लाखों बच्चे और किशोर और विशेषतः महिलाएं-युवतियां विभिन्न नशीली वस्तुओं के संपर्क में आ चुकी हैं। यह स्थिति सिर्फ चिंता का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्र की अगली पीढ़ी के भविष्य को लेकर गंभीर चेतावनी है। नशे की गिरफ्त में फंसकर बच्चे और युवा मानसिक, शारीरिक, सामाजिक और शैक्षणिक जीवन में बुरी तरह पिछड़ रहे हैं। परिवार टूट रहे हैं, आर्थिक स्थिति बिगड़ रही है, और अपराधों का ग्राफ निरंतर बढ़ता जा रहा है। नशे की वजह से चोरी, लूट, हिंसा, हत्या और यौन अपराध तक बढ़ते जा रहे हैं। समस्या का यह दूसरा पहलू भी उतना ही भयावह है कि नशे का व्यापार अब सामान्य चोरी-छिपे किए जाने वाला धंधा नहीं रहा, बल्कि विशाल और संगठित तस्करी-तंत्र में बदल चुका है। ड्रोन के माध्यम से ड्रग तस्करी, अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क, नकली दवाओं का उत्पादन, कफ सिरप व अन्य औषधियों के दुरुपयोग का व्यापक कारोबार-ये सभी संकेत हैं कि नशा भारत के सामाजिक ढांचे को दीमक की तरह खोखला कर रहा है। ड्रग माफिया, अपराधी गिरोह, भ्रष्ट तंत्र एवं पड़ोसी देश मिलकर एक ऐसी समानांतर व्यवस्था चला रहे हैं, जो कानून, नैतिकता और मानवीय जीवन के लिए बेहद खतरनाक है। चंडीगढ़ में आयोजित महत्वपूर्ण सम्मेलन में कई ऐसे तथ्य सामने आए, जिन्होंने सभी को हिला दिया। यह स्पष्ट रूप से महसूस किया गया कि अब नशे के खिलाफ लड़ाई किसी एक राज्य की जिम्मेदारी नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र की प्राथमिकता है। राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल, दिल्ली, महाराष्ट्र सहित कई राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी इस बात पर सहमत दिखे कि यदि अब भी सख्त और संगठित कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में हालात और भयावह हो सकते हैं। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि नशे का यह संकट भारत की सामाजिक संरचना, युवाशक्ति और राष्ट्रीय प्रगति को गहरी चोट पहुँचा रहा है।

इस अनियंत्रित होते भयावह संकट को रोकने के लिए सरकार, पुलिस, न्याय तंत्र, समाज और परिवार-सबको मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। सिर्फ कानून बनाकर और कभी-कभार छापामारी करके इस समस्या का समाधान संभव नहीं। सबसे पहले कानूनों को मजबूत करने और उनके कठोर क्रियान्वयन की आवश्यकता है। ड्रग तस्करी, नकली दवाइयों का निर्माण और अवैध वितरण के खिलाफ ऐसी दंडात्मक

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP,Run by Vananchal Media & Wefare Trust, behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI- 834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Email:vananchaleye@gmail.com

# धर्मेंद्र को याद कर भावुक हुए शत्रुघ्न

बॉलीवुड के महान अभिनेता धर्मेंद्र के निधन ने पूरी फिल्म इंडस्ट्री और देशभर के प्रशंसकों को गहरे शोक में डाल दिया है। उनके जाने के बाद साथी कलाकार लगातार भावनात्मक पोस्ट के जरिए उन्हें याद कर रहे हैं। इसी क्रम में दिग्गज अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा हाल ही में धर्मेंद्र के घर पहुंचे और उनके बेटों सनी देओल व बॉबी देओल से मुलाकात की। सिन्हा ने अपने एक्स अकाउंट पर कई थ्रोबैक तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि दिल्ली से लौटने के बाद वह भारी मन से धर्मेंद्र के घर पहुंचे। वहां सनी, बॉबी, उनकी पत्नी तान्या और पोते धरम व आर्यमन से मिलना बेहद भावुक अनुभव रहा। उन्होंने लिखा कि धर्मेंद्र न सिर्फ एक महान कलाकार थे, बल्कि अद्भुत इंसान थे, जिनकी यादें हमेशा जीवित रहेंगी। उन्होंने दिवंगत अभिनेता की आत्मा की शांति और परिवार के साहस के लिए प्रार्थना की। धर्मेंद्र और शत्रुघ्न सिन्हा की दोस्ती वर्षों पुरानी थी और दोनों ने 'दोस्त', 'कयामत', 'लोहा', 'आग ही आग' और 'गंगा तेरे देश में' जैसी कई हिट फिल्मों में साथ काम किया। धर्मेंद्र का जाना हिन्दी सिनेमा के लिए बड़ी क्षति है, जिसकी भरपाई संभव नहीं। उनके योगदान और उनकी सरलता को हमेशा याद किया जाएगा।

# धर्मेंद्र के घर पर आईसीयू जैसी व्यवस्था थी: मुकेश खन्ना

अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के घर पर आखिरी दिनों की स्थिति कैसी थी, इसे लेकर अब अभिनेता मुकेश खन्ना ने बड़ा खुलासा किया है। एक वीडियो में मुकेश खन्ना ने बताया कि उन्होंने हाल ही में धर्मेंद्र से मुलाकात की थी और उनके घर पर ही अस्पताल जैसा पूरा सेटअप तैयार किया गया था।

मुकेश खन्ना ने कहा कि हॉस्पिटल से वापस घर आने के बाद वह लगभग पांच-छह दिन पहले उनसे मिलने गए थे। उन्होंने बताया, 'घर पर आईसीयू जैसी व्यवस्था थी। मुझे पता था कि उनसे ठीक से बातचीत नहीं हो पाएगी, लेकिन जाना जरूरी लगा।' उन्होंने बताया कि उस दौरान वह सनी देओल और बॉबी देओल से भी मिले और उन्हें हिम्मत बंधाई। मुकेश कहते हैं, 'मैंने उनसे कहा, 'वह बहुत स्ट्रॉन्ग हैं, जल्दी ठीक हो जाएंगे।' लेकिन आखिर वही होता है जो ईश्वर को मंजूर होता है। लोग शॉक में थे, क्योंकि सबको लगा था कि इतनी मजबूत काया वाले धर्मेंद्र रिकवर हो जाएंगे। उनके शरीर ने साथ छोड़ दिया, लेकिन उनकी आत्मा बहुत अच्छी थी। सस्मरण रह जाते हैं, आत्मा चली जाती है।'

उन्होंने भावुक होकर कहा कि धर्मेंद ने एक शानदार जिंदगी जी और उनकी सादगी तथा विनम्रता ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी थी। अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने बताया कि वे धर्मेंद्र के साथ छह फिल्मों में काम कर चुके हैं, जिनमें 'तहलका' भी शामिल है। उन्होंने कहा कि आखिरी महीनों में भी धर्मेंद्र के चेहरे की सकारात्मकता और मुस्कान कभी कम नहीं हुई।

गौरतलब है कि धर्मेंद्र का 8 दिसंबर को जन्मदिन होता है और वे इस साल 90 साल के होने वाले थे। परिवार उनकी जन्मदिन की तैयारियां कर रहा था, लेकिन अक्टूबर से उनकी तबीयत बिगड़ने लगी और नवंबर में उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया। 24 नवंबर को उनका निधन हो गया।

# भावनाओं तक पहुंच पाना कलाकारों के अस्तित्व के लिए विकल्प नहीं, ज़रूरत है : कुब्रा सैत

बॉलीवुड अभिनेत्री कुब्रा सैत का कहना है कि यदि कलाकार अपनी भावनाओं तक पहुंचने के लिए तैयार नहीं हैं, तो वे कलाकार बन ही नहीं सकते है। कुब्रा सैत हमेशा उस अंदरूनी दुनिया के बारे में बेबाकी से बात करती हैं, जो उनके अभिनय को आकार देती है। अपनी परफॉर्मेंसेज़ और जटिल किरदारों में पूरा ढल जाने की क्षमता के लिए जानी जाने वाली कुब्रा अक्सर उस भावनात्मक अनुशासन पर बात करती हैं, जिसकी मांग एक्टिंग करती है। इस व्यक्तिगत अनुभव में, वह उस पल को याद करती हैं जब उन्होंने सच में समझा कि अपनी जिम्मेदारी के साथ, साहस के साथ, और पूरी सजगता के साथ भावनाओं तक पहुँचना क्या होता है। उनके सफर की शुरुआत में मिली यह सीख आज भी यह उन्हें स्क्रीन के साथ जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। कुब्रा सैत ने इस सिलसिले में अपनी बात रखते हुए कहा, फ्एक कलाकार के तौर पर मैंने सीखा कि यदि आप अपनी भावनाओं तक पहुँचने के लिए तैयार नहीं हैं, तो आप कलाकार बन ही नहीं सकते। हालांकि यह भी हो सकता है कि उन भावनाओं तक पहुंचने के लिए जो रास्ता आप अपनाते हैं, वह बहुत खतरनाक हो, लेकिन आपको आगे बढ़ना ही होगा। मुझे याद है, मैंने यह बात अपने एक निर्देशक अनुराग कश्यप से सीखी। पहली बार मुझे कैमरे पर रोना था, और मुझे नहीं पता था कि मैं ये कैसे करूंगी। यह डर मेरे दिमाग में घर कर चुका था, तभी उन्होंने मेरी तरफ देखा और कहा, 'हम यहाँ बैठेंगे, लाइनें पढ़ेंगे और बस खुद के साथ रहेंगे। हम तुम्हारे अंदर की उस खिड़की को खोलेंगे, जिससे भावनाएँ भीतर आ सकें। और आज रात जाने से पहले हम उस खिड़की को फिर बंद भी करेंगे।' यह बात मेरे भीतर बस गई।'

कुब्रा सैत ने कहा, 'हम सभी के भीतर वह खिड़की होती है, जो हमारी भावनाओं की दुनिया तक पहुँचने का एक रास्ता होती है। उसे खोलने और बंद करने की क्षमता ही हमें संतुलित रखती है और हमें जादा रखती है। हालांकि अभिनय के बाहर, असल जादिगी में, दुनिया हमेशा इतनी माइंडफुल नहीं होती इसलिए कभी-कभी खिड़की की बजाय पूरी बाँध खुल जाती है और हमारी भावनाएँ हम पर हावी हो जाती हैं। आज की भागदौड़ भरी दुनिया में हम अक्सर अपने ही विचारों और अपने ही एक्सप्रेशंस में उलझ जाते हैं और हर चीज़ को 'ट्रिगर' कहने लगते हैं, जबकि कई बार हम बस चिढ़े हुए या परेशान होते हैं। यही ट्रिगर हमें हमारे अतीत में खींच ले जाता है, लेकिन चिढ़ और परेशानी वर्तमान की होती है। इस फर्क को समझते हुए मैंने अपने भीतर की उस खिड़की को पहचाना और इसीने मुझे एक एक्टर के तौर पर बचाया, एक इंसान के तौर पर मुझे ज़मीन से जोड़े रखा।'

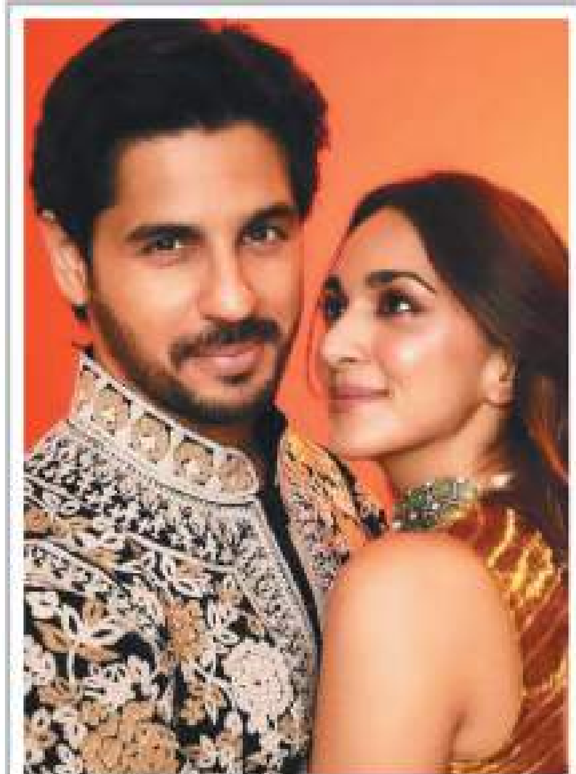

# बेटी का नाम उजागर कर भावुक हुए कियारा-सिद्धार्थ

हाल ही में बॉलीवुड के हॉट कपल कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा अपने नन्ही परी का नाम उजागर करते हुए भावुक होते नजर आए। इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'हमारी दुआओं से निकलकर हमारी बाहों में आने वालीज्हमारा आशीर्वाद, हमारी नन्ही राजकुमारी सरायाह मल्होत्रा।'

यह पोस्ट आते ही सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगी और फैंस व सेलेब्स ने कमेंट कर ढेर सारा प्यार और आशीर्वाद दिया। सरायाह नाम का अर्थ भी उतना ही खूबसूरत है, जितना इसका उच्चारण। दुनिया भर की कई संस्कृतियों में यह नाम अलग-अलग अर्थों में लिया जाता है, लेकिन सबसे लोकप्रिय अर्थ हिब्रू भाषा से आता है, जहां सरायाह का मतलब होता है ईश्वर का मार्गदर्शन या ईश्वर का शासन। इसका संकेत है उन बच्चों से, जिन पर भगवान की विशेष कृपा बनी रहती है और जो अपने जीवन में एक सकारात्मक दिशा लेकर चलते हैं। माता-पिता के मुताबिक यह नाम उनके लिए सिर्फ एक पहचान नहीं बल्कि एक भावनात्मक आशीर्वाद है। कियारा और सिद्धार्थ के इस पोस्ट पर लाखों लाइक्स और अनगिनत कमेंट्स आए। लोग बेटी के नाम की खूब तारीफ कर रहे हैं और उन्हें ढेरों शुभकामनाएं दे रहे हैं। एक फैन ने लिखा, 'क्या प्यारा नाम चुना है, भगवान सरायाह को हमेशा खुश रखें।' वहीं कई लोगों ने यह लिखा कि नाम सुनते ही उनकी आंखें भर आईं और दिल खुश हो गया। बता दें कि कियारा और सिद्धार्थ ने अपने पैरेंट्स बनने की खुशखबरी 15 जुलाई को साझा की थी। उस समय उन्होंने लिखा था, 'हमारा दिल खुशी से झूम रहा है। हमारी दुनिया हमेशा के लिए बदल गई है। हमें बेटी के मां-बाप होने का आशीर्वाद मिला है।' यह पोस्ट भी उस समय सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था, जिससे उनके फैंस बेहद खुश हुए थे। कियारा और सिद्धार्थ की शादी 7 फरवरी 2023 को राजस्थान के भव्य सूर्यगढ़ पैलेस में हुई थी। कई दिनों तक चलने वाले इस सेलिब्रेशन में उनके करीबी दोस्त, परिवार और कई बॉलीवुड सितारे शामिल हुए थे। बता दें कि बॉलीवुड की लोकप्रिय जोड़ी कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने अपनी बेटी को लंबे इंतजार के दुनिया से परिचित कराया, हालांकि उन्होंने तस्वीर में बेटी का चेहरा नहीं दिखाया।

# इंडस्ट्री में लंबा टिकना है तो लुक्स नहीं, अभिनय पर काम करो: शाहिद कपूर

अभिनेता शाहिद कपूर ने 15वें इंडियन फिल्म प्रोजेक्ट (आईएफपी) समारोह में शिरकत की। समारोह में बातचीत के दौरान अभिनेता ने अपनी जिंदगी के कई अनसुने पहलू और मनपसंद गानों के बारे में बात की। समारोह में मौजूद लोगों ने जब शाहिद से उनके मनपसंद गाने के बारे में पूछा, तो उन्होंने बताया कि अब तक का उनका पसंदीदा गाना फिल्म 'हैदर' का गाना 'बिस्मिल्ला' है। उन्होंने इस गाने के बारे में बताते हुए कहा कि ये गाना फिल्म की खूबसूरती से जुड़ा है, जिसे करके उन्हें बहुत अच्छा लगा। इसके बाद उन्होंने डांसिंग सॉन्ग के बारे में कहा, 'मुझे डांसिंग सॉन्ग में 'मौजा ही मौजा,' 'नगाड़ा,' 'डटिंग नाच,' 'साड़ी के फॉल सा,' और 'तेरी बातों में उलझा जिया' समेत कई गाने पसंद हैं। असल में मुझे डांस करना बहुत अच्छा लगता है, लेकिन काफी समय से मैंने डांस नहीं किया है। मेरे कई सारे कोरियोग्राफर दोस्त हैं, जो कि कहते हैं अब डांस क्यों नहीं करता है, और मैं उनसे मजाक में कहता हू, तुम्हें आता है तो तुम कर लो!' अभिनेता ने आगे कहा कि आप हर किरदार में डांस नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'किरदार के हिसाब से काम करना जरूरी है। अब किसी डॉक्टर का किरदार है तो वो डांस क्यों ही करेगा? हालांकि कई डॉक्टर बहुत अच्छा डांस करते हैं।' शाहिद काफी लंबे समय से मनोरंजन जगत में काम कर रहे हैं और ज्यादातर प्रशंसक उन्हें उनके चार्मिंग लुक के लिए पसंद करते हैं। लुक्स को लेकर अभिनेता ने कहा, 'अगर इस इंडस्ट्री में लंबे समय तक दिखना है, तो आपको अपने अभिनय पर काम करना होगा, क्योंकि लुक्स, चार्म और स्टाइल से शुरुआती दिनों में काम चल सकता है, लेकिन आगे तक चलना है, तो अपने काम पर ध्यान दो। जब आप ईमानदारी से अपने किरदार में डूबते हैं तो आप अपने अंदर झांकते हैं और दबी हुई भावनाओं को बाहर निकालते हैं, तभी असली संतुष्टि मिलती है।' अभिनेता ने बताया कि ये बहुत संवेदनशील व्यक्ति हैं। उन्होंने कहा, 'मैं हर बात को गहराई से सोचता हू। असल जिंदगी में भी हम अपने भाव छुपाते हैं, लेकिन अभिनय मेरे लिए वो रास्ता है, जहां पर मैं पूरी तरह से अपने अंदर की भावनाओं को खोलकर रख देता हू।'

# बंधिश बैंडिट्स सीज़न टू को बेस्ट वेब सीरीज पुरस्कार

56वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में प्राइम वीडियो ने अपनी लोकप्रिय हिंदी और तमिल वेब सीरीज के साथ धमाकेदार उपस्थिति दर्ज कराई। महोत्सव में आयोजित बेस्ट वेब सीरीज (ओटीटी) श्रेणी में बंधिश बैंडिट्स सीज़न टू को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार मिला। इस श्रेणी में प्राइम वीडियो की अन्य ओरिजिनल सीरीज जैसे पाताल लोक सीज़न टू और तमिल सीरीज सुड़ल-द वर्टेक्स सीज़न टू भी नामांकित थीं। यह पुरस्कार प्राइम वीडियो के लिए दूसरी बार हासिल किया गया सम्मान है; इससे पहले 2023 में पंचायत सीज़न टू को इसी श्रेणी में पुरस्कार मिला था। इस जीत ने भारत के तेजी से बढ़ते स्ट्रीमिंग इकोसिस्टम में प्राइम वीडियो की उत्कृष्टता को और मजबूत किया। पुरस्कार संजय जाजू, सूचना और प्रसारण मंत्रालय और डॉ. एल. मुरुगन, राज्य मंत्री, सूचना और प्रसारण द्वारा प्रदान किया गया। जूरी का नेतृत्व प्रसिद्ध फिल्म निर्माता भरतबाला गणपथी ने किया, जिसमें निर्माता, निर्देशक और अभिनेता शामिल थे। अमृतपाल सिंह बिंद्रा और आनंद तिवारी द्वारा निर्देशित और लिखा गया यह सीजन, संगीत, अभिव्यक्ति, प्रतियोगिता और प्रेम के जरिए व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा और विरासत की कहानी प्रस्तुत करता है।

# ओटीटी ने दिया नए किरदारों का बड़ा मौका : मोना सिंह

छोटे परदे की मशहूर अभिनेत्री मोना सिंह आजकल ओटीटी जगत में खूब चमक रही हैं। खास बात यह है कि मोना, जिन्होंने अपने करियर की शुरुआत टीवी से की थी, अब छोटे पर्दे से पूरी तरह दूरी बना चुकी हैं। उनका कहना है कि उन्होंने सोच-समझकर यह फैसला लिया है और अब वह टीवी पर वापसी के लिए तैयार नहीं हैं। मोना का मानना है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म ने न सिर्फ कलाकारों, बल्कि दर्शकों के लिए भी नए रास्ते खोले हैं। उनके शब्दों में, 'जिस तरह की कहानियां आज ओटीटी पर दिखाई जा रही हैं, वो टीवी पर संभव ही नहीं है। टीवी पर बहुत सेंसरशिप और रेस्ट्रिक्शन होते हैं, जिसके कारण एक्टर के रूप में कॉम्प्लेक्स और चैलेंजिंग किरदार निभाने का मौका नहीं मिलता।' वह मानती हैं कि ओटीटी प्लेटफॉर्म ने एक्टर्स, राइटर्स और क्रिएटर्स को वह स्पेस दिया है जिसकी हमेशा से जरूरत थी। मोना ने यह भी बताया कि ओटीटी प्रोजेक्ट्स का वर्किंग स्ट्रक्चर काफी बेहतर है।' तीन महीने में एक वेब शो करके आप ब्रेक ले सकते हैं और फिर ताजगी के साथ नए किरदार की तैयारी कर सकते हैं। यह मेरे लिए बेस्ट बैलेंस है। टीवी पर टाइमलाइन्स बहुत क्रेजी होती हैं, खासकर जब शो रोज प्रसारित होते हैं।

पहले सोमवार से गुरुवार तक एपिसोड आते थे, लेकिन अब पूरे हफ्ते। ऐसे में पता नहीं चलता कि पर्सनल लाइफ बचती भी है या नहीं,' मोना ने हंसते हुए कहा। टीवी को अलविदा कहने के अपने फैसले पर मोना काफी स्पष्ट हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने टीवी से पूरी इज्जत के साथ विदा ली है। वहां मेरे लिए अब कुछ नया बचा ही नहीं है। मैंने सब कुछ कर लिया डेली सोप, रिएलिटी शो, होस्टिंग। मुझे जिन तरह के रोल चाहिए थे, उनके लिए मैंने लंबे समय तक इंतजार किया और अब वही मिल रहा है।' उन्होंने आगे बताया कि अगले साल उनकी तीन फिल्में रिलीज होने वाली हैं और वह फिल्मों और ओटीटी के बीच संतुलन बनाकर बहुत खुश हैं।

# दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत के बाद केएल राहुल ने 'रो-को' की जोड़ी को सराहा, हर्षित राणा पर जताया भरोसा

रांची (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका पर अपनी टीम की कड़ी जीत के बाद, भारतीय कप्तान केएल राहुल ने स्वीकार किया कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों को इतनी स्वतंत्रता के साथ क्रिकेट खेलते देखना मजेदार था और उन्होंने नई गेंद से तेज गेंदबाज हर्षित राणा के प्रदर्शन की भी सराहना की और उन्हें विशेष और संभावनाओं से भरपूर कहा। 'रो-को' का जश्न सिडनी में जहां से रुका था, वहीं से जारी रहा और रांची के दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिसमें विराट ने अपना 52वां वनडे शतक बनाया और रोहित ने सर्वाधिक वनडे छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ा।

हर्षित राणा के नई गेंद के तेज स्पैल के बावजूद, प्रोटियाज टीम मैथ्यू ब्रीट्ज़के, मार्को जेनसन और कॉर्बिन बॉश के अर्धशतकों की बदौलत 11/3 के खराब स्कोर से खेल में वापसी करने में सफल रही, लेकिन कुलदीप यादव के चौके की बदौलत वे जीत से 17 रन दूर रह गए। मैच के बाद बोलते हुए, केएल ने स्वीकार किया कि 350 रनों के इतने तनावपूर्ण बचाव के दौरान उनके पेट में कुछ घबराहट हो रही थी। उन्होंने कहा कि अगर मैं कहूं कि बिल्कुल भी घबराहट नहीं हुई (दक्षिण अफ्रीका द्वारा पीछा किए जाने के दौरान कोई घबराहट?) तो मैं झूठ बोलूंगा। कुछ समय बाद एकदिवसीय क्रिकेट खेलना और फिर से देश की कप्तानी करना - खुद से एक उम्मीद है। पूरे समय शांति का माहौल था, लेकिन उन्होंने हमें दबाव में रखा और लगातार कड़ी मेहनत करते रहे - यह रोमांचक था।

रोहित और विराट के बारे में बोलते हुए, उन्होंने कहा, -उन्हें (कोहली और रोहित) इस तरह खेलते हुए, उस आज़ादी के साथ खेलते हुए देखना हमेशा मज़ेदार होता है, उन्होंने अपने पूरे करियर में यही किया है। मैं यह लंबे समय से देख रहा हूं। मेरे लिए, ड्रेसिंग रूम में उनका साथ बहुत मज़ेदार है। हर्षित के बारे में, राहुल ने कहा कि उनकी लंबाई और रन बनाने की क्षमता के कारण टीम उन्हें ढूंढ रही थी, और वह अभी भी विकास कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हर्षित ने वाकई बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। ड्रेसिंग रूम में आते ही मुझे पता चल गया था कि वह खास है। वह ऐसा खिलाड़ी है जिसकी टीम को तलाश थी। वह अभी भी विकास कर रहा है, लेकिन उसमें काफी क्षमता है। केएल ने छठे नंबर पर बल्लेबाज़ के रूप में अपनी नई भूमिका को अपने 'व्यक्तिगत विकास' के लिए अच्छा बताया। उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि खेल के बारे में सोचते रहो और बेहतर होने की कोशिश करते रहो।

इस मैच में, दक्षिण अफ्रीका ने भारत को पहले बल्लेबाज़ी के लिए आमंत्रित किया।

यशस्वी जायसवाल 16 गेंदों में 18 रन बनाकर शानदार शुरुआत के बाद आउट हो गए, जबकि रोहित (51 गेंदों में 57 रन, पांच चौकों और तीन छक्कों की मदद से) और विराट ने दूसरे विकेट के लिए 136 रनों की साझेदारी करके रांची के दर्शकों का मन मोह लिया। मध्यक्रम में भारत की लय बिगड़ गई, रोहित, रुतुराज गायकवाड़ (8) और वाशिंगटन सुंदर (13) जल्दी-जल्दी आउट हो गए और भारत का स्कोर 200/4 हो गया।

## रोहित की शाहिद अफरीदी से तुलना नहीं की जा सकती : अतुल वासन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर अतुल वासन ने कहा है कि रोहित शर्मा और शाहिद अफरीदी की तुलना नहीं की जा सकती है। रोहित ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय मैच में तीन छक्के लगाते ही अफरीदी के सबसे अधिक छक्कों का रिकार्ड तोड़ दिया था। रोहित ने इस मैच में 51 गेंदों पर 5 चौकों के साथ ही 3 छक्के लगाकर 57 रन बनाये थे। वहीं रोहित के छक्कों के इस रिकॉर्ड की तुलना अफरीदी से किये जाने पर इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि यह तो सेब की तुलना संतरे से करने जैसा है। रोहित 352 छक्के 269 पारियों में लगाये जबकि शाहिद अफरीदी ने 351 छक्के 369 पारियों में लगाये थे। ये रोहित की तुलना में 100 पारियां ज्यादा है।

वासन ने कहा कि रोहित के रिकॉर्ड की तुलना अफरीदी से करना सही नहीं है, क्योंकि रोहित ने इसे सलामी बल्लेबाज के तौर पर 100 पारियां कम खेलकर हासिल कर लिया। इससे उनका प्रभाव पता चलता है। वहीं अफरीदी की भूमिका बाद में आकर फिनिश करना और स्लॉग करना था। लेकिन एक ओपनर के तौर पर, 100 कम पारियों को खेलकर इतना बड़ा रिकॉर्ड बनाना, यह दिखाता है कि उन्होंने भारतीय टीम के लिए कितना प्रभाव किया बताया है।

रोहित की बड़े शॉट मारने और एक सलामी बल्लेबाज के तौर पर मजबूत स्ट्राइक रेट बनाए रखने की क्षमता उनकी सफलता और भारत की जीत पर उनके सकारात्मक प्रभाव को दिखाती है। वासन ने कहा की रोहित ने पारी की तेजी से शुरुआत करते हुए भारतीय टीम की जीत के लिए आधार बनाया है।

## बीसीसीआई के बाद विराट ने भी संन्यास से वापसी की अटकलों को खारिज किया

**-एक ही प्रारुप खेलूंगा**

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा है कि वह अब केवल एकदिवसीय प्रारुप ही खेलेंगे और टेस्ट में वापसी करने का उनका कोई इरादा नहीं है। इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी विराट के एक फिर टेस्ट खेलने की संभावनाओं को गलत बताया था। भारतीय टीम की दक्षिणअफ्रीका से के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 0-2 से करारी हार को देखते हुए ये अटकलें लगायी जा रही थीं कि विराट संन्यास से वापसी कर सकते हैं। ये भी कहा जा रहा था कि बीसीसीआई कोहली से उनके टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के फैसले को बदलने के लिए भी बात करने की योजना बना रहा था। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, विराट के संन्यास से वापसी की बातें केवल एक अफवाह है। इस बारे में कोहली से कोई बातचीत नहीं हुई है। आधारहीन बातें को न फैलाएं ऐसा कुछ नहीं हुआ है। विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के पहले ही मैच में शानदार शतक लगाया इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड दिया गया। वहीं तक विराट से जब पूछा गया कि वह आगे भी क्या सिर्फ एक ही प्रारुप में खेलते नजर आएंगे? तो इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'हां, हमेशा ऐसा ही होगा। मैं तो बस एकदिवसीय ही खेलूंगा।'

ऐसे में देखना होगा कि टीम प्रबंधन एकदिवसीय विश्वकप 2027 को लेकर क्या योजना बनाता है। अब तक के अनुमानों से दिख रहा है कि प्रबंधन रोहित और विराट को अगले विश्व कप के लिए टीम का हिस्सा नहीं मानता है। कोहली और ने इस साल इंग्लैंड दौरे से पहले ही टेस्ट से संन्यास ले लिया था।

# गावस्कर ने विराट को एकदिवसीय का महानतम बल्लेबाज बताया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें अब तक का सबसे महान एकदिवसीय क्रिकेटर करार दिया है। उन्होंने कहा कि विराट के 52 शतक बताते हैं कि वह एकदिवसीय प्रारुप में कितने बेहतरीन खिलाड़ी हैं। विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में 135 रनों की पारी खेलने के साथ ही इस प्रारुप में सबसे अधिक शतक का रिकार्ड भी अपने नाम किया है।

गावस्कर ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई संदेह नहीं है। मेरा मतलब है कि यह केवल मैं नहीं सोचता हूं। मुझे लगता है कि जो लोग विराट के साथ और उनके खिलाफ खेले हैं वे सभी इस बात को जानते हैं कि वह एकदिवीय प्रारुप का सबसे महान खिलाड़ी है।' उन्होंने कहा, विराट ने 52 शतक बनाए हैं। ये आंकड़ा उसे बहुत ऊपर ले जाता है।' यहां तक कि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज रिकी पोंटिंग भी कोहली की क्षमताओं का लोहा मानते हैं।

गावस्कर ने कहा, 'पोंटिंग ने कहा है उन्होंने जिन बल्लेबाजों को देखा है उनमें कोहली एकदिवसीय क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ हैं। मेरा मतलब है कि जब कोई ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कहता है कि कोहली सबसे अच्छे हैं तो मुझे नहीं लगता कि तब इसमें किसी को कोई संदेह होना चाहिये। हर कोई इस बात से सहमत होगा कि किसी ऑस्ट्रेलियाई से तारीफ काफी कम मिलती है।' गावस्कर ने कहा कि सचिन तेंदुलकर के 51 एकदिवसीय शतक के रिकॉर्ड को पार कर विराट ने अपने को साबित कर दिया है। उन्होंने कहा, 'आप अब तक सचिन 51 शतक के साथ शीर्ष पर थे पर जब आप महान सचिन जैसे महान खिलाड़ी को पीछे छोड़ देते हैं तो आपको पता चलता है कि आप कहां खड़े हैं।'

गावस्कर ने दक्षिण अफ्रीका के कोच शुक्री कॉनराड की भारतीय टीम को घुटने पर लाने वाली टिप्पणी की आलोचना की है। उन्होंने कहा, 'यह एक गलत सलाह वाली टिप्पणी हो सकती है।गलत समय, गलत जगह। मुझे उम्मीद है कि अगली बार मीडिया से बात करते हुए वह ध्यान रखेंगे हालांकि मुझे नहीं लगता कि उन्हें माफी मांगने की जरूरत है। मैं निजी तौर पर माफी में विश्वास नहीं रखता।' गावस्कर ने कहा, 'पर अपनी गलती को स्वीकार करना चाहिये। ऐसी चीजें होती ही रहती हैं। जोश में आकर आप कभी-कभी कुछ ऐसा कह देते हैं।'

## उनादकट मुश्ताक अली टूर्नामेंट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले खिलाड़ी बने

अहमदाबाद। सौराष्ट्र के कप्तान जयदेव उनादकट ने दिल्ली के खिलाफ हुए सैयद मुश्ताक अली क्रिकेट टूर्नामेंट के मैच में एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। उनादकट इस मैच में दिल्ली के कप्तान नितीश राणा का विकेट लेते ही मुश्ताक अली ट्रॉफी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गये। उनादकट के नाम अब 121 विकेट हो गये हैं और उन्होंने पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज सिद्धार्थ कौल 120 विकेट को पीछे छोड़ दिया है। सिद्धार्थ ने 12 साल में 87 मैच खेलकर 120 विकेट लिए थे। वहीं, उनादकट ने अपने 83वें मैच में ही ये रिकॉर्ड तोड़ दिया। अब उनके नाम 121 विकेट हो चुके हैं। गौरतलब है कि इस टूर्नामेंट के इतिहास में अब तक 100 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की संख्या केवल छह है। उनादकट और कौल के अलावा सूची में पियूष चावला 113 विकेट, लुकमान मेरिवाला 108 विकेट, वामा मिलिंद 107 विकेट, आकाश चौधरी 102 विकेट हैं। मैच की बात करें तो दिल्ली ने चार विकेट पर 207 रन बनाये। इसी बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए सौराष्ट्र 198 रन ही बना पायी और उसे हार का सामना करना पड़ा।

## विराट, रोहित के भविष्य पर अभी बात करने की जरुरत नहीं : कोटक

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा है कि बल्लेबाज रोहत शर्मा और विराट कोहली अभी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और इनके भविष्य के बारे में अभी बात करने की कोई जरुरत नहीं है। विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय मैच में 135 जबकि रोहित ने 57 रन बनाये थे। हाल के समय में इन दोनों के ही करियर और 2027 एकदिवसीय विश्वकप में खेलने को लेकर आशंकाएं जाहिर की जाती रही हैं। माना जा रहा है कि ये दोनो ही विश्वकप के लिए टीम की योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं। वहीं कोटक ने इसी को लेकर कहा, 'मुझे नहीं पता कि हमें इन सब चीजों पर ध्यान देने की जरुरत क्यों है। विराट वाकई शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि उनके भविष्य को लेकर कोई बात करनी चाहिए। जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहे हैं, वह कमाल है। जिस तरह से वह प्रदर्शन कर रहे हैं, अपनी फिटनेस बनाए रखते हैं, किसी भी चीज पर कोई सवाल नहीं उठता।' कोटक ने साथ ही कहा, 'पहले एकदिवसीय में उनकी पारी शानदार थी। उन्होंने सिर्फ एकदिवसीय बल्कि सभी प्रारुपों में अच्छा प्रदर्शन किया है। यह उनका 52वां एकदिवसीय शतक था, वह वाकई शानदार खिलाड़ी हैं, उन्होंने जिम्मेदारी ली और जिस तरह से बल्लेबाजी की, वह बहुत अच्छा था।' कोहली ने मैच के बाद कहा, 'मैंने 300 से ज्यादा एकदिवसीय मैच खेले हैं और पिछले 15-16 सालों में काफी क्रिकेट खेली है। जैसा कि मैंने कहा, अगर आप खेल के संपर्क में हैं और जब आप प्रैक्टिस में गेंदें मार रहे हैं, आपके रिफ्लेक्सेस हैं, आपकी शारीरिक क्षमता है लंबी बल्लेबाजी करने की।' वहीं रोहित ने भी पहले ही मैच में जबरदस्त शुरुआत दी।

## एफआईएच जूनियर विश्व कप : स्विट्ज़रलैंड के खिलाफ कमजोरियां दूर करना चाहेगा भारत

मदुरै (एजेंसी)। भारतीय टीम बेहतरीन फार्म में चल रही है लेकिन अभी तक उसे असली चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा है और ऐसे में वह मंगलवार को यहां एफआईएच जूनियर पुरुष विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट के नाकआउट चरण से पहले अपने अंतिम ग्रुप लीग मुकाबले में स्विट्ज़रलैंड के खिलाफ जीत की लय जारी रखने और अपने कमजोर पक्षों को दूर करने की कोशिश करेगी।

भारत और स्विट्ज़रलैंड दोनों ही पूल बी में दो-दो मैच जीतकर अजेय हैं, लेकिन भारतीय टीम बेहतर गोल अंतर के आधार पर तालिका में शीर्ष पर है। चेन्नई में पहले दो मैच में भारतीय टीम ने गोल की बरसात करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उसने पहले मैच में चिली को 7-0 से और फिर ओमान को 17-0 से हराया। दूसरी ओर स्विट्ज़रलैंड ने ओमान को 4-0 से हराया और फिर चिली पर 3-2 से जीत हासिल की।

भारतीय टीम से उम्मीद की जा रही है कि वह अपना विजय अभियान जारी रखकर नॉकआउट से पहले बड़ी जीत हासिल करने की कोशिश करेगी। लेकिन नॉकआउट चरण से पहले भारत के लिए कुछ चिंताएं बनी हुई हैं। पहले दो मैचों में भारतीय रक्षापंक्ति की ज्यादा परीक्षा नहीं हुई क्योंकि गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह और बिक्रमजीत सिंह को किसी तरह की खास चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा।

कप्तान रोहित की अगुवाई में रक्षापंक्ति को भी टूर्नामेंट के अंतिम चरण में अधिक सक्रिय रहना चाहेगी। भारत के लिए चिंता का एक अन्य क्षेत्र पेनल्टी कॉर्नर पर गोल नहीं कर पाना है। टीम के मुख्य ड्रैगफ्लिकर कप्तान रोहित को अपने खेल में सुधार करना होगा। ऐसा नहीं है कि भारत ने पेनल्टी कॉर्नर से गोल नहीं किए, लेकिन अधिकतर गोल डिफ्लेक्शन और रिबाउंड से किए गए।

पहले दो मैचों में भारत के प्रदर्शन के लिए सबसे उत्साहजनक पहलू उसकी मध्य पंक्ति और अग्रिम पंक्ति का प्रदर्शन रहा। दिलराज सिंह अभी तक छह गोल करके टूर्नामेंट के संयुक्त रूप से शीर्ष स्कोरर हैं। उन्होंने ओमान के खिलाफ हैट्रिक भी लगाई थी जबकि अर्शदीप सिंह ने भी पिछले मैच में तीन गोल किए थे। मनमीत सिंह, अजीत यादव और इंग्लेम्बा लुवांग थोनाओजम जैसे खिलाड़ी भी गोल करने वालों में शामिल हैं। स्विट्ज़रलैंड के खिलाफ मैच मदुरै में भारत का एकमात्र मैच है। इसके बाद वह अपने बाकी मैच खेलने के लिए चेन्नई लौटेगा।

यह देखना अभी बाकी है कि भारतीय खिलाड़ी यहां की परिस्थितियों के साथ किस तरह तालमेल बिठा पाते हैं। भारत के सहायक कोच बीरेंद्र लाकड़ा इसको लेकर ज्यादा परेशान नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से मैदान बदलेगा, लेकिन मौसम की स्थिति वही रहेगी। हमें अभ्यास और सामंजस्य बिठाने के लिए दो दिन का समय भी मिला है। स्विट्ज़रलैंड एक अच्छी टीम है। उसने अपने दो मैच भी जीते हैं, इसलिए यह मुकाबला आसान नहीं होगा। लेकिन हम उनके खेल का विश्लेषण करेंगे और उसी तरह से अपनी रणनीति बनाएंगे।'

मंगलवार को अन्य मैचों में स्पेन का मुकाबला नामीबिया से (मदुरै में), बेल्जियम का मिस्र से (मदुरै में), चिली का ओमान से (चेन्नई में), नीदरलैंड का ऑस्ट्रिया से (मदुरै में), फ्रांस का बांग्लादेश से (चेन्नई में), इंग्लैंड का मलेशिया से (मदुरै में) और ऑस्ट्रेलिया का कोरिया से (चेन्नई में) होगा।

## बीसीसीआई ने बुधवार को बुलायी अहम बैठक , गंभीर और अगरकर सहित प्रबंधन को बुलाया गया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट नियंत्रण (बीसीसीआई) ने बुधवार को रायपुर में एक बैठक बुलाई है। इसमें टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर सहित टीम प्रबंधन को बुलाया गया है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार बैठक में बोर्ड गंभीर और अगरकर से टेस्ट क्रिकेट की रणनीति, टीम चयन और प्रबंधन के सीनियर खिलाड़ियों के साथ संबंधों को लेकर जवाब मांगेगा। बैठक में रोहित शर्मा, विराट कोहली जैसे सीनियर खिलाड़ियों के साथ टीम मैनेजमेंट के रवैये और संवाद पर भी सफाई मांगी जाएगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक बैठक में बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया, संयुक्त सचिव प्रभतेज सिंह भाटिया, हेड कोच गौतम गंभीर और राष्ट्रीय चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर शामिल होंगे। अभी यह साफ नहीं है कि बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास बैठक में शामिल होंगे या नहीं। बीसीसीआई के एक बड़े अधिकारी के मुताबिक बैठक का उद्देश्य चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन ट के बीच सामंजस्य बनाना है। चयन में निरंतरता और टीम के प्रदर्शन को बेहतर बनाना है। अधिकारी ने स्वीकार किया कि टेस्ट फॉर्मेट में हाल में हुई चीजों से बोर्ड चिंतित है। उन्होंने कहा, हैम टेस्ट सीजन के दौरान मैदान और मैदान से बाहर की रणनीतियों पर संशय देखा गया। हम स्पष्टता और फॉरवर्ड प्लानिंग चाहते हैं, खासकर तब जब अगला टेस्ट सीरीज 8 महीने बाद है। बैठक में चर्चा सिर्फ टेस्ट क्रिकेट से जुड़े मसलों पर नहीं होगी। अधिकार ने माना कि मौजूदा टीम मैनेजमेंट जिस तरह से सीमित ओवरों के सीनियर खिलाड़ियों के साथ पेश आ रही है, उससे बेचैनी बढ़ी है।

# रोहित-कोहली की चमक में फीका पड़ा कुलदीप यादव का विश्व रिकॉर्ड, शेन वार्न को पीछे छोड़ा

रांची (एजेंसी)। रांची में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज की शानदार शुरुआत की, जहां विराट कोहली की ऐतिहासिक सेंचुरी और रोहित शर्मा की दमदार अर्धशतकीय पारी ने सुर्खियां बटोरीं। लेकिन रोहित-कोहली की चमक के बीच टीम इंडिया के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव के विश्व रिकॉर्ड पर किसी का ध्यान नहीं गया। रांची में खेले गए पहले मुकाबले में कुलदीप ने न सिर्फ 4 अहम विकेट चटकाए, बल्कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा बार चार विकेट लेने वाला स्पिनर बनकर महान शेन वार्न को भी पीछे छोड़ दिया। उनका यह स्पेल भारत की जीत में निर्णायक साबित हुआ।

### रांची में कुलदीप की घातक गेंदबाजी से पलटा मुकाबला

झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले गए हाई-स्कोरिंग मुकाबले में कुलदीप यादव ने अपने अनुभव और कौशल का बेहतरीन उदाहरण पेश किया। दक्षिण अफ्रीका जब तेज गति से रन बना रही थी, तब कुलदीप ने 10 ओवर में 68 रन देकर 4 महत्वपूर्ण विकेट झटके। उनकी गेंदबाजी की खासियत यह रही कि उन्होंने विपक्षी बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाकर रनगति को नियंत्रित किया। उन्होंने पहले टोनी डी जॉर्जी (39) को आउट कर साझेदारी तोड़ी, इसके बाद मार्को यानसेन और मैथ्यू ब्रीट्ज़के जैसे दो खतरनाक बल्लेबाजों को सिर्फ तीन गेंदों के अंदर पवेलियन भेज दिया।

### यानसेन-ब्रीट्ज़के की साझेदारी पर लगा ब्रेक

साउथ अफ्रीका के दो युवा बल्लेबाज यानसेन और ब्रीट्ज़के ने छठे विकेट के लिए 68 गेंदों में 97 रन जोड़कर भारतीय गेंदबाजी पर दबाव बढ़ा दिया था। यानसेन ने 39 गेंदों में 70 रन और ब्रीट्ज़के ने 80 गेंदों में 72 रन की पारी खेलकर मैच का रुख बदलने की कोशिश की। तभी कुलदीप ने शानदार वापसी करते हुए पहले यानसेन को आउट किया, फिर अगली ही गेंद पर ब्रीट्ज़के को भी चलता किया। उनके इन दो लगातार झटकों ने दक्षिण अफ्रीका की रन गति ठंडी कर दी और भारत मैच में पूरी तरह वापसी कर गया।

### शेन वार्न को पछाड़कर बनाया नया रिकॉर्ड

कुलदीप यादव ने वनडेइतिहास में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा बार 4 विकेट लेने वाले स्पिनर बनने का बड़ा कारनामा कर दिखाया है। यह उनका दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चौथा मैच था जब उन्होंने चार विकेट झटके :

2018 - केपटाउन

2018 - गकेबरहा

2022 - दिल्ली (अरुण जेटली स्टेडियम)

2024 - रांची

इससे पहले यह रिकॉर्ड शेन वार्न और युजवेंद्र चहल के नाम संयुक्त रूप से था। कुलदीप ने इस उपलब्धि से वह जगह हासिल कर ली जहां पहुंचना किसी भी स्पिनर के लिए गर्व की बात है।

### अंतरराष्ट्रीय सूची में भी बढ़ी कुलदीप की दावेदारी

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यह रिकॉर्ड बनाने के साथ ही कुलदीप अब दुनिया के दिग्गज गेंदबाजों की सूची में भी आगे पहुंचते जा रहे हैं। वे अब लसिथ मलिंगा के बराबर पहुंच गए हैं, वहीं उनसे ऊपर सिर्फ ब्रेट ली और वकार यूनुस जैसे महान तेज गेंदबाज मौजूद हैं। यह कुलदीप की वनडे में 10वीं बार चार विकेट वाली परफॉर्मेंस थी, जिससे वे अनिल कुंबले के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर आ गए हैं। तेज गेंदबाजों में सिर्फ अजीत अगरकर (12) और मोहम्मद शमी (16) उनसे ऊपर हैं।

### भारत के लिए क्यों खास है कुलदीप का यह प्रदर्शन

कुलदीप यादव की यह उपलब्धि साबित करती है कि वे भारत के सबसे भरोसेमंद मैच-विनिंग स्पिनरों में से एक बन चुके हैं। दक्षिण अफ्रीका जैसे मजबूत विपक्ष के खिलाफ लगातार प्रभावी प्रदर्शन करना उनकी निरंतरता और क्लास दोनों को दर्शाता है। उनका यह रिकॉर्ड न सिर्फ व्यक्तिगत उपलब्धि है बल्कि भारतीय स्पिन विभाग की ताकत का भी प्रतीक है।

## मार्करम ने हार के बाद भी अपनी टीम के जुझारु रवैये को सराहा, खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया

रांची। पहले एकदिवसीय में दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम की कप्तानी संभालने वाले एडन मार्करम ने भारतीय टीम के हाथों मिली हार के बाद भी अपनी टीम के प्रदर्शन की तारीफ की है। मार्करम ने कहा है कि उन्हें अपनी टीम पर गर्व है क्योंकि उसने 350 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा काफी अच्छे से किया। शुरुआत में ही 11 रनों पर तीन विकेट गंवाने के बाद भी टीम ने 332 रन बनाये और वह लक्ष्य से केवल 18 रन ही दूर थी। इस दौरान एक समय लग रहा था कि वह लक्ष्य हासिल कर लेगी। मैच के बाद एडन मार्करम ने कहा कि उन्हें अपनी इस टीम पर गर्व है। उन्होंने इस दौरान विशेष रुप से दो खिलाड़ियों के प्रदर्शन की जमकर सराहना की। मार्करम ने कहा, हां उन्हें इन खिलाड़ियों पर गर्व है। इनको अपना काम करते देखना बहुत अच्छा लगता है। इन्होंने कभी भी यह भरोसा नहीं खोया कि हम लक्ष्य नहीं पा सकते हैं। जैसे-जैसे पारी आगे बढ़ रही थी, वे काफी उम्मीद लगाए हुए थे। शीर्ष क्रम हालांकि असफल रहा। हमें पता था कि गेंद स्विंग करेगी और फिर लक्ष्य का पीछा करते समय गेंद विकेट से थोड़ी तेजी आएगी, लेकिन फिर भी ऐसा लगा कि लक्ष्य का पीछा करना ही गेम जीतने का सबसे अच्छा तरीका है। अगले गेम में शीर्ष क्रम पर जिम्मेदारी रहेगी। मध्यक्रम पहले ही अच्छा प्रदर्शन कर सकता है कुल मिलाकर, लड़कों की कोशिशों पर बहुत गर्व है। वे बहुत करीब पहुंच गए और उन्होंने जबरदस्त खेल दिखाया। कप्तान ने मार्को यानसन और कॉर्बिन बॉश की भी जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, यह बहुत बढ़िया है। कोई भी टीम जितना हो सके उतनी अच्छी बल्लेबाजी करना चाहेगी और वे हमारे लिए ठीक यही करते हैं।

## नेशनल गार्ड पर हमला करने वाला अफगानी अमेरिका पहुंचकर बना कट्टरपंथी

**–यह दावा होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम ने एक इंटरव्यू में किया**

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में नेशनल गार्ड के दो जवानों पर हुए हमले की जांच अब एक नए मोड़ पर पहुंच गई है। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि आरोपी रहमनुल्लाह लकानवाल की कट्टरपंथी सोच अफगानिस्तान में नहीं, बल्कि अमेरिका आने के बाद विकसित हुई। यह दावा खुद होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम ने एक इंटरव्यू में किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 29 साल का लकानवाल पर आरोप है कि उसने व्हाइट हाउस के पास नेशनल गार्ड के दो सैनिकों पर फायरिंग की। इस हमले में 20 साल की सारा बेकस्ट्रॉम की मौत हो गई और 24 साल के एंड्रयू वोल्फ गंभीर रूप से घायल हैं जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस घटना ने अमेरिका की राजनीति में बवाल खड़ा कर दिया। वहीं सवाल उठ रहा है कि क्या अब अमेरिका के अंदर ही अब बड़े खतरे पैदा हो रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक क्रिस्टी नोएम ने कहा कि शुरुआती जांच में संकेत मिले हैं कि लकानवाल वॉशिंगटन स्टेट में रहने के दौरान कट्टरपंथी नेटवर्क के संपर्क में आया। उन्होंने कहा कि हम मानते हैं कि उसकी सोच अमेरिका आने के बाद बदल गई। हम उसके परिवार और समुदाय से जुड़े लोगों से पूछताछ कर रहे हैं। लकानवाल 2021 में उस समय अमेरिका आया था, जब बाइडेन प्रशासन ने तालिबान के कब्जे के बाद अफगानिस्तान में अमेरिकी सहयोगियों को बड़े पैमाने पर निकाला था। हालांकि उसे अप्रैल में शरण ट्रंप प्रशासन ने मंजूर की थी। क्रिस्टी नोएम ने चेतावनी दी कि जो भी व्यक्ति हमले से संबंधित जानकारी छिपाएगा या सहयोग नहीं करेगा, उसके खिलाफ भी अमेरिकी प्रशासन कड़ी कार्रवाई करेगा। अमेरिका ने सभी असाइलम एप्लिकेशंस यानी शरण की प्रक्रिया रोक दी है। सरकार ने संकेत दिए हैं कि पेंडिंग असाइलम केस वाले लोगों को भी डिपोर्ट किया जा सकता है, अगर उन्हें खतरा माना गया। अमेरिका ने बाइडन प्रशासन में दिए गए सभी ग्रीनकार्ड की जांच शुरू कर दी है।

## बलूचिस्तान में 24 घंटे में सात धमाके, एफसी हेडक्वार्टर पर फिदायीन हमला

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलूचिस्तान में पिछले 24 घंटों में आतंकी गतिविधियों ने एक बार फिर खौफ पैदा कर दिया है। इस दौरान कम से कम सात बड़े विस्फोट हुए और नोकुंडी स्थित फ्रंटियर कॉर्प्स (एफसी) के हेडक्वार्टर पर आत्मघाती फिदायीन हमला हुआ। हमलावर ने मुख्य गेट पर खुद को बम से उड़ा लिया, जिसके बाद सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच भयंकर गोलीबारी शुरू हो गई। एफसी बलूचिस्तान साउथ के अनुसार, विस्फोट के तुरंत बाद कम से कम छह हथियारबंद हमलावर परिसर में घुस आए। सुरक्षाबलों ने तत्काल जवाबी कार्रवाई शुरू की और अब तक तीन आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया है। एफसी के प्रवक्ता ने कहा, फ़िलहाल कमरे की तलाशी ली जा रही है। जब तक आखिरी आतंकी को खत्म नहीं कर दिया जाता, ऑपरेशन जारी रहेगा। प्रशासन ने इस हमले की जिम्मेदारी तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) पर डाली है। इसी अवधि में बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा और डेरा मुराद जमाली भी निशाने पर रहे। क्वेटा में शनिवार को एक पुलिस चौकी पर हैंड ग्रेनेड फेंके गए। इसके कुछ देर बाद आतंकवाद-निरोधक विभाग (सीटीडी) की गाड़ी के पास शक्तिशाली विस्फोट हुआ। उसी दिन क्वेटा रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर लगाए गए आईईडी में धमाका हुआ, जिससे पटरी क्षतिग्रस्त हो गई और क्वेटा आने-जाने वाली सभी ट्रेन सेवाएं निलंबित कर दी गईं। डेरा मुराद जमाली में गश्त कर रही पुलिस की गाड़ी पर भी ग्रेनेड से हमला किया गया। गौरतलब है कि पिछले कुछ महीनों से बलूचिस्तान में आतंकी और अलगाववादी हमले तेज हो गए हैं। हाल ही में पेशावर में एफसी परिसर पर हुए फिदायीन हमले में तीन लोग मारे गए थे, जबकि क्वेटा में पैरामिलिट्री कैंप के बाहर कार बम विस्फोट ने पूरे इलाके को हिला दिया था। कई हमलों की जिम्मेदारी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने भी ली है बलूचिस्तान में बढ़ती हिंसा ने एक बार फिर पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की चुनौतियों को उजागर कर दिया है। प्रांत में टीटीपी के साथ-साथ बलूच विद्रोही संगठनों की गतिविधियां लगातार सिरदर्द बनी हुई है।

## मातम में डूबा हांगकांग, 146 लोग जिंदा जले, सवाल पूछने पर चीन ठोक रहा देशद्रोह का केस

ताई पो (एजेंसी)। हांगकांग के ताई पो जिले के वांग फुक कोर्ट कॉम्प्लेक्स में भीषण आग लगी। इस दर्दनाक आग दुर्घटना में मरने वालों का आधिकारिक आंकड़ा 146 हो गया है, और अभी और शव मिलने की आशंका है। कई विदेशी नागरिक, जिसमें इंडोनेशिया के सात और फिलीपींस के एक नागरिक शामिल हैं, की भी मौत की पुष्टि हुई है। आग ने कॉम्प्लेक्स के आठ में से सात ब्लॉकों को अपनी चपेट में ले लिया। लोगों का मानना है कि यह कोई हादसा नहीं, बल्कि रोकी जा सकने वाली आपदा थी और यह अन्यायपूर्ण सिस्टम का जहरीला फल है। हजारों लोगों ने घटनास्थल पर फूल चढ़ाए और श्रद्धांजलि दी।

इस हादसे ने हांगकांग के निर्माण क्षेत्र में भ्रष्टाचार की पोल खोल दी है। अब तक 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से तीन पर गैर-इरादतन हत्या का आरोप है। एहतियात के तौर पर, शहर की 30 अन्य प्राइवेट कंस्ट्रक्शन साइट्स पर काम रोक दिया गया है। यूके के ग्रेनफेल टॉवर पीड़ितों का केस लड़ने वाले वकील इमरान खान ने आंतरिक जांच के बजाय पब्लिक इंक्वायरी (सार्वजनिक जांच) की मांग की है।

# हमारा रोल शांति स्थापना का है, हमास को हथियार डालने पर मजबूर करना नहीं

**– पाकिस्तान सीजफायर के बाद गाजा में अपनी सेना भेजने को तैयार**

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान हमास-इजराइल के बीच सीजफायर के बाद गाजा में सेना भेजने को तैयार है। इसकी पुष्टि पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने की। उन्होंने कहा कि उनका देश अंतरराष्ट्रीय शांति मिशन के तहत गाजा में सुरक्षाबलों को तैनात करेगा, लेकिन पाकिस्तान सैनिक फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास को हथियार डालने पर मजबूर नहीं करेंगे। हम वहां शांति के लिए जा रहे हैं।

डार का ये बयान अमेरिकी मध्यस्थता वाले गाजा शांति समझौते पर चर्चा तेज होने के बीच आया है, जिसमें मुस्लिम बहुल देशों के सैनिकों से बने अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल की स्थापना का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि गाजा में सेना भेजने का फैसला पीएम शाहबाज ने फील्ड मार्शल से परामर्श के बाद लिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इशाक डार ने कहा कि पाकिस्तान केवल संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्पष्ट रूप से परिभाषित आदेश के तहत ही सेना भेजेगा और पाकिस्तानी सेना हमास को निरस्त्र करने में कोई भूमिका नहीं निभाएगी। डार ने जोर देकर कहा कि हमास को निरस्त्र करने का मुद्दा पहले रियाद में दो-राज्य समाधान पर हुई बातचीत के दौरान उठा था। पाकिस्तान इस तरह के किसी भी प्रयास में भाग नहीं लेगा। हम इसके लिए तैयार नहीं हैं। हमारा रोल शांति स्थापना का है, न कि शांति लागू करने का। डार ने कहा कि पीएम शहबाज शरीफ ने सिद्धांत रूप से पाकिस्तान की भागीदारी पर सहमति दे दी है, लेकिन ये आईएसएफ के जनादेश और कार्यक्षेत्र के स्पष्ट होने पर निर्भर करेगा। इंडोनेशिया ने इस मिशन के लिए 20,000 सैनिकों की पेशकश की है।

पिछले महीने अटकलें थीं कि पाकिस्तान को हमास को निरस्त्र करने की भूमिका सौंपी जा सकती है, जिससे देश में राजनीतिक विरोध पैदा हो गया था। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने तो सरकारी प्रवक्ता के इस तरह के बयानों को बेबुनियाद और अस्वीकार्य बताकर निंदा भी की थी।

दरअसल, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पिछले हफ्ते गाजा संघर्ष को खत्म करने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रस्ताव का समर्थन करते हुए एक अमेरिकी प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इसमें आईएसएफ की तैनाती को भी अधिकार दिया गया था। पाकिस्तान समेत तेरह सदस्यों ने प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया, जबकि रूस और चीन ने मतदान से दूर रहे. हालांकि, हमास ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया और प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय बल की निंदा की थी।

## आज इस्लामाबाद हाईकोर्ट के बाहर इमरान के समर्थक करेंगे विरोध प्रदर्शन

**-प्रदर्शन के बाद पीटीआई सांसद पूर्व पीएम से मुलाकात करने जेल जाएंगे**

कराची। पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी के सभी सांसद इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के बाहर मंगलवार को विरोध-प्रदर्शन करेंगे और अदियाला जेल में बंद अपने नेता की रिहाई की मांग करेंगे। पार्टी के एक शीर्ष नेता ने इसकी जानकारी दी।

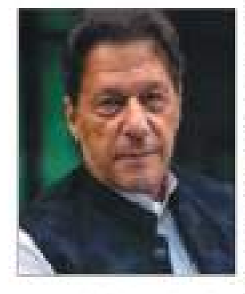

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के सीएम सोहेल अफरीदी ने घोषणा की कि इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के बाहर विरोध-प्रदर्शन के बाद पार्टी नेता इमरान खान से मुलाकात करने के लिए रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली जेल जाएंगे। बता दें इमरान खान 2023 से अदियाला जेल में बंद हैं। अफरीदी ने कहा है कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान को 4 नवंबर से पूरी तरह से अलग-थलग रखा गया है और किसी को भी उनसे मिलने की अनुमति नहीं है। उन्होंने घोषणा की कि मंगलवार को सभी सांसद सबसे पहले इस्लामाबाद उच्च न्यायालय जाएंगे और अदालत के मुख्य न्यायाधीश के सामने कड़ा विरोध-प्रदर्शन करेंगे, क्योंकि उनके आदेशों के बावजूद सीएम को इमरान से मिलने की अनुमति नहीं दी गई। अफरीदी ने कहा कि यह कोर्ट की स्पष्ट अवमानना ??है। हम इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में विरोध-प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने बताया कि इसके बाद पार्टी सांसद इमरान से मिलने अदियाला जेल जाएंगे।

## फांसी की सजा के बाद एक और मामले में शेख हसीना को 21 साल की कैद

**–स्पेशल कोर्ट ने जमीन घोटाला मामले में दोषी ठहराते हुए नई सजा सुनाई**

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व पीएम और अवामी लीग प्रमुख शेख हसीना को सोमवार को ढाका की एक विशेष कोर्ट से बड़ा झटका दिया। कोर्ट ने पुरबचल न्यू टाउन प्रोजेक्ट में प्लॉट आवंटन में अनियमितताओं से जुड़े बहुचर्चित जमीन घोटाला मामले में शेख हसीना को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई।

इससे पहले इस साल नेशनल क्राइम ट्रिब्यूनल ने हसीना को -क्राइम्स एगेन्स्ट ह्यूमैनिटी- के लिए फांसी की सजा सुनाई थी। और इसके कुछ दिन बाद ही ढाका की स्पेशल कोर्ट ने हाल ही में हसीना को तीन भ्रष्टाचार-मामलों में 21 साल की जेल की सजा सुनाई है। जमीन घोटाला मामले में अदालत ने कुल तीन लोगों को दोषी ठहराया। शेख हसीना, शेख रेहाना, ट्यूलिप रिजवाना सिद्दीक। ये तीनों राजुक द्वारा किए गए प्लॉट आवंटन में अनियमितताओं के मामले में दोषी पाए गए। हसीना पहले से ही कई कानूनी चुनौतियों का सामना कर रही हैं। अब एक और मामले में दोषी ठहराया जाना उनकी राजनीतिक और कानूनी स्थिति को कमजोर करता है।

ट्यूलिप सिद्दीक जो ब्रिटेन में लेबर पार्टी की सांसद हैं उनका नाम इस फैसले में शामिल होने से यह मामला अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में आ गया। ब्रिटेन की राजनीति और मीडिया में भी इस पर चर्चा शुरू हो गई है। अवामी लीग के नेताओं ने इस फैसले को -राजनीतिक प्रतिशोध- बताया है। उनका कहना है कि विपक्षी सरकार हसीना परिवार को -कमजोर करने- की कोशिश कर रही है। जानकारों के मुताबिक शेख हसीना की कानूनी टीम उच्च अदालत में अपील दाखिल करेगी।

# एलन मस्क और कामत के पॉडकास्ट का टीजर सामने आते ही मची हलचल

**एक्स' के जुनून पर मस्क बोले- कभी-कभी सोचता हूं कि मेरे अंदर क्या गड़बड़ है**

वाशिंगटन (एजेंसी)। टेस्ला के मालिक और दुनिया के सबसे अमीर इंसान एलन मस्क का पॉडकास्ट खूब चर्चा में है। मस्क के साथ जेरोधा के सह-संस्थापक और अरबपति निखिल कामत ने पॉडकास्ट किया। इस पॉडकास्ट का टीजर सामने आते ही सोशल मीडिया पर हलचल मच गई। कामत ने 96 सेकंड का नया ट्रेलर जारी किया, जिसमें दोनों के बीच हुई बातचीत और हल्के-फुल्के पलों की झलक देखने को मिली। वीडियो में दोनों कॉफी पीते और हंसते मुस्कुराते नजर आए, जिसके बाद कई यूजर्स ने यह सवाल तक कर दिया था कि क्या वाकई यह बातचीत सच में हुई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक निखिल कामत को इस पॉडकास्ट में एलन मस्क की कद-काठी देखकर हैरानी जताते हुए भी देखा गया। वे मुस्कुराते हुए कहते हैं, 'पहली बात जो मैं कहूंगा, आप जितना मैंने सोचा था उससे कहीं ज्यादा लंबे, भारी और मस्कुलर हैं। इस पर एलन मस्क मजाकिया अंदाज में जवाब देते हैं, 'ओह, बस कीजिए आप मुझे शर्मिंदा कर देंगे। दोनों इस पर खूब हंसते हैं।

इस बातचीत में एक दिलचस्प पल तब आता है जब कामत ने मस्क से पूछा कि 'द मैट्रिक्स' फिल्म का कौन-सा किरदार वे निभाना पसंद करेंगे। इस पर मस्क कहते हैं, 'उम्मीद है कि एजेंट स्मिथ नहीं' वह मेरा होगा है। कामत ने सवाल किया कि आखिर 'एक्स' के प्रति उनका ऐसा जुनून क्यों है, मस्क हंसते हुए कहते हैं, 'कभी-कभी मैं भी सोचता हूं कि मेरे अंदर क्या गड़बड़ है। जाहिर है, मस्क की कंपनियां एक्स, स्पेसएक्स और एक्सएआई सभी में इस अक्षर की झलक दिखती है।

टीजर के बाद सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई है। कई यूजर्स ने दोनों के बीच दिख रही 'केमिस्ट्री' को लेकर मजेदार कमेंट किए हैं। एक यूजर ने लिखा- जैसे ये एक-दूसरे को देख रहे हैं ऐसा बिजनेस रोमांस लग रहा है। निखिल कामत का पॉडकास्ट पहले भी कई क्षेत्रों की बड़ी हस्तियों को एक साथ लाने के लिए चर्चित रहा है। इसके पिछले एपिसोड्स में बिल गेट्स, किरन मजूमदार-शॉ, रणबीर कपूर, नंदन नीलेकणी, कुमार बिड़ला, परप्लेक्सिटी एआई के अरविंद श्रीनिवास और वेंचर कैपिटलिस्ट विनोद खोसला शामिल हो चुके हैं। इस शो में पीएम मोदी भी गए हैं, जिनका इंटरव्यू इसी साल यूट्यूब पर जारी किया गया था।

## इजराइली पीएम नेतन्याहू भ्रष्टाचार में फंसे अब राष्ट्रपति से मांग रहे क्षमादान

**–कानूनी विशेषज्ञ बोले– यह क्षमादान का अनुरोध मुकदमे को नहीं रोक सकता**

तेलअवीव (एजेंसी)। गाजा समेत कई देशों पर हमला करने वाले इजराइल के पीएम नेतन्याहू भ्रष्टाचार के मामलों में इस कदर घिर गए कि अब वह राष्ट्रपति से क्षमादान मांग रहे हैं। उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के मुकदमे पर रोक लगवाने के लिए उन्होंने राष्ट्रपति से माफी मांगी है। नेतन्याहू इजराइल के ऐसे पहले पीएम हैं जो कि मुकदमे के बावजूद पद पर मौजूद हैं। नेतन्याहू पर विश्वासघात, रिश्वत लेने और पैसे के बदले टेलीकॉम कंपनियों और हॉलिवुड प्रोड्यूसर से राजनीतिक समर्थन हासिल करने का आरोप है।

नेतन्याहू इन आरोपों को लेकर देश की न्याय व्यवस्था के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह अनुरोध क्षेत्र में अहम बदलावों के दौर में देश को एकजुट करने में मदद करेगा। हालांकि नेतन्याहू के विरोधियों ने तुरंत इसकी निंदा की और कहा कि इससे इजराइल की लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर होंगी और यह खतरनाक संदेश जाएगा कि वह कानून के शासन से ऊपर हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान जारी कर कहा कि नेतन्याहू ने राष्ट्रपति से क्षमादान का अनुरोध किया है।

बेंजामिन नेतन्याहू पर तीन मुकदमे चल रहे हैं लेकिन उन्हें अब तक किसी भी मामले में दोषी नहीं करार दिया गया है। हालांकि इन मुकदमों से उनका करियर दांव पर लगा है। अगर किसी भी मामले में उन्हें दोषी पाया जाता है तो उन्हें तत्काल इस्तीफा देना पड़ सकता है। नेतन्याहू ने इस मामले की निंदा करते हुए इसे मीडिया, पुलिस और न्यायपालिका द्वारा साजिश के तहत निशाना बनाए जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने यह भी कहा कि हफ्ते में तीन बार अदालत में पेश होने की उनकी अनिवार्यता एक ऐसा ध्यान भटकाने वाला कदम है जिससे उनके लिए देश का नेतृत्व करना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा कि मुकदमे का जारी रहना हमें अंदर से तोड़ देता है, विभाजन करता है और दरार को और गहरा करता है। देश के कई अन्य लोगों की तरह, मुझे भी यकीन है कि मुकदमे के तुरंत निपटारे से सुलह को बढ़ावा मिलेगा, जिसकी हमारे देश को सख्त जरूरत है। हालांकि कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि क्षमादान का अनुरोध मुकदमे को नहीं रोक सकता।

नेतन्याहू के अनुरोध पर विपक्ष ने तुरंत प्रतिक्रिया व्यक्त की और राष्ट्रपति से उनके अनुरोध को नहीं मानने का आग्रह किया। विपक्षी नेता यायर लापिड ने कहा कि आप उन्हें अपराध स्वीकार किए बिना, पश्चाताप की अभिव्यक्ति के बिना और राजनीतिक जीवन से तत्काल संन्यास लिए बिना क्षमादान नहीं दे सकते हैं।

## इंडोनेशिया झेल रहा प्राकृतिक मार, बाढ़ और भूस्खलन से 400 से ज्यादा मौतें

**हजारों घर बहे, सैकड़ों गांव कटे और पूरे के पूरे इलाके मिट्टी में हो गए दफन**

जकार्ता (एजेंसी)। इंडोनेशिया इन दिनों प्राकृतिक कहर का सामना कर रहा है। करीब एक सप्ताह पहले आए ट्रॉपिकल साइक्लोन 'सिन्यार' ने सुमात्रा को ताबड़तोड़ बारिश, विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलनों में झोंक दिया। हजारों घर बह गए, सैकड़ों गांव कट गए और कई इलाके मिट्टी में दफन हो गए। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक अब तक 440 से ज्यादा लोग मारे गए हैं, जबकि कम से कम 400 लोग अभी भी लापता हैं, जिनमें से कई के मलबे में दबे होने की आशंका है।

मीडिया रिपोर्ट में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के हवाले से बताया गया है कि अचेह, नॉर्थ सुमात्रा और वेस्ट सुमात्रा सबसे गंभीर रूप से प्रभावित इलाका है। एजेंसी प्रमुख सुहार्यांतो ने चेतावनी दी कि सेंट्रल तापनूली और सिबोल्गा पूरी तरह से अलग-थलग पड़ गए हैं। इन इलाकों तक न सड़क पहुंच रही है, न संचार, और न ही राहत। समुद्र और हवाई रास्तों से आपूर्ति की जा रही है, लेकिन कई गांवों तक किसी भी तरह की सहायता अब तक नहीं पहुंची है। हजारों लोग खाने और पानी के इंतजार में कई दिनों से फंसे हैं।

दुर्गम स्थितियों के बीच भयावह स्थिति है। सुमात्रा के कई इलाकों में लोगों ने भूख से मजबूर होकर दुकानों को तोड़ना शुरू कर दिया है। स्थानीय पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि लोगों को नहीं पता था कि सहायता आ रही है, उन्हें डर था कि वे भूख से मर जाएंगे। इसलिए उन्होंने दुकानों से खाना और पानी उठाना शुरू कर दिया। स्थिति गंभीर है। व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बलों को तैनात किया गया है।

वेस्ट सुमात्रा की राजधानी पदांग से 100 किमी दूर सुनगई न्यालो गांव में पानी का बहाव भले ही कम हुआ हो, लेकिन अब पूरा गांव घुटनों तक मोटी, राख जैसी धूसर मिट्टी में दफन है। न घर बचा, न फसल, न वाहन। चारों तरफ सिर्फ खामोशी और विनाश नजर आ रहा है।

# न्यूजीलैंड में 459 भारतीय मूल के ड्राइवरों के लाइसेंस रद्द, कई परिवारों पर संकट

**– ऑडिट में पाया विदेशी लाइसेंस को बदलने की प्रक्रिया में हुई धोखाधड़ी**

वेलिंग्टन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड में 459 भारतीय मूल के ट्रक ड्राइवरों के लाइसेंस रद्द कर दिए हैं। देशभर में भारी वाहनों के लाइसेंस बदलने में मिले फर्जीवाड़े के बाद न्यूजीलैंड ट्रांसपोर्ट एजेंसी ने कड़ा कदम उठाया। इसके चलते कई भारतीय परिवार आर्थिक संकट में फंस गए हैं और उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। न्यूजीलैंड ट्रांसपोर्ट एजेंसी के ऑडिट में पाया गया कि विदेशी लाइसेंस को न्यूजीलैंड के लाइसेंस में बदलने की प्रक्रिया में धोखाधड़ी हुई है। पहले 440 लाइसेंस रद्द हुए थे, अब यह संख्या बढ़कर 459 हो गई है। ये सभी रद्दीकरण 'झूठे या बदले हुए दस्तावेजों' के कारण हुए हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक रद्द किए गए लाइसेंस सभी विदेशी ड्राइवर भारत से हैं। इनमें से 436 मामलों में यूएई से, 18 ऑस्ट्रेलिया से और पांच कनाडा से जाली दस्तावेज से जुड़े हैं। इनमें से कोई भी मामला सीधे भारतीय लाइसेंस के इस्तेमाल से नहीं जुड़ा है, क्योंकि भारत जैसे गैर-छूट वाले देशों के लिए न्यूजीलैंड ट्रांसपोर्ट के नियमों के तहत पूरी तरह से टेस्टिंग जरूरी है।

रिपोर्ट के मुताबिक पहले न्यूजीलैंड में हजारों भारतीय ड्राइवरों ने ऑनलाइन 27-54 हजार रुपए देकर जाली 'सपोर्ट लेटर' खरीदे। ये लेटर दिखाकर उन्होंने आसानी से ड्राइविंग लाइसेंस और वीजा ले लिया। सरकार पहले इन्हें मान लेती थी, इसलिए सबका काम चल जाता था, लेकिन अब ऐसे जाली लेटर बिल्कुल अवैध माने जा रहे हैं। अब इन लेटर्स से मिला लाइसेंस और वीजा रद्द हो रहा है यानी यह पुराना आसान रास्ता अब हमेशा के लिए बंद।

इनमें ज्यादातर ड्राइवर 30-35 साल के हैं और उन्होंने थ्योरी और प्रैक्टिकल टेस्ट पास किया है। इसके अलावा सांसद परमजीत परमार ने न्यूजीलैंड के ट्रांसपोर्ट मंत्री साइमोन ब्राउन को पत्र लिखकर कहा है कि ये मेहनती प्रवासी हैं जिन्होंने न्यूजीलैंड के ट्रकिंग सेक्टर में ड्राइवरों की कमी पूरी की। सभी ड्राइवरों ने समाधान की मांग की ताकि उनके परिवारों को मदद मिल सके।

ऑकलैंड के ताकानिनी गुरुद्वारे में 22 नवंबर को भारतीय ट्रक ड्राइवर और उनके परिवार जमा हुए और न्याय की मांग की। इस दिन अमृतपाल सिंह ने कहा कि न्यूजीलैंड ट्रांसपोर्ट एजेंसी ने हमारी आमदनी छीन ली है और अब हम अपने बच्चों को कैसे पालेंगे? वहीं परमिंदर सिंह ने बताया कि वे अपने घर का किराया भी नहीं दे पा रहे हैं। इस मुद्दे पर ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। बता दें न्यूजीलैंड में ट्रक चलाने वालों की कमी लंबे समय से बनी हुई है। 2022 में 3,449 ड्राइवरों की कमी थी। इस सेक्टर में भारतीय प्रवासियों की भूमिका बढ़ गई।

2025 की रिपोर्ट बताती है कि एशियाई ड्राइवर्स, जिनमें ज्यादातर भारतीय हैं अब ट्रकिंग इंडस्ट्री के 20फीसदी तक हैं।

## जनता के मुद्दों को उठाना नाटक नहीं : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि संसद में लोक महत्व के मुद्दों को उठाना 'नाटक' नहीं है, बल्कि इन पर चर्चा की अनुमति नहीं दिया जाना 'नाटक' है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और वायु प्रदूषण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर सदन में चर्चा होनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह संसद को चुनावी हार के बाद 'हताशा निकालने का मंच' बना रहा है। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले संसद परिसर में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सत्र राजनीतिक रंगमंच न बने, बल्कि रचनात्मक और परिणामोन्मुखी बहस का माध्यम बने। केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, 'संसद में आवश्यक लोक महत्व के मुद्दों के बारे में बोलना और उन्हें उठाना नाटक नहीं है। नाटक यह है कि उन मुद्दों पर लोकतांत्रिक चर्चा की अनुमति नहीं दी जाती, जो जनता के लिए मायने रखते हैं।' उन्होंने सवाल किया, 'संसद किस लिए है? हम महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा क्यों नहीं कर रहे हैं?'

## दिल्ली बम धमाका : एनआईए ने डॉक्टर्स और मौलवी के 10 ठिकानों पर दी दबिश

श्रीनगर (एजेंसी)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर सोमवार सुबह दिल्ली के लाल किले पर हुए कार बम धमाके मामले में बड़ी छापेमारी की। कश्मीर के शोपियां के नादिगाम, पुलवामा (कोयल), चंदगाम और अन्य इलाकों में एक साथ 10 ठिकानों पर दबिश दी। एनआईए ने बताया कि दिल्ली ब्लास्ट से जुड़े डॉ आमिर राशिद, डॉक्टर अदील, डॉ मुजफ्फर समेत डॉ जसिक और मौलवी इरफान के घर पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। एनआईए ने बताया कि इस सर्च ऑपरेशन का एक मात्र उद्देश्य इस पूरे नेटवर्क का सफाया करना है। इसमें पढ़े-लिखे और पेशेवर लोग शामिल हैं। जांच में खुलासा हुआ है कि वानी इस मॉड्यूल की तकनीकी रीढ़ था। उसने ड्रोनों में बदलाव किए, बैटरी और कैमरा सिस्टम को अपग्रेड किया और भीड़भाड़ वाले इलाकों में इस्तेमाल होने वाले छोटे विस्फोटक पेलोड तैयार किए। एनआईए का कहना है कि ये डिजाइन हमास और आईएसआईएस की मिडिल ईस्ट रणनीतियों से मिलते-जुलते थे। पिछले साल अक्टूबर में कुलगाम की एक मस्जिद में वानी की मुलाकात डॉक्टर नबी से हुई थी, जहां उसे जैश-ए-मोहम्मद के लिए काम करने को कहा गया, लेकिन नबी ने उसे आत्मघाती हमलावर बनाने की कोशिश की। बता दें लाल किला विस्फोट में इस्तेमाल कार डॉक्टर आमिर राशिद अली के नाम पर रजिस्टर्ड थी। अली ने ही सुरक्षित ठिकाना मुहैया कराया था। उसकी गिरफ्तारी के बाद एजेंसी को वानी और अन्य के ठिकानों का पता चला। अब तक पूछताछ में मिले सबूतों के आधार पर ये छापे मारे जा रहे हैं। एजेंसी को शक है कि यह मॉड्यूल दिल्ली समेत कई बड़े शहरों में एक साथ हमले की फिराक में था।

## हरियाणा के युवक की लंदन में चाकू मारकर हत्या

गुरुग्राम (एजेंसी)। चरखी दादरी का 27 वर्षीय विजय कुमार सरकारी नौकरी छोड़कर फरवरी 2026 में इंग्लैंड के बर्मिंघम में एमबीए की पढ़ाई के लिए गया था। परिवार की खुशी थी कि विजय पढ़ाई पूरी कर वहां बस जाएगा। उनकी मां सरोज बाला बेटे की शादी और भविष्य की कल्पना में थी। सूचना के अनुसार ?पिछले ?दिनों यूनिवर्सिटी से लौटते समय हरियाणा, दिल्ली और पंजाब के पांच युवकों ने विजय कुमार पर चाकू से हमला किया और उसकी हत्या कर दी। घटना की जानकारी लंदन पुलिस ने परिवार को फोन करके दी। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। विजय के पिता, पूर्व सैनिक सुरेंद्र सिंह और भाई, सेना जवान रवि कुमार ने प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और हरियाणा के मुख्यमंत्री से हाथ जोड़कर मदद मांगी है। उनका कहना है कि बेटे का शव जल्द भारत लाया जाए ताकि अंतिम संस्कार किया जा सके। विजय की बहन मोनिका और जीजा भी लंदन में ही रहते हैं। विजय के गांव जगरामबास और परिवार में गहरा शोक है। ग्रामीण, सरपंच सहित, परिजनों को सांत्वना देने पहुंचे और जल्द शव लाने की मांग की। सांसद धर्मबीर सिंह और दादरी विधायक सुनील सांगवान ने विदेश मंत्री और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल को पत्र लिखकर इस मामले में सहायता की अपील की है।

## महाराष्ट्र निकाय चुनाव में धांधली! कई जिलों में मतदान स्थगित, 20 दिसंबर को नई तारीख

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के कई जिलों में 25 से ज्यादा नगर निगमों के चुनाव राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) द्वारा अस्वीकृत नामांकन पत्रों से संबंधित अपील प्रक्रिया में व्यापक अनियमितताओं का पता चलने के बाद स्थगित कर दिए गए हैं। पहले 2 दिसंबर को होने वाले मतदान अब इन क्षेत्रों में 20 दिसंबर को होंगे। शेष सभी नगर परिषदों और नगर पंचायतों के लिए मतदान पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शुक्रवार को सुबह 7:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक जारी रहेगा। इन निकायों के परिणाम 3 दिसंबर को घोषित किए जाएंगे। एसईसी ने ठाणे, बारामती, अमरावती, अहिल्यानगर, नांदेड़, सोलापुर, यवतमाल, वाशिम, चंद्रपुर, अकोला और पुणे सहित कई स्थानों पर मतदान स्थगित कर दिया है। चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में पहुंचने के साथ ही यह निर्णय कई उम्मीदवारों के लिए बड़ा झटका साबित हुआ। वहीं, महाराष्ट्र के पालघर में आगामी स्थानीय निकाय चुनाव में टिकट के लिए कथित रूप से 10 लाख रुपये मांगने को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दो समूहों के बीच झड़प हो गई। पुलिस अधिकारियों ने गैर-संज्ञेय शिकायत (एनसी) में दर्ज विवरण के हवाले से बताया कि भाजपा की शहर इकाई के पूर्व अध्यक्ष अशोक अंबुरे ने चुनाव लड़ने की इच्छुक पार्टी कार्यकर्ता वैशाली चव्हाण से कथित रूप से 10 लाख रुपये मांगे थे। चव्हाण का समर्थन कर रहे समूह ने अपनी शिकायत में यह भी आरोप लगाया है कि लोकमान्य नगर क्षेत्र में शनिवार को हुई इस झड़प के दौरान अंबुरे और उनके सहयोगियों ने उनसे छेड़छाड़ की और लाठियों से हमला किया। स्थानीय सांसद हेमंत सावरा और भाजपा की पालघर जिला इकाई के अध्यक्ष भरत राजपूत द्वारा बीच-बचाव की कोशिश किए जाने के बावजूद दोनों पक्ष पुलिस के पास पहुंचे और उन्होंने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए। उल्लेखनीय है कि अंबुरे की पत्नी वार्ड संख्या 14 से चुनाव लड़ रही हैं। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर एनसी दर्ज की गई है।

# एसआईआर प्रक्रिया एकतरफा, तानाशाही और बिना किसी तैयारी के शुरू की गई

### -कांग्रेस सांसद ने सवाल उठाते हुए इसे लोकसभा में तुरंत रोकने की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने सोमवार को लोकसभा में एक स्थगन प्रस्ताव पेश किया है, जिसमें देश के 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में चल रही एसआईआर प्रक्रिया को रोकने की मांग की। टैगोर ने इसे अभूतपूर्व संकट से जोड़ते हुए गंभीर सवाल उठाए। अपने नोटिस में टैगोर ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा लागू की गई यह प्रक्रिया एकतरफा, तानाशाही और बिना किसी तैयारी के शुरू की गई है।

उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने न तो शिक्षकों से कोई चर्चा की, न राज्यों के साथ समन्वय किया और न ही जनता की परेशानियों का ध्यान रखा। टैगोर ने अपने प्रस्ताव में कहा है कि यह एसआईआर प्रक्रिया एक एकाधिकारवादी, अचानक लागू की गई और अत्यधिक दबाव वाली कवायद बन गई है। सांसद मणिकम टैगोर ने कहा कि बीएलओ शिक्षक दिन-रात काम करने को मजबूर हैं। वे कक्षा और चुनावी कार्य के बीच फंसे हैं। कई लोग थकावट के कारण गिर पड़े, कुछ की मौत हो गई और कुछ ने आत्महत्या तक कर ली है। इसके बावजूद चुनाव आयोग ने अब तक कोई जांच नहीं कराई है और न ही राज्यों या केंद्रशासित प्रदेशों के हिसाब से बीएलओ की मौतों के आंकड़े जारी किए।

सांसद टैगोर ने इसे संस्थागत क्रूरता बताया है। उन्होंने कहा कि न तो आत्महत्याओं की निगरानी की कोई व्यवस्था है, न मानसिक स्वास्थ्य सहायता, न मुआवजा प्रावधान और न किसी प्रकार का आपातकालीन प्रोटोकॉल। उन्होंने कहा कि आम जनता भी इस प्रक्रिया की वजह से भ्रम, घबराहट, बार-बार होने वाले सत्यापन और अविश्वास की स्थिति से गुजर रही है। उन्होंने कहा कि जब मतदाता सूची तैयार करने वाले कर्मचारी ही भारी दबाव में गिरने लगें, तो लोकतंत्र की विश्वसनीयता भी गिर जाती है।

लोकसभा के सामने उन्होंने पांच प्रमुख मांगें रखीं। 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में एसआईआर प्रक्रिया को तुरंत निलंबित किया जाए। हर एक बीएलओ की मौत और आत्महत्या की राष्ट्रीय स्तर पर जांच की जाए। प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा दिया जाए। चुनावी प्रक्रियाओं में सुधार कर बीएलओ को सुरक्षित वातावरण मिले और चुनाव आयोग को तलब कर इस अव्यवस्थित लागू प्रक्रिया का स्पष्टीकरण मांगा जाए।

## ममता बनर्जी एसआईआर के खिलाफ मालदा, मुर्शिदाबाद, कूचबिहार में रैलियां निकालेंगी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस सप्ताह मालदा और मुर्शिदाबाद में रैलियां आयोजित कर निर्वाचन आयोग की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ अपना रोष जताएंगी और इसके बाद अगले सप्ताह कूचबिहार में एक जनसभा की जाएगी। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सूत्रों ने यह जानकारी दी। बनर्जी द्वारा एसआईआर के विरोध में यह दूसरे चरण का अभियान होगा। इससे पहले उन्होंने पिछले सप्ताह शरणार्थी बहुल मतुआ क्षेत्र में बनगांव में रैली की थी और रैली के दौरान उन्होंने आरोप लगाया था कि सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले परिवारों को डराने के लिए एसआईआर अभियान का दुरुपयोग किया जा रहा है। तृणमूल अपने जिलावार अभियान को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 'घुसपैठियों का सफाया' के बयान के जवाब के रूप में पेश कर रही है। तृणमूल नेताओं ने कहा कि मालदा, मुर्शिदाबाद में तीन और चार दिसंबर को जबकि कूचबिहार में नौ दिसंबर को रैलियां आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। राजनीतिक रूप से संवेदनशील इन तीन सीमावर्ती जिलों में अल्पसंख्यक, प्रवासी और विस्थापित आबादी काफी अधिक है तथा एसआईआर से उनकी दिक्कतें बढ़ गई हैं। मालदा की रैली गजोले में तथा मुर्शिदाबाद की रैली बेहरामपुर स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। कूचबिहार की रैली नौ दिसंबर को ऐतिहासिक रास मेला मैदान में होगी और इसे इस शीत ऋतु में उत्तर भारत में बनर्जी की सबसे बड़ी रैली के रूप में पेश किया जा रहा है। तृणमूल के जिलाध्यक्ष अभिजीत डे भौमिक ने कहा कि एक दिसंबर को ब्लॉक अध्यक्षों के साथ एक बैठक होगी। भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस पर अवैध प्रवासियों को बचाने और राजनीतिक लाभ के लिए मतदाता सूची के संशोधन का विरोध करने का आरोप लगाया है। वहां 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले दोनों पार्टियां एसआईआर मुद्दे का लाभ उठाकर अपनी-अपनी विचारधारा को मजबूत करने की कोशिश कर रही हैं।

## हरियाणा में बढ़ी धुंध और ठंड, एक्यूआई स्तर बना चिंता का कारण

**- मौसम विभाग का अनुमान : 3 दिसंबर को धुंध और ठंडी हवाओं का असर अधिक रहेगा**

हिसार (एजेंसी)। हरियाणा में दिसंबर की शुरुआत होते ही मौसम ने करवट ले ली है। 1 दिसंबर से पूरे प्रदेश में धुंध और ठंडी हवाओं का असर बढ़ गया है। उत्तर-पश्चिमी हवाओं के तेज होने से नमी भी बढ़ रही है, जिससे शीतलहर महसूस हो रही है। 30 नवंबर को नूंह जिले में अधिकतम तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि हिसार में सुबह का न्यूनतम तापमान 5.7 डिग्री सेल्सियस रहा। आज हरियाणा में सुबह का तापमान लगभग 11 डिग्री सेल्सियस है। आने वाले दिनों में दिन का तापमान 22-25 डिग्री सेल्सियस और रात का तापमान 4-8 ?डिग्री सेल्सियस तक गिरने का अनुमान है। 3 दिसंबर को धुंध और ठंडी हवाओं का असर अधिक रहेगा। 5 दिसंबर को रात में तापमान 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरने की संभावना है। हरियाणा में वायु गुणवत्ता चिंता का विषय बनी हुई है। फरीदाबाद में सोमवार सुबह एक्यूआई 296, दिल्ली का 282, गुरुग्राम का 264 और अंबाला का 209 दर्ज किया गया। विशेषज्ञों के अनुसार, यह स्तर सांस संबंधी मरीजों के लिए खतरनाक हो सकता है। लोगों को सलाह दी जा रही है कि वे बाहर निकलते समय मास्क पहनें और वायु प्रदूषण से बचाव करें। मौसम विभाग ने बताया है कि 1-5 दिसंबर तक धुंध और ठंडक बनी रहेगी। उत्तर-पश्चिमी हवाओं के चलते नमी बढ़ेगी, जिससे सुबह और शाम धुंध का असर ज्यादा रहेगा। दिन में हल्की धूप के बावजूद रातें ठंडी रहेंगी। वायु गुणवत्ता खराब रहने के कारण स्वास्थ्य सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

# बच्चों के पुतले लेकर कांग्रेस ने किया विधानसभा में प्रदर्शन, सरकार को बताया पूतना

भोपाल (एजेंसी)। सोमवार से मध्य प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र प्रारंभ हुआ है। पहले ही दिन यहां कांग्रेस ने बच्चों के पुतले लेकर काफी आक्रमक प्रदर्शन किया है। पार्टी का आरोप है कि लापरवाही और अनदेखी के चलते छिंदवाड़ा में कफ सीरप के कारण कई बच्चों की जान चली गई। ये राज्य सरकार पूतना का काम कर रही है। मृत बच्चों के परिजनों को सरकारी सहायता मिलना चाहिए। कांग्रेस विधायकों ने कफ सिरप से बच्चों की मौत, बढ़ते अत्याचार और सरकार की असंवेदनशीलता के खिलाफ विधानसभा परिसर में अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में विधायकों ने बच्चों के पुतले लेकर और एक विधायिका द्वारा पूतना का रूप धारण कर भाजपा सरकार की नीतियों और लापरवाही को प्रतीकात्मक रूप से उजागर किया।

कांग्रेस का आरोप है कि सरकार बच्चों के प्रति संवेदनशील नहीं है। छिंदवाड़ा में कई बच्चों की मौत के बावजूद स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी तय नहीं की जा रही है। अस्पतालों में अव्यवस्था का आलम यह है कि बच्चों को चूहे तक कुतर रहे हैं, लेकिन सरकार इस पर चर्चा करने और जवाब देने से बच रही है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा, सरकार बच्चों के मामले में भी संवेदनशील नहीं है। छिंदवाड़ा में कई परिवारों के घरों के चिराग हमेशा के लिए बुझ गए, माताओं की गोद सूनी हो गई, लेकिन पूतना बनी सरकार को स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी और समीक्षा करने की फुर्सत तक नहीं है। अस्पतालों में ऐसी बदइंतजामी है कि बच्चों को चूहे तक कुतर दे रहे हैं, और सरकार इस पर चर्चा करने, जवाब देने और जिम्मेदारी तय करने से लगातार बच रही है। कांग्रेस विधायकों ने कहा कि यह सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि प्रदेश में बच्चों की सुरक्षा, स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की हालत और सरकार की प्राथमिकताओं पर गंभीर प्रश्नचिह्न है। जनता जानना चाहती है कि आखिर सरकार मासूमों की जान से खिलवाड़ होने पर भी खामोश क्यों है? कांग्रेस विधायकों ने साफ कहा कि भाजपा सरकार की लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

**आरोपी जेल में है, सरकार ने सख्ती की है**

छिंदवाड़ा में बच्चों की मौत के मामले में खातेगांव से बीजेपी विधायक आशीष शर्मा ने सदन के बाहर कहा- मामला बहुत संवेदनशील था। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इस पर एक्शन लिया है। कफ सिरप बनाने वाले जेल में है। उन्हें सजा भी होगी। इस तरह की घटनाओं से सरकार ने सबक भी लिया है।

## नगालैंड की परंपराएं भारत के सांस्कृतिक ताने-बाने को मजबूत करती हैं : शाह

नई दिल्ली( एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को नगालैंड के लोगों को राज्य स्थापना दिवस पर बधाई दी और कहा कि पूर्वोत्तर राज्य की जीवंत परंपराएं और वहां के लोगों की जुझारू भावना राष्ट्र के सांस्कृतिक ताने-बाने को मजबूत करती है। नगालैंड का गठन एक दिसंबर, 1963 को भारत के 16वें राज्य के रूप में किया गया था। तब से एक दिसंबर को प्रतिवर्ष नगालैंड राज्य स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है। गृह मंत्री शाह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'नगालैंड की बहनों और भाइयों को उनके राज्य स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं। राज्य की जीवंत परंपराएं और इसके लोगों की जुझारू भावना हमारे राष्ट्र के सांस्कृतिक ताने-बाने को मजबूती प्रदान करती है। कामना है कि नगालैंड शांति, प्रगति और समृद्धि के पथ पर आगे बढ़े।'

# शशि थरूर ने फिर दिया कांग्रेस को झटका, सेहत के बहाने खास बैठक से बनाई दूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फैसलों की कई बार तारीफ कर चुके कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने एक बार फिर कांग्रेस को झटका दिया है। हाल ही में एसआईआर के विरोध में रणनीति बनाने के लिए बुलाई गई कांग्रेस की मीटिंग में भी शशि थरूर शामिल नहीं हुए। इसके लिए उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया था। वहीं अब संसद के शीतकालीन सत्र की रणनीति को लेकर हुई बैठक में भी वह गैरहाजिर रहे। अब सवाल यह है कि एक दिन पहले ही वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में हाजिर थे। वहीं एक दिन बाद ही कांग्रेस की बैठक से किनारा कर गए।

थरूर ने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट भी किया था। अब सोशल मीडिया पर भी शशि थरूर के रवैये को लेकर हलचल है। लोगों का कहना है कि क्या शशि थरूर बीजेपी में जाने का प्लान कर रहे हैं? बीते दिनों जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली के एक कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे तब शशि थरूर ने उनका भाषण सुना और फिर जमकर तारीफ की। उन्होंने शिक्षा पर की गई उनकी टिप्पणी को भी सराहा था। जबकि इस भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुलामी की मानसिकता बताते हुए कांग्रेस की खूब आलोचना की थी। पीएम मोदी की तारीफ को लेकर कांग्रेस के अन्य नेताओं ने उन्हें निशाने पर भी लिया था। थरूर ने सफाई देते हुए बताया कि वह केरल में थे। वह 90 वर्षीय मां के साथ थे और इसलिए बैठक में शामिल नहीं हो सके। इस बैठक में कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल भी शामिल नहीं हो पाए थे। वह स्थानीय चुनाव प्रचार में व्यस्त थे। कांग्रेस नेता ने कहा कि असल समस्या यह है कि वह देश को ठीक से समझते ही नहीं हैं। उन्हें यही लगता है कि बीजेपी की नीतियां बहुत अच्छी हैं। अगर ऐसा ही है तो वह कांग्रेस में क्यों हैं? वह दोहरा रवैया अपना रहे हैं। कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि प्रधानमंत्री के भाषण में कोई प्रशंसा करने वाली बात नहीं थी इसके बाद भी शशि थरूर को अच्छी लगी। मुझे समझ में नहीं आता कि कांग्रेस पर निशाना साधना उन्हें क्यों अच्छा लगा?

# चक्रवात दित्वा: श्रीलंका में फंसे 300 से अधिक भारतीयों को तिरुवनंतपुरम लाया गया

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) ने चक्रवात दित्वा के कारण श्रीलंका में फंसे 300 से अधिक भारतीय नागरिकों को तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे पर पहुंचाया। यहां एक रक्षा प्रवक्ता ने यह जानकारी दी।

प्रवक्ता ने बताया कि भारतीय वायु सेना का एक विमान कोलंबो से रविवार शाम साढ़े सात बजे तिरुवनंतपुरम पहुंचा। प्रवक्ता के मुताबिक, भारतीय वायुसेना के आईएल-76 और सी-130जे वाहनों का उपयोग श्रीलंका में बचाव सामग्री और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के दलों को पहुंचाने के लिए किया गया तथा फंसे हुए यात्रियों को निकालने के लिए भी इनका प्रयोग किया जा रहा है।

यहां एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि हाल ही में भारतीय वायुसेना द्वारा ऑपरेशन सागर बंधु के तहत श्रीलंका के लोगों को महत्वपूर्ण मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) सहायता प्रदान की जा रही है। विभिन्न अभियान संचालित करते हुए, भारतीय वायुसेना के कई हेलीकॉप्टर ने कुल 57 श्रीलंकाई सैन्य कर्मियों को दियाथलावा सैन्य शिविर और कोलंबो से कोटमाले पहुंचाया।

श्रीलंका के मध्य प्रांत में भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र कोटमाले से सड़क संपर्क पूरी तरह टूट गया है। प्रवक्ता ने बताया कि भारतीय वायुसेना के एक अभियान के दौरान गरुड़ कमांडो को वहां फंसे हुए नागरिकों के पास विमान के जरिए उतारा गया जिसके बाद कमांडो प्रभावित लोगों को एक निर्धारित स्थान पर ले गए, जहां से उन्हें हेलीकॉप्टर से आगे जाया गया। विज्ञप्ति में कहा गया है, ''भारतीय, विदेशी नागरिक और श्रीलंकाई समेत कुल 55 नागरिकों को सफलतापूर्वक कोलंबो पहुंचाया गया। दो भारतीय हेलीकॉप्टर ने 24 घंटे लगातार काम करते हुए अब तक बचाव कार्यों के लिए 12 से ज्यादा फेरे लगाए हैं।''

# बिहार के फार्मूले से पश्चिम बंगाल का सियासी समीकरण हल करना चाहती है भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में शानदार जीत हासिल करने के बाद भाजपा मिशन बंगाल में जुट गई है। वहां बिहार के फार्मूले से पश्चिम बंगाल का सियासी समीकरण हल करने में जुटी भाजपा को जनता से क्या आनसर मिलेगा ये बाद में पता चलेगा। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐलान किया था कि अब पार्टी का लक्ष्य पश्चिम बंगाल में जीत हासिल करना है। लेकिन, क्या भाजपा बिहार के फॉर्मूले पर ही बंगाल में फतह हासिल कर सकती है? यह बड़ा सवाल है क्योंकि सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनीतिक हर तरीके से बंगाल, बिहार से अलग है। राज्य में भाजपा और टीएमसी के बीच सीधी टक्कर है। लेकिन, बीते तीन चुनावों यानी 2019 के लोकसभा, 2022 के विधानसभा और फिर 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों ने भाजपा को अपनी पुरानी रणनीति बदलने पर मजबूर कर दी है। भाजपा समझ गई है कि बंगाल में सिर्फ हिंदू राष्ट्रवाद के मुद्दे पर चुनावी फतह करना आसान नहीं है। क्योंकि इस राज्य में बिहार-उत्तर प्रदेश की तरह चुनाव में जाति बहुत अहम नहीं है। साथ ही इस राज्य में करीब 30 फीसदी मुस्लिम आबादी रहती है।

एक भाजपा नेता ने कहा कि इस बार के चुनाव में पार्टी उन मुस्लिम वोटरों को टार्गेट कर रही है जो किसी भी कारण से ममता दीदी से नाराज चल रहे हैं। टीएमसी से नाराज ये मुस्लिम वोटर्स आमतौर पर कांग्रेस या फिर वाम दलों को वोट करते हैं। भाजपा की रणनीति इन मुस्लिम वोटर्स को अपने पाले में लाने की है। पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य के बयान को भी इसी संदर्भ में देखा जा रहा है। पश्चिम बंगाल में मुस्लिम आबादी करीब 30 फीसदी है। राज्य की 294 सदस्यीय विधानसभा में केवल 40 से 50 सीटों पर ही मुस्लिम समुदाय बेहद प्रभावी है। इन सीटों को नजरअंदाज भी किया जा सकता है। लेकिन, राज्य में कई ऐसी सीटें हैं जहां मुस्लिम आबाद इतनी मजबूत नहीं है लेकिन जीत-हार तय करने में उनकी अहम भूमिका होती है। 2022 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनावों में इन सीटों पर भी भाजपा की हार हो गई थी। ऐसे में हम इस बार इन सीटों पर मौका नहीं चूकना चाहते हैं। 2011 की जनगणना के मुताबिक पश्चिम बंगाल में 27 फीसदी आबादी मुस्लिम है जबकि 70.5 फीसदी हिंदू हैं।

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने राज्य की 42 लोकसभा सीटों में से 18 पर जीत हासिल की थी। उसे 40.25 फीसदी वोट मिले थे। यह भाजपा का सबसे शानदार प्रदर्शन था। लेकिन, 2021 के विधानसभा चुनाव में पार्टी यही मोमेंटम कायम नहीं रख पाई। उसका वोट प्रतिशत घट गया। उसे 27.81 फीसदी वोट मिले। उसकी सीटों की संख्या 77 थी। हालांकि 2016 के विधानसभा की तुलना में यह प्रदर्शन शानदार था। फिर 2024 के लोकसभा में चुनाव में भी भाजपा अपनी पुरानी बढ़त कायम नहीं रख पाई। उसकी सीटें घटकर 12 हो गईं और उसका वोट प्रतिशत 39.10 फीसदी रहा। अभी बीते दो चुनावों में टीएमसी अपने 2019 के प्रदर्शन से आगे नहीं निकल पाई है। यही पार्टी के लिए सबसे बड़ी चिंता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस वक्त पश्चिम बंगाल में एसआईआर चल रहा है। इससे पहले बिहार में भी एसआईआर करवाया गया था। बिहार में एसआईआर के दौरान भाजपा घुसपैठ के बड़ा मुद्दा बनाने में कामयाब रही है। लेकिन, बंगाल में एसआईआर पर भाजपा का रुख थोड़ा अलग है। वहां वह कह रही है कि पार्टी राष्ट्रवादी मुस्लिमों के खिलाफ नहीं है। पश्चिम बंगाल में 2011 से ममता दीदी सत्ता में हैं। बंगाल में अलग फॉर्मूले की जरूरत है। क्योंकि जाति उतना अहम मुद्दा नहीं जितना बिहार और अन्य राज्यों में है। ऐसे में यहां भाजपा को क्षेत्रीय और धार्मिक समीकरणों में संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं।